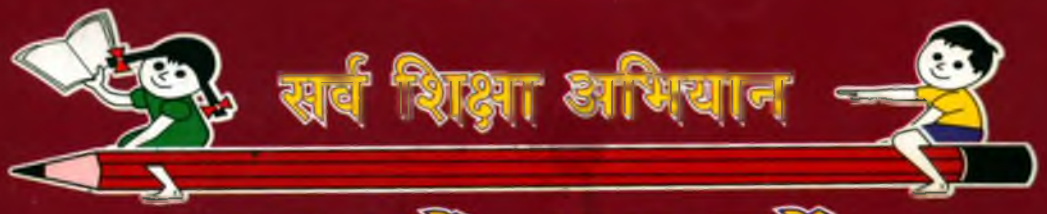

सब पढ़ें, सब बढ़ें

वार्षिक अहेवाल
२००३ - २००४

डीपीइपी • एसएसए • एनपीइजीइएल

डीपीइपी - गुजरात प्राथमिक शिक्षा परिषद
स्टेट प्रोजेक्ट ओफिस
डीपीइपी - एसएसए
सेक्टर - १७
गांधीनगर

गुजरात प्राथमिक शिक्षा परिषद द्वारा डीपीइपी एवं एसएसए में समाविष्ट जिले

डीपीइपी २ जिले - ४
बनासकांठा, पंचमहाल, दाहोद, डांग

डीपीइपी ४ जिले - नेधरलेन्ड फंडेड - ३
कच्छ, साबरकांठा, सुरेन्द्रनगर

डीपीइपी ४ जिले - स्टेट फंडेड - ४
भावनगर, जामनगर, जूनागढ, पोरबंदर

एसएसए (नोन डीपीइपी) जिले - १४
अहमदाबाद अमरेली, आणंद, भरुच, गांधीनगर, खेडा, महेसाणा, नर्मदा, नवसारी, पाटण, राजकोट, सुरत, वडोदरा, वलसाड

अनुक्रमणिका

अनु.	प्रकरण	विषय	पृष्ठ संख्या
१	-	प्राक्कथन	१
२	१	गुजरात : राज्य की विशेषताएं	४
३	२	अध्यापनविद्या पखिप्रेक्ष्य में	८
४	३	दूरस्थ शिक्षा	१७
५	४	समुदायों का अभिप्रेरण	२२
६	५	कन्या शिक्षा की समस्याओं का समाधान	२७
७	६	विकल्प वैकल्पिक शिक्षा का	३५
८	७	विकलांग बच्चों के लिए संकलित शिक्षा	४१
९	८	मिडिया और अनुलेखन	४७
१०	९	मेनेजमेन्ट इन्फोर्मेशन सिस्टम (एमआईएस)	५१
११	१०	प्लानिंग एन्ड मेनेजमेन्ट	५२
१२	११	निर्माण कार्य	५६
१३	१२	वित्त और लेखा	६६
१४	-	चार्टर्ड एकाउन्टन्ट की ओडिट रिपोर्ट	७५

प्राक्कथन

सिंहावलोकन में वर्ष २००३-२००४ गुजरात प्राथमिक शिक्षा परिषद के लिए महत्वपूर्ण स्मृति-चिह्नों से भरपूर रहा है। इस वर्ष के प्रथम त्रिमासिक पक्ष के दौरान जिला प्राथमिक शिक्षा कार्यक्रम (डीपीइपी) के द्वितीय चरण का बनासकांठा, पंचमहाल और डांग जिलों में सफलतापूर्वक समापन हुआ। वर्ष के तृत्तीय त्रिमासिक पक्ष में नेशनल प्रोग्राम फोर एज्युकेशन ओफ गर्ल्स एट एलीमेन्टरी लेवल (एनपीइजीइएल) अर्थात् प्रारंभिक शिक्षा के स्तर पर कन्या शिक्षा के राष्ट्रीय कार्यक्रम का प्रारंभ राज्यमें हुआ, जबकि चतुर्थ त्रिमासिक पक्ष के दौरान कस्तुरबा गांधी बालिका विद्यालय (केजीबीवी) की शुरुआत के लिए एक ठोस नींव डाली गइ । जिला प्राथमिक शिक्षा कार्यक्रम चतुर्थ चरण के इस उपान्त्य वर्ष के दौरान परियोजना के तमाम क्रिया-कलाप कच्छ, साबरकांठा, सुरेन्द्रनगर, भावनगर, जामनगर और जूनागढ जिलो में चरमोत्कर्ष पर पहुँचे । सर्व शिक्षा अभियानने भी राज्यभर में इस वर्ष प्रचँड वेग प्राप्त किया ।

डीपीइपी - २ जिलों में परियोजना के प्रारंभ की तुलना में नामांकन ५३.०९ प्रतिशत बढा । कुमारों से कन्याओं के नामांकन का अनुपात, जो कि परियोजना की शुरुआत मे १००० : ६९३ था, बढकर १००० : ८४२ तक पहुँचा । इस प्रकार नामांकन का लैंगिक भेद १५ प्रतिशत कम हुआ । बैकल्पिक स्कूल व्यवस्था के तहत ३२७५५ बच्चों को औपचारिक स्कूलों में नामांकित कर मुख्य प्रवाह में जोडा गया । ब्रिज कोर्स के माध्यम से मौसमी और व्यावसायिक स्थानांतर करनेवाले माता - पिताओं के बच्चो का अपव्यय रोका गया । परियोजना के समापन के समय, गुणवत्ता में औसतन २५ प्रतिशत सुधार पाया गया । धनराशि के उपयोग के मापदंड से १०० प्रतिशत कार्यवाही संपन्न हुइ । बजेट के मुताबिक प्राप्त रु. १३२.४६ करोड को संपूर्णरूप से खर्च किया गया

डीपीइपी - २ के निर्धारित लक्ष्यों एवं उद्देश्यों को सिध्ध करने के उपरांत गुजरात प्राथमिक शिक्षा परिषदने प्राथमिक शिक्षा के सार्वत्रिकरण की परियोजनाओं के असरदार राज्यव्यापी अमलीकरण के लिए आवश्यक क्षमता एवं ढांचे का भी विकास हासिल किया है । डीपीइपी - २की सफल रणनीतियों तथा सुचारु पध्धतियों के उपयुक्त पूनरावर्तन के कारण डीपीइपी - ४, एसएसए एवं एनपीइजीइएल परियोजनाओं में, तुलनात्मक रूप से देखा जाए तो कम समयावधि में सकारात्मक परिणाम प्राप्त हुए हैं । डीपीइपी - २ के असरदार अमलीकरण के लिए बनाइ गइ बी.आर.सी., सी.आर.सी., वी.इ.सी., वी.सी.डबल्यु.सी., एम.टी.ए. तथा पी.टी.ए. जैसी संरचनाओ का पूनरावर्तन डीपीइपी - ४ तथा एसएसए में भी किया गया है । आधारस्तर पर सक्रिय भूमिका अदाकर इन्होंने शिक्षको के

क्षमता निर्माण हेतु प्रमुख संसाधन संस्थाओं के रुप में अपनी पहचान खडी कर ली है।

गुजरात सरकार की विद्यासहायक योजना के तहत विद्यासहायको की नियुक्तियाँ तबकों में की जा रही है । वर्ष २००३-०४ के दरमियान, कुल २,८१४ विद्यासहायकों की गुजरात में नियुक्ति की गई, जिन्हें बाद में प्रशिक्षित भी किया गया । पिछले वर्ष तैयार किए गए मास्टर्स ट्रेनर्स (एम.टी.) के द्वारा विद्यासहाय कों को प्रवृत्ति - आधारित, तरंग उल्लासमय शिक्षा की नई पध्धतियों तथा तकनीको के विषय मे प्रशिक्षण दिया गया । डीपीइपी जिलों में डीपीइपी के तहत तथा एसएसए जिलों में एसएसए के तहत, उन्हें जो भूमिका तथा कार्यवाही अदा करनी है उसकी तालीम दी गइ । विद्या सहायक योजना के तहत, वर्ष १९९८ - ९९ में हुइ शुरूआत से लेकर अब तक, कुल ६४,४६७ विद्यासहायकों की नियुक्ति की गइ है ।

पूर्व की व्याख्यान आधारित, एकपक्षीय प्रक्रिया के स्थान पर शिक्षक प्रशिक्षण में अब अधिक आंतरक्रिया से युक्त द्विपक्षी प्रक्रिया को अपनाया गया है । इस प्रकार के प्रशिक्षणमें भाषण के स्थान पर प्रशिक्षार्थियों के लिए एक प्रयोगात्मक अनुभव खडा किया जाने का प्रयास होता है, जैसे कि कुछ प्रवृत्ति करना, भूमिका अदा करना, गद्यपाठ करना अथवा कोइ विशेष कार्य या कवायत करना ताकि तालीम के दौरान ही स्वानुभव द्वारा पृथ्थकरण किया जा सके । इस प्रकार, प्रयोगात्मक प्रशिक्षणने पूर्वके उस प्रशिक्षण का स्थान लिया है, जिसमें प्रतिभागी को कोइ भूमिका अदा करनी नहीं होती थी ।

एसएसए के तहत जिला स्तर पर शिक्षक प्रशिक्षण बी.आर.सी. एवं सी.आर.सी. द्वारा स्थानिक डायेट के साथ मिलकर आयोजित किया जाता है, जिन्हें कि अध्यापन विद्याकीय तथा शिक्षक प्रशिक्षण की आवश्यकताओं की पहचान तथा आयोजन करने की सत्ता प्रदान की गइ है। इस हेतु विशेष धनराशि एसएसए के तहत इन्हें दी जाती है । गुजरात में वर्ष - २००३- ०४ के दौरान कुल ६,७६,३३९ शिक्षकों को कक्षा १ से ७ का प्रशिक्षण दिया गया ।

गुजरात के सभी जिलों तथा म्युनिसिपल कोर्पोरेशन विस्तारो में शिक्षकों को आधुनिक अध्यापनविद्या के विविध आयामो की तालीम दी गइ, उदाहरणार्थ, बालकेन्द्रित एवं संदर्भित टी.एल.एम. का निर्माण, सभी विषयों के कठिन बिंदुओं की असरदार शिक्षा, नई पाठय पुस्तकें, स्कुल स्तर का शैक्षिक आयोजन तथा सर्व शिक्षा अभियान की अमलदारी, इत्यादि । जिला परियोजना इकाइयों द्वारा बी.आर.सी. स्तर पर तथा डायेट बी.आर.सी. एवं सी.आर.सी. स्तर पर इन प्रशिक्षण कार्यक्रमों को आयोजित किया

गया ।

एनपीइजीइएल के तहत २३ जिलों के ११२ तालुकों के मुख्य मथकों पर एक मोडल क्लस्टर स्कुल को कम्प्युटर, अतिरिक्त वर्गखंड, पेय-जल सुविधा, बिजली तथा स्वच्छता संकुल प्रदान किए जा चूके हैं । राज्यके ५०० मोडल क्लस्टर स्कुलों की लडकियो को प्रति कन्या रु.१५० के मूल्य के स्थानीयरुप से खरीदे गए टी.एल.एम., शैक्षिक उपकरण तथा वस्तुएं दी जा चूकी हैं। इसके अतिरिक्त, हर क्लस्टर के कम से कम २० शिक्षकों को एनपीइजीइएल के तहत कन्या शिक्षा के विशेष मुद्दों की तालीम दी जा रही है ।

राज्य परियोजना कार्यालय तथा जिला परियोजना कार्यालयों पर कार्यवाहियों एवं गतिविधियों का वेग निरंतर रुप से बहुत ही जबरदस्त रहता है । कठिन समयमर्यादा के दबाव में, उच्च गति से कार्य को उम्दगी से संपन्न करने की कोशिशें की जा रही हैं । और, यह देखकर मन आश्वस्त होता है कि हर स्तर पर क्षमताओं को पर्याप्त रुप से विकसित किया गया है और हर व्यक्ति अपनी - अपनी कार्यवाही को बेहतरीन ढंग से अंजाम देने के लिए भरसक प्रयास कर रहा है ।

(मीना भट्ट)

राज्य परियोजना निदेशक

डी.पी.इ.पी. - एस.एस.ए.

गांधीनगर, गुजरात

प्रकरण : १

गुजरात : राज्य की विशेषताएं

१.० विस्तार और जनसंख्या

गुजरात का विस्तार है करीब १.९६ वर्ग कि.मी.। राज्य २५ जिलों और २२५ तालुकों मे विभाजित है। जनगणना २००१ के हंगामी आंकडों के अनुसार राज्य की कुल आबादी ४.८४ करोड है, जिसमें भूकंपग्रस्त क्षेत्रों को सामिल नहि किया गया। भूकंपग्रस्त विस्तारों के अनुमानित आंकडों को शामिल किये जाने पर गुजरात की आबादी ५.०६ करोड की है ।

भारत का ६.१९ प्रतिशत विस्तार गुजरात है। भूकंपग्रस्त विस्तारों के आंकडों सहित, राज्य की जनसंख्या देश की कुल जनसंख्या का ४.९३ प्रतिशत है।

१.१ घनता

गुजरात में आबादी की घनता २५८ व्यक्ति प्रति किलोमीटर थी वर्ष २००१ में। अहमदाबाद जिले में सर्वाधिक घनता पाई गई है, जो कि ७१८ व्यक्ति प्रति किलोमीटर है, जबकि सब से कम घनता कच्छ जिले में पाई गई है, जहाँ ३५ व्यक्ति प्रति किलोमीटर विस्तार में रहते हैं।

१.२ लैंगिक अनुपात

गुजरात का लैंगिक अनुपात, जो कि १९९१ में ९३४ था, घटकर ९२१ हुआ है। डांग और अमरेली जिलों में सर्वाधिक अनुपात ९८६ है, जब कि सुरत जिले का लैंगिक अनुपात ८३५ राज्य में सबसे कम है।

१.३ साक्षरता

राज्यकी साक्षरता (०-६ वर्ष के बच्चों के अलावा), जो कि वर्ष १९९१ में ६१.२९ प्रतिशत थी, वर्ष २००१ में बढकर ६९.६७ प्रतिशत हुइ है। पुरुषों में साक्षरता वर्ष १९९१ मे ७३.१३ प्रतिशत थी, जो कि वर्ष २००१ में बढकर ८०.२१ प्रतिशत हुइ है, जब कि महिला साक्षरता, जो कि वर्ष १९९१ में ४८.६४ प्रतिशत थी, वर्ष २००१ में बढकर ५८.३९ प्रतिशत हुइ है। ग्रामीण विस्तारों का साक्षरता दर ८१.८२ प्रतिशत है, जब कि शहरी विस्तारों में साक्षरता दर ८२.३४ प्रतिशत है। जनगणना जहाँ की

गइ थी उन २४ जिलों में सर्वाधिक साक्षरता दर ७९.८९ प्रतिशत अहमदाबाद जिले का रहा, जब कि न्यूनतम साक्षरता दर ४५.६५ दाहोद जिले का पाया गया।

१.४ शहरीकरण

जनगणना २००१ के हंगामी आंकडों के अनुसार गुजरात की ३७.३५ प्रतिशत आबादी शहरी विस्तारों में रहती है - जिनमें कच्छ, जामनगर और राजकोट जिले शामिल नहि, क्योंकि भूकंप के कारण जनगणना सम्पन्न नहिं हो सकी थी । वर्ष १९९१ में यह शहरी जनसंख्या ३४.४९ प्रतिशत थी । राज्य में सबसे अधिक शहरीकृत जिला अहमदाबाद है जहाँ ८०.०९ प्रतिशत आबादी शहरी विस्तारों मे रहती है, जबकि डांग एक ऐसा जिला है जो कि संपूर्ण ग्रामीण है और जहाँ शहरी जनसंख्या बिलकुल नहि है।

१.५ अनुसूचित जातियाँ एवं अनुसूचित जनजातियाँ

जनगणना २००१ के अनुसार, राज्य में अनुसूचित जाति की आबादी ३५,९२,७१५ है । जो कि कुल आबादी का ७.९ प्रतिशत है । इनमें १८,६६,२८३ पुरुष हैं जो कि ७.०७ प्रतिशत है और १७,२६,४३२ महिलाएं हैं जो कि १४.७६ प्रतिशत हैं। राज्यमें अनुसूचित जाति की शहरी आबादी १४,१२,२२४ हैं जो कि ३९.३१ प्रतिशत हैं । ग्रामीण विस्तारोमें अनुसूचित जाति की आबादी २१,८०,४४१ है जो कि ६०.६९ प्रतिशत है ।

जनगणना २००१ के अनुसार, राज्य में अनुसूचित जनजाति की आबादी ७४,८१,१६० है। जो कि कुल आबादी का १४.७६ प्रतिशत है । इनमें ३७,९०,११७ पुरुष हैं जो कि १४.३६ प्रतिशत है और ३६,९१,०४३ महिलाएं हैं जो कि १५.२० प्रतिशत हैं । राज्य में अनुसूचित जनजाति की शहरी आबादी ६,१४,५२३ है जो कि ८.२१ प्रतिशत है । ग्रामीण विस्तारों में अनुसूचित जनजाति की आबादी ६८,६६,६३७ है जो कि ९१.७९ प्रतिशत है ।

१.६ प्राथमिक शिक्षा

चूं कि शैक्षिक पिरामिड की बुनियाद प्राथमिक शिक्षा होती है, गुजरात सरकार ने इसके विकास को हमेशा सर्वोच्च प्राथमिकता दी है। राज्य में हर बस्ती से एक किलोमीटर की त्रिज्या में एक प्राथमिक स्कूल है तथा शिक्षक विद्यार्थी अनुपात १:४० है, जो कि राष्ट्रीय मापदंडों के अनुसार ठीक ही है।

विविध योजनाओं के अमलीकरण का परिणाम यह प्राप्त हुआ है कि कक्षा १ से ७ के बच्चों का स्कूल छोड जाने का दर, जो कि १९९६ - ९७ में ४९.४९ था, घटकर वर्ष २००१ - ०२ में ३७.२२ पर आ पहुंचा है। कक्षा १ से ५ के बच्चों का स्कूल छोड जाने का दर वर्ष २००१-०२ में २०.५० था, अर्थात् इनके स्थायीकरण का दर ७९.५० था ।

राज्य में कुल ४०,४२५ प्राथमिक स्कूल्स हैं जिनमें ३२,२४४ सरकार / पंचायतों द्वारा चलाएं जाते हैं जबकि ८,१८१ सहायित / असहायित निजी संस्थानों द्वारा ।

वर्ष २००३-०४ के दौरान कक्षा १ से ७ में बच्चों का कुल नामांकन ७५,२५,५३८ था, जिनमें ४०,९३,४६७ लडके तथा ३४,३२,०७१ लडकियां थी ।

१.७ मुफ्त पाठ्य - पुस्तकें

जिला शिक्षा समिति और म्यूनिसिपल स्कूल बोर्ड द्वारा चलाए जा रहे स्कूलों में कक्षा १ से ७ के बच्चों को मुफ्त पाठ्य - पुस्तक देने की योजना का बहुत अच्छा असर हुआ है - इससे नामांकन तथा स्थायीकरण के दर में वृद्धि हुई है।

१.८ प्राथमिक स्कूलों में कक्षा की बढोतरी

यह देखा गया है कि बच्चों के प्राथमिक शिक्षा पूर्ण न करने का प्रमुख कारण है गाँव में कक्षा ५ से आगे पढने की सुविधा न होना । इस समस्या को हल करने के लिए हर गाँव में कम - से - कम एक प्राथमिक स्कूल की कक्षा की बढोतरी करके उसे उच्चत्तर प्राथमिक स्कूल बनाया गया है।

१.९ विद्या लक्ष्मी योजना

विद्या लक्ष्मी योजना राज्य के उन गाँवों में लागू की गइ है जहाँ महिला साक्षरता ३५ प्रतिशत से कम है । इस योजना का उद्देश्य है प्राथमिक स्कूलों में कन्याओं का १०० प्रतिशत नामांकन और स्थायीकरण सिद्ध करना । इस के तहत कक्षा १ में नामांकित होनेवाली हर कन्या को रु. १००० के मूल्य के नर्मदा बोन्ड दिए जाते हैं जो कि सात वर्ष के बाद परिपक्व होते हैं जिन्हें वह सात वर्षकी प्राथमिक शिक्षा पूर्ण करने के पश्चात् ही प्राप्त कर सकती है । नर्मदा बोन्ड के लिए आर्थिक सहाय सामूदायिक अभिप्रेरण तथा रोकड अनुदानों से प्राप्त की जाती है। राज्य की करीब १,५०,००० कन्याएं इस योजना से लाभान्वीत होने की उम्मीद है।

१.१० विद्या दीप योजना

स्कूल में पढनेवाले बच्चों को बीमे की सुरक्षा प्रदान करने के हेतु से राज्य सरकारने विद्यादीप योजना शुरु की है। २६ जनवरी, २००१ के दिन भूकंप में जान खोनेवाले बच्चों की स्मृति में शुरु की गइ इस योजना का लाभ प्राथमिक, माध्यमिक एवं उच्च माध्यमिक स्कूलों के बच्चों को प्राप्त होगा । राज्य सरकार इसके प्रिमियम की सालाना किश्त अदा करेगी । इसके तहत रु. ५०,००० की रकम का बीमा प्राथमिक, माध्यमिक और उच्चमाध्यमिक स्कूल के बच्चों के लिए लिया जाएगा ।

प्राकृतिक मृत्यु और आत्महत्या के अलावा किसी भी दुर्घटना में जान खोनेवाले बच्चे के माता - पिता को बीमा कम्पनी द्वारा बीमे की रकम अदा की जाएगी। इस विषय में स्कूल के आचार्य द्वारा, बच्चे की मृत्यु के एक सप्ताह के भीतर ही, एक नियत प्रमाणपत्र जारी किया जाएगा जिसके आधार पर बीमे की रकम १५ दिनों के भीतर ही चेक द्वारा अदा कर दी जाएगी ।

प्रकरण : २

अध्यापनविद्या परिप्रेक्ष्य में

२.० अध्यापनविद्या प्रणालि का नवीनीकरण

डीपीइपी और सर्व शिक्षा अभियान के तहत गुजरात में अध्यापनविद्या के नवीनीकरण की प्रक्रिया को अप्रतिम सफलता प्राप्त हुइ है । अध्यापनविद्या प्रणालि के नवीनीकरण की प्रक्रिया में अध्यापकों, विश्व विद्यालयों के व्यवसायियों, कोलेजों और गैर - सरकारी संगठनों के साथ विचार विमर्ष कर विकेन्द्रीकरण की ओर ज्यादा ध्यान दिया गया है। जिला स्तर पर भी ऐसे ही विचार विमर्षों की प्रणालि लागू करने के प्रयास किए गए है । ब्लोक एवं क्लस्टर के स्तर पर संसाधन केन्द्रों की रचना से पहले की प्रशासकीय निरीक्षण प्रणालि में भी बदलाव लाया गया है। अब शिक्षकों के प्रशिक्षण के अनुश्रवण और सहायरूप मुलाकातों पर विशेष जोर दिया जा रहा है, जहाँ शिक्षकों को शैक्षिक मशवरे प्रदान किये जाते हैं, ताकि वे सिखने - सिखाने की बदलती स्थितियों के साथ कदम से कदम मिलाकर चल सकें ।

उपर्युक्त संदर्भ में नई पाठ्यपुस्तकों के विकास, शैक्षिक मूल्यांकन, नई अध्यापन विद्या के प्रति शिक्षकों के अभिप्रेरण की दिशा में ठोस कदम उठाए गए, जिसे विद्यार्थी केन्द्रित, प्रवृत्ति आधारित एवं आनंददायी सिखाने / पढाने की पध्धति के विस्तृत परिप्रेक्ष्य में देखा गया । अध्यापन विद्या के लिए विशेष रूप से गठित राज्य संसाधन जूथ अध्यापन विद्या के नवीनीकरण की प्रक्रिया में अहम भूमिका निभा रहे है । ब्लोक एवं क्लस्टर संसाधन केन्द्रों को कार्यान्वित किया गया है। डीपीइपी और सर्व शिक्षा अभियान के तहत सभी विद्यालयों को टी.एल.एम. अनुदान और विद्यालय अनुदान मुहैया कराए गए हैं।

२.१ पाठ्य पुस्तकें

डीपीइपी के तहत कक्षा - १, कक्षा - २ और कक्षा - ३ के लिए नई पाठय पुस्तकें तथा कक्षा ५ के लिए स्वाध्यायपोथि विकसित किये गये हैं, जिन्हें, त्रि-स्तरीय आजमायीश के बाद राज्यभरमें अमलीकृत किया गया है । इन पाठय पुस्तकों में बच्चों को प्रवृत्ति आधारित शिक्षा एवं संगठित स्व-विद्या प्रणालि मुहैया कराइ गइ है । बच्चों में निहित विचार-शक्ति, जिज्ञासा और भागीदारी को संगठित कर ये पाठयपुस्तकें उनकी रचनात्मकता को पालने का काम करेंगी ।

२.१.१ कक्षा - १,२,३ के लिए नई पाठयपुस्तकें

कडी महेनत के बाद तैयार की गइ कक्षा - १ की नई पाठयपुस्तकों को वर्ष २००० - २००१ के दौरान पूरे राज्यभर में दाखिल किया गया था। इन पुस्तकों के प्रति शिक्षकों और विद्यार्थिओं में काफी उत्साह देखा गया।

डीपीइपी जिलों के अंतर्गत सभी विद्यालयों में कक्षा-२ के लिए तैयार की गइ पाठयपुस्तकों

को वर्ष २०००-२००१ में दाखिल किया गया था। इन पाठ्यपुस्तकों के बारें में शिक्षकों, विद्याभ्यासियों और अध्यापन विशेषज्ञों की हिदायतें प्राप्त कर तथा जरुरी बदलाव के साथ कक्षा-२ की नई पाठ्यपुस्तकों को अध्यापन वर्ष २००१-२००२ से समग्र राज्य में लागू किया गया ।

गुजरात राज्य बोर्ड ओफ स्कूल टेक्स्टबुक्स (जी.एस.बी.एस.टी.बी.) द्वारा कक्षा-३ के लिए नई पाठ्यपुस्तकें तैयार की गई और जी.सी.इ.आर.टी. द्वारा इनके निरीक्षण के बाद इसे वर्ष २००० - २००१ में डीपीइपी जिलों के उन ४०० विद्यालयों में आजमाइश के तौर पर दाखिल किया गया, जहाँ कक्षा-१ एवं कक्षा-२ की पुस्तकें आजमायी जा चूकी थी। जून २००१ से इन नई पाठ्यपुस्तकों को डीपीइपी के तीनों जिलों के सभी विद्यालयों में जरुरी अनुग्रहण के बाद दाखिल किया गया था । जून २००२ से इन्हें राज्यभर में लागू किया गया है।

२.१.२ कक्षा - ५ के अंग्रेजी विषय के लिए स्वाध्यायपोथियाँ

अध्यापन वर्ष २००१ - २००२ से गुजरात के सभी विद्यालयों में कक्षा - ५ में अंग्रेजी को विशेष विषय के तौर पर दाखिल किया है । इस बात पर गौर करते हुए, गैर डीपीइपी जिलों से ६००० मास्टर ट्रेनर्स को अंग्रेजी कार्यपुस्तिकाओं पर प्रशिक्षण दिया गया और मौखिक कार्य हेतू ८० फ्लेशकार्ड का एक सेट भी तैयार किया गया । इसके बाद मार्च २००१ में गैर डीपीइपी जिलों के २२००० प्राथमिक शिक्षकों को प्रशिक्षण दिया गया । प्रशिक्षण के दौरान सभी शिक्षकों को अंग्रेजी पाठ्यपुस्तके और फ्लेशकार्ड के सेट प्रदान किए गये । अंग्रेजी स्वाध्यापोथियाँ भाग -१ व २ परियोजना के तीनो जिलों के विद्यालयों में प्रदान की गइ । इन कार्य पुस्तिकाओं एवं फ्लेशकार्ड में भाषा को सुनने, बोलने, पढने और लिखने की शिक्षा देने पर ज्यादा ध्यान दिया गया है, जिसे कक्षा - ५ के पाठ्यक्रम का अभिनव अंग बनाया गया है ।

२.२ डीपीइपी- २ में गुणवत्ता सुधार

टी.ए.एस.के निष्कर्षसे मालुम होता है की डीपीइपी के तहत अध्यापन अध्ययन की नवीनीकरण प्रक्रिया द्वारा सिद्धि कक्षा को सुधारने में, लक्ष अनुसार सफलता प्राप्त हुइ है । निम्नलिखित तालिकामें परियोजना जिलोमें बी.ए.एसकी तुलनामें कक्षा १ और ३ के भाषा तथा गणित के विषयोंकी सिद्धि कक्षामें हुइ बढोतरी को दर्शाया गया है:

कक्षा - १

भाषा				गणित		
	बीएएस (B)	टीएएस (T)	बढोतरी (T-B)	बीएएस (B)	टीएएस (T)	बढोतरी (T-B)
बनासकांठा	५७.५५	८८.२२	३०.६७	५४.४२	८९.३३	३४.९१
डांग	५३.४५	७९.१५	२५.७०	६१.९२	७९.६६	१७.७४
पंचमहाल	६२.२५	८४.५६	२२.३१	५८.२९	८३.६७	२५.३८

कक्षा - ३

जिला	भाषा			गणित		
	बीएएस (B)	टीएएस (T)	बढोतरी (T-B)	बीएएस (B)	टीएएस (T)	बढोतरी (T-B)
बनासकांठा	४५.०२	६६.२०	२१.१८	४६.०५	६१.६०	१५.५५
डांग	४४.८८	५०.५३	५.६५	४३.९०	४९.१९	५.२९
पंचमहाल	४९.०२	६०.४०	११.३८	४३.८७	५५.१५	११.२८

डीपीइपी के तीनों जिलों में कक्षा - १ / कक्षा - २ के बच्चों का भाषा की कसौटी में औसतन प्रदर्शन ७६.०७ से ८८.७६ के बिच रहा है ।

कक्षा - १ / कक्षा - २ के बच्चों का गणित की कसौटी में औसतन प्रदर्शन ७९.६६ से ८९.३३ के बिच रहा है ।

शब्दार्थ तथा वाचन सार ग्रहण के अंकों को जोडकर भाषा के अंकों को प्राप्त किया गया था।

ग्रामीण विस्तारो में लैंगिक भेद ज्यादा देखा गया । ग्रामीण विस्तारो में लडकियों की तुलना में लडकों का प्रदर्शन बेहतर पाया गया । शहरी क्षेत्रो में लडकियों का प्रदर्शन लडकों से बेहतर देखा गया । कुल मिलाकर 'अन्य वर्ग' के बच्चों का प्रदर्शन औरों की तुलनामें ग्रामीण एवं शहरी विस्तारों मे बेहतर पाया गया, सिवाय डांग जिलेके, जहां अनुसूचित जनजाति के बच्चों का प्रदर्शन बेहतर पाया गया ।

२.२.१ बी.ए.एस., एम.ए.एस. एवं टी.ए.एस. के सिद्धिस्तरोंकी तुलना

पूरे तौर पर देखा जाए तो मध्यावधि मूल्यांकन सर्वेक्षण (मिड-टर्म एसेसमेन्ट सर्वे - एम.ए.एस.) की तुलना में अंतिम मूल्यांकन सर्वेक्षण (टर्मिनल एसेसमेन्ट सर्वे- टी.ए.एस.) के परिणामों से यह प्रतिबिंबित होता है कि कक्षा १ / २ तथा कक्षा ३ /४ के बच्चोंकी भाषा और गणित के सिद्धि स्तरमें सुधार हुआ है।

कक्षा १/२ के बच्चों में, टी.ए.एस के मुताबिक, भाषा की सिद्धि में गणनापात्र सुधार हुआ है। सिद्धि के दृष्टिकोण से बनासकांठा जिले में एम.ए.एस. से टी.ए.एस. में तीन गुना ज्यादा सुधार हुआ है। पंचमहाल और डांग जिलों मे बी.ए.एस. से एम.ए.एस. की तुलना में एम.ए.एस. से टी.ए.एस. में कम सुधार हुआ है। कक्षा १ / २ में गणित के औसतन गुणों में भी इसी प्रकार का रुझान पाया गया है।

कक्षा ३/४ के बच्चों में भाषा के औसतन गुणांको में एम.ए.एस. के मुकाबले टी.ए.एस. में गणनापात्र सुधार देखा गया है। बनासकांठा एवं पंचमहाल में बी.ए.एस. से एम.ए.एस. की तुलना में एम.ए.एस. से टी.ए.एस. में सिद्धि स्तर मे गणनापात्र सुधार देखा गया है। डांग जिले में बी.ए.एस. से एम.ए.एस. की तुलना में एम.ए.एस.से टी.ए.एस. के सिद्धि स्तर में कम सुधार

पाया गया है। इसी प्रकार, गणित विषय में कक्षा ३/४ के बच्चों के औसत गुणांकों में तीनों जिलों में टी.ए.एस. में एम.ए.एस. की तुलना में ज्यादा सुधार हुआ है। बनासकांठा और पंचमहाल में एम.ए.एस. से टी.ए.एस. के सिद्धि स्तर में बी.ए.एस. से एम.ए.एस. के स्तर की तुलना में ज्यादा सुधार देखा गया है। हालांकि, डांग जिले में बी.ए.एस. से एम.ए.एस. की तुलना में एम.ए.एस. से टी.ए.एस. में कम सुधार देखा गया है।

२.३ बी.आर.सी. एवं सी.आर.सी. को-ऑर्डीनेटर्स की स्थिति

डीपीइपी और सर्व शिक्षा अभियान जिलों में नियुक्त बी.आर.सी./ सी.आर.सी. संकलनकारों की स्थिति इस प्रकार है :

क्रम	जिला	बी.आर.सी की संख्या	सी.आर.सी की संख्या	क्रम	जिला	बी.आर.सी की संख्या	सी.आर.सी की संख्या
१	अहमदाबाद	११	१४०	१६	नर्मदा	४	७१
२	अहमदाबाद कोर्पोरेशन	-	४३	१७	नवसारी	५	८४
३	अमरेली	११	११९	१८	पंचमहाल	११	१६७
४	आणंद	८	१२५	१९	पाटण	७	७१
५	बनासकांठा	१२	२००	२०	पोरबंदर	३	३४
६	भरुच	८	१०२	२१	राजकोट	१४	१६६
७	भावनगर	११	१५३	२२	राजकोट कोर्पोरेशन	-	२३
८	दाहोद	७	९५	२३	साबरकांठा	१३	२१४
९	डांग	१	२०	२४	सुरत	१४	२१७
१०	गांधीनगर	४	५०	२५	सुरत कोर्पोरेशन	-	३३
११	जामनगर	१०	१४४	२६	सुरेन्द्रनगर	१०	१३५
१२	जूनागढ	१४	१६४	२७	वडोदरा	१२	२००
१३	खेडा	१०	१८७	२८	वडोदरा कोर्पोरेशन	-	१६
१४	कच्छ	१०	१७६	२९	वलसाड	५	८५
१५	महेसाणा	९	९६		कुल	२२४	३३३०

२.४ विद्यासहायकों की नियुक्ति और प्रशिक्षण

गुजरात सरकार द्वारा लागू की गइ विद्यासहायक योजना के तहत, विद्यासहायकों की नियुक्ति अलग-अलग चरणों में लागू हो रही है । वर्ष २००३-०४ के दौरान कुल २,८१४ विद्यासहायकों को राज्यमें नियुक्त किया गया और उन्हे प्रत्यक्ष प्रशिक्षण दिया गया । पिछले वर्ष प्रशिक्षित मास्टर ट्रेनर्स द्वारा इस वर्ष के दौरान बी.आर.सी. स्तर पर विद्यासहायकों को क्षमता आधारित प्रशिक्षण दिया गया। नए विद्यासहायकों को डीपीइपी और एसएसए के अमलीकरणमें उनकी भूमिका और कार्य प्रणालि के अलावा प्रवृत्ति आधारित उल्लासमय सीखने / पढने की प्रक्रिया की तकनीकों के बारे में अभिसंस्करित किया गया।

वर्ष १९९८ - ९९ में शुरू की गई विद्यासहायक योजना के तहत, अबतक गुजरात में कुल ६४४६७ विद्यासहायकों की नियुक्ति की गइ है, जिसका विवरण इस प्रकार है :

क्रम	जिला	१९९८-१९९९	१९९९-२०००	२०००-२००१	२००१-२००२	२००२-२००३	२००३ २००४	कुल
१	अहमदाबाद	७५७	६९३	३६६	२५४	२२८	५४३	२८४१
२	वडोदरा	६७५	९३४	१३७५	४१५	२२९	३०३	३९३१
३	राजकोट	५८७	८६५	२३१	१७१	६८	२२२	२१४४
४	सुरत	६१५	१०७१	४७९	३५०	३७०	२५२	३१३७
५	खेडा	३२५	१२८५	५१६	३९५	६८५	०	३२०६
६	आणंद	५८२	११०७	५८८	०	२७२	५८७	३१३६
७	पंचमहाल	७९७	८२९	६५२	७४५	२२१	०	३२४४
८	दाहोद	११६४	३८३	५३६	४२६	०	३८१	२८९०
९	साबरकांठा	९३२	४५७	८५४	६८२	०	०	२९२५
१०	जूनागढ	२१०	१४२०	२२४	२०२	११७	१४४	२३१७
११	पोरबंदर	१००	३०३	१८	३९	२५	१३	४९८
१२	महेसाणा	७००	६८१	५००	२२८	३७१	०	२४८०
१३	पाटण	६१४	४४०	३८०	३०३	०	०	१७३७
१४	भावनगर	१११०	२११०	३६५	३८५	१४४	०	४११४
१५	जामनगर	०	५०२	८९९	२२४	१७०	०	१७९५
१६	अमरेली	३८०	११५६	२६२	१६५	१०५	६५	२१३३
१७	कच्छ	८२७	६३९	१००४	२४६	९०	३०	२८३६
१८	भरुच	७६	५९७	२३१	१४०	७६	७१	११९१
१९	नर्मदा	९०	११३८	९९	४९	१७	१२	१४०५
२०	वलसाड	२९६	३७१	३२९	२८८	०	०	१२८४
२१	नवसारी	३१९	२२०	१२९	८२	१७५	०	९२५
२२	बनासकांठा	१४७५	१२५७	२३७३	०	१०१३	०	६११८
२३	सुरेन्द्रनगर	२८७	७७०	२८९	४८६	१६९	१११	२१९२
२४	गांधीनगर	३५७	११२	२५१	३७	२७२	०	१०२९
२५	डांग	१७३	१७१	१२७	१५२	४१	०	६६४
	कुल	१३४४८	१९५११	१३०७७	६४६४	४८५८	२८१४	६०१७२
	म्युनि. स्कूल बोर्ड कुल	१९५६	१२४५	१०४	४३६	५५४	०	४२९५
	कुल	१५४०४	२०७५६	१३१८१	६९००	५४१२	२८१४	६४४६७

टी.एल.एम. का निर्माण, सभी विषयों के कठिन बिंदुओं की असरदार शिक्षा, नई पाठ्य पुस्तकें, स्कूल स्तर का शैक्षिक आयोजन तथा सर्व शिक्षा अभियान की अमलवारी, इत्यादि । जिला परियोजना इकाईयों द्वारा बी.आर.सी. स्तर पर तथा डायेट द्वारा बी.आर.सी. एवं सी.आर.सी. स्तर पर इन प्रशिक्षण कार्यक्रमों को आयोजित किया गया , जिसका विवरण नीचे दिया गया है।

एसएसए कार्यक्रम अंतर्गत शिक्षक प्रशिक्षण (वर्ष २००३-०४)

क्रम	जिला	डीपीसी द्वारा प्रशिक्षित शिक्षकोंकी संख्या	डायेट द्वारा प्रशिक्षित शिक्षकोंकी संख्या	कुल
१	अहमदाबाद	४६३७३	०	४६३७३
२	अमरेली	२७१०६	३८४०	३०९४६
३	आणंद	३९७५८	३५८३२	७५५९०
४	भरूच		१०७५	१०७५
५	गांधीनगर		३५९९४	३५९९४
६	खेडा		६३०८	६३०८
७	महेसाणा		३९७३८	३९७३८
८	नवसारी	२७८२२	३६५	२८१८७
९	नर्मदा		१९०९	१९०९
१०	पाटण	३६६१	२८९	३९५०
११	राजकोट			
१२	सुरत			
१३	वडोदरा	७९२३८	९३४९	८८५७७
१४	वलसाड	३६१८५	१५८३	३७७६८
१५	बनासकांठा	३८८५६	११००३	४९८५९
१६	पंचमहाल	६८५२७	१३२५	६९८५२
१७	दाहोद	६४९०६	२१८५८	८६७६४
१८	डांग	७९०६		७९०६
१९	पोरबंदर	१३६२		१३६२
२०	अम. कोर्पो			
२१	वडोदरा कोर्पो.		२८५०	२८५०
२२	सुरत कोर्पो.	१३०६७		१३०६७
२३	राजकोट कोर्पो.			
२४	सुरेन्द्रनगर	१६७८७		१६७८७
२५	साबरकांठा	१५०६९		१५०६९
२६	कच्छ			
२७	भावनगर	८०७२		८०७२
२८	जामनगर	४१४८		४१४८
२९	जूनागढ	४९८८		४९८८
	कुल	५०३८२१	१७२५१८	६७६३३९

शिक्षक प्रशिक्षण

भावनगर जिलेके महुवा स्थित बीआरसी पर २० - दिवसीय शिक्षण प्रशिक्षण के पाहलूओं पर नवसंस्करण पा रहे सीआरसी को.ओर्डिनेटर्स।

एसएसए के तहत बाल सहज टी.एल.एम के निर्माण पर विशेष भार दिया जाता है। जिला स्तरके कार्यशिबिर के दौरान स्थानीय संदर्भके टी.एल.एम. का निर्माण करते हुए बीआरसी और सीआरसी को.ओर्डिनेटर्स।

साबरकांठा जिलेके इडर स्थित सीआरसी पर विज्ञान के कठिन बिंदुओं को सरलतासे सीखाने के विषयमें प्रशिक्षण पाते हुए शिक्षक।

२.७ टी.एल.एम. सामग्री

वर्गखंड में शिक्षा के आदान-प्रदान को असरदार बनाने के लिए टी.एल. एम. अनिवार्य है। प्रवृत्ति आधारित शिक्षा और बाल केन्द्रित शिक्षा प्रणाली के प्रचलन के चलते गुजरात में डीपीइपी तथा एसएसए में 'जानकारी मुहैया' करवाने के बजाय 'अनुभवों पर आधारित' शिक्षा को अधिक महत्व दिया जाने लगा है। आमतौर पर प्राथमिक शालाओं के स्तर पर देखा जाए तो गुजरात के विभिन्न समुदायों के पास टी.एल.एम. का एक सस्ता लेकिन प्रचूर मात्रा से सभर स्त्रोत मोजूद है । इसी विचार के चलते डीपीइपी ने इस स्त्रोत का उपयोग कर कम खर्चीला टी.एल.एम. विकसित किया। शिक्षकों को वार्षिक रु. ५०० का अनुदान दिया गया, जिन्होंने उसका उपयोग टी.एल.एम. बनाने में किया। नियमित रूप से टी.एल.एम. के विकास और उत्पादन के लिए प्रशिक्षण शिविरों का आयोजन किया गया ।

२.८ स्कुल अनुदान

स्कुलों में प्राथमिक सुविधाओं के विकास जैसे कि, छोटी-मोटी मरम्मात, अतिरिक्त शिक्षा सामग्री की खरीदारी, आनंददायी तरीकों से शिक्षा प्रदान करनेके लिए कुछ नए साधन एवं स्कुल के वातावरण को मोहक बनाने के लिए स्कुल की दिवारों पर चित्र बनाने जैसे कई छोटे-मोटे कामों के लिए रु. २००० के स्कुल अनुदान भी आवंटित किये गए । इस अनुदान की राशि के उपयोग में लचीलापन होने की वजह से अब उन्हे स्कुल के विकास हेतू छोटी सी धनराशि के अनुदान के लिए लंबे अरसे तक राह नहीं देखनी पडती ।

२.९ रिडिंग प्रोजेक्ट

ग्रामीण विस्तारों में यह पाया गया है कि स्कूलों में पढनेवाले बच्चों में पढने का कौशल्य नही होता । गुजरात के सभी जिलो में प्राथमिक स्कूलों के बच्चों में पढने का कौशल्य तथा पढने की आदत विकसित करने के हेतु से रिडिंग प्रोजेक्ट शुरु किया गया । इसके लिये स्कूलो में ग्रंथालय सुविधाएं तथा सामयिक, पत्रिकाएं एवं अमर चित्रकथाएं, वगैरह दिये जा रहे है। इसके परिणाम अबतक काफी प्रोत्साहक रहे हैं तथा ये पाया जा रहा है कि पढनेका कौशल्य विकसित करनेवाले बच्चों की संख्या बढती जा रही है।

इस परियोजना के मुल्यांकन का कार्य किसी बाहर की निष्पक्ष संस्था को सौंपा जायेगा ।

२.१० संसाधन विकास कार्यक्रम

ओरिगामी के जरिए गणित सिखाने के विषय पर एक चार दिवसीय कार्यशिबिर जान्युआरी, २००४ में सायन्स सीटी, अहमदाबाद में आयोजित किया गया, जिनमें साबरकांठा एवं अहमदाबाद के शिक्षकों को मास्टर ट्रेनर्स का प्रशिक्षण दिया गया ।

प्रकरण : ३

दूरस्थ शिक्षा

३.० डीइपी - एसएसए युनिट

डीपीइपी के प्रशिक्षण कार्यक्रमों में दूरस्थ शिक्षा को एक महत्वपूर्ण अंग बनाने के उद्देश्य से सन १९९७ में डिस्टन्स एज्युकेशन प्रोग्राम (डीइपी) अर्थात् दूरस्थ शिक्षा कार्यक्रम इन्दिरा गांधी नेशनल ओपन युनिवर्सिटी (इग्नू) के सहयोग से शुरु किया गया था । इसके अनुसंधानमें डीइपी - डीपीइपी युनिट गुजरात प्राथमिक शिक्षा परिषद् के गांधीनगर स्थित राज्य परियोजना कार्यालय में शुरु किया गया था । सर्व शिक्षा अभियान (एसएसए) की शुरूआत राज्य में होने के पश्चात्, सप्टेम्बर २००३ में डीइपी - डीपीइपी युनिट बंद कर दिया गया । उसके स्थान पर डीइपी - एसएसए युनिट को गुजरात में प्रारंभिक शिक्षा के क्षेत्र में दूरस्थ शिक्षा के कार्यक्रमों को जारी रखने के लिए १ अक्तुबर, २००३ को शुरु किया गया ।

३.१ डी.आर.एस. सेट्स

डायरेक्ट रिसेप्शन सिस्टम (डी.आर.एस.) सेट्स को सभी जिलोंमें तालुका स्तर पर तथा डीपीइपी - २ के जिलों बनासकांठा, पंचमहाल एवं डांग में क्लस्टर स्तर पर लगाया गया है। अब तक कुल २५८ डी.आर.एस. सेट्सको गुजरातमें लगाया गया है। राज्य के सभी डायेट्स को भी डी.आर.एस. सेट्स प्रदान किए गए हैं। इनको लगाने से डीपीइपी एवं एसएसए के तहत दूरस्थ शिक्षा के राज्य स्तरके विविध कार्यक्रमों को आयोजित करने में सुविधा हो गइ है ।

३.२ टेलिकोन्फरन्स

टेलिकोन्फरन्सिंग बडी संख्यामें लोगों को प्रशिक्षित करने के लिए मूल्यात्मक रुपसे एक असरदार माध्यम है । कास्केड मोडमें देखी जानेवाली प्रसार क्षति प्रशिक्षण के इस प्रकारमें नहीं होती। इसका उपयोग बी.आर.सी. एवं सी.आर.सी. को.ओर्डिनेटर्स, शिक्षकों तथा डायेट के लेक्चरर्स को विविध विषयों पर प्रशिक्षित करने के लिए किया जाता है । इसका प्रयोग वी.इ.सी. के सदस्यों को प्राथमिक शिक्षा के सार्वत्रिकरण में उनकी भूमिका के विषयमें प्रशिक्षण देने के लिए भी किया गया है । डीपीइपी और एसएसए के तहत विभिन्न अध्यापन विषयक एवं अमलीकरण के पहलुओं पर अबतक कुल २२ टेलिकोन्फरन्सीस सफलतापूर्वक आयोजित की गइ हैं । जुलाई, २००३ से गुजरातमें निम्न-लिखित टेलिकोन्फरन्सीस आयोजित की गइ हैं ।

३.२.१ एसएसए के आर्थिक धोरणों पर प्रथम टेलिकोन्फरन्स

२९ जुलाई, २००३ के दिन आर.इ.एस.इ.सी.ओ. स्टुडियो, गांधीनगर से एसएसए के आर्थिक धोरणों पर प्रथम टेलिकोन्फरन्स आयोजित की गई । इसकी तजज्ञों की पेनल में सचिव एवं एडीशनल स्टेट प्रोजेक्ट डायरेक्टर तथा फायनान्स एवं एकाउन्ट्स ओफिसर के अलावा प्लानिंग एवं मेनेजमेन्ट, शिक्षक प्रशिक्षण, मिडिया एवं डोक्युमेन्टेशन तथा एम.आई.एस. ओफिसर - इन-चार्जने भाग लिया था। इसका लाभ कुल ३,७५० व्यक्तियोंने लिया जिनमें बी.आर.सी. एवं सी.आर.सी. को. ओर्डिनेटर्स, परियोजना कर्मियों तथा शिक्षक शामिल थे । इसमें आर्थिक धोरणों के सभी पहलूओं पर सविस्तार चर्चा की गइ थी तथा आधारस्तर पर एसएसए के असरदार अमलीकरण के विषयमें सहभागिता का क्षमतानिर्माण किया गया था ।

३.२.२ एसएसए के आर्थिक धोरणो पर द्वितीय टेलिकोन्फरन्स

२१ जनवरी, २००४ को भास्कराचार्य ईन्स्टीट्यूट ओफ स्पेस एप्लीकेशन एवं जिओ-ईन्फोर्मेटिक्स (बी.आई.एस.ए.जी. - पूर्व आर.इ.एस.इ.सी.ओ.) के गांधीनगर स्थित स्टूडियो से एसएसए के आर्थिक धोरणों पर द्वितीय टेलिकोन्फरन्स का आयोजन किया गया था । तजज्ञों की पेनलमें सचिव एवं ऐडीशनल स्टेट प्रोजेकट डायरेक्टर, फायनान्स एन्ड एकाउन्ट ओफिसर तथा प्लानिंग एन्ड मेनेजमेन्ट, शिक्षक प्रशिक्षण, मिडिया एन्ड डोक्युमेन्टेशन तथा एम.आई.एस. के ओफिसर-इन-चार्जने भाग लिया । इसका लाभ कुल ३७५० व्यक्तियोंने लिया जिनमें बी.आर.सी. एवं सी.आर.सी. को. ओर्डिनेटर, शिक्षक, डायेटके लेक्चर्स तथा जिला परियोजना कर्मी शामिल थे ।

इसमें आर्थिक धोरणों के सभी पहलूओं पर विस्तृत चर्चा की गइ तथा एसएसए के आधार पर असरदार अमलीकरण के विषयमें प्रतिभागियों की क्षमता का निर्माण किया गया था । तजज्ञों की पेनल के द्वारा बी.आर.सी. एवं सी.आर.सी. को. ओर्डिनेटर्स द्वारा आर्थिक धोरणो के विषयमें पूछे गए २०० से भी अधिक प्रश्नों का उत्तर दिया गया था ।

३.२.३ एनपीइजीइएल पर टेलिकोन्फरन्स

बी.आइ.एस.ए.जी., गांधीनगर के स्टुडियोसे ४ फरवरी, २००४ को नेशनल प्रोग्राम फोर गर्ल्स एट एलीमेन्टरी लेवल (एनपीइजीइएल) के विषय पर एक राज्य स्तर की टेलिकोन्फरन्स का आयोजन किया गया था । इस कार्यक्रममें तजज्ञ रहे थे डीइपी - नई दिल्ली से आए गुजरात के फेकल्टी - इन - चार्ज, प्रोफेसर वी.पी.गर्ग तथा स्टेट प्रोजेक्ट डायरेक्टर सुश्री मीना भट्ट ।

दूरस्थ शिक्षा

गुजरात
कार्यक्रम
के लिए
उपयोग
जा रहा
आहवा
प्रशिक्षण
प्रतिभागी
रहे है।

गांधीनगर स्थित
बी.आई.एस.ए.जी. स्टुडियो
से द्विपक्षी श्राव्य - एकपक्षी
दृश्य टेलिकोन्फरन्स के
दौरान बीआरसी एवं
सीआरसी को. ऑर्डिनेटर्स
के प्रश्नों का प्रत्युत्तर देते हुए
तज्ज्ञों का चित्र।

ऑडियो केसेट युझर्स मेन्युअल

एक्शन रिसर्च

एनपीइजीइएल को राज्य के ११२ तालुकों के ५०० क्लस्टर्स में लागु किया जा चूका है । हालांकि इसे एसएसए की छत्रछाया में अमली किया जा रहा है, इसमें कई ऐसे घटक हैं जिन पर विशेष ध्यान देना आवश्यक है । उदाहरणार्थ, मोडल क्लस्टर स्कूल की रचना, शैक्षिक सुविधा मुहैया करना, निर्माण कार्य तथा संवेदिकरण कार्यक्रम आयोजित करना, इत्यादि ।

इस टेलिकोन्फरन्स का लाभ लगभग ३७५० व्यक्तियों ने लिया, जिनमें बी.आर.सी. एवं सी.आर.सी. को. ऑर्डिनेटर्स, शिक्षक, डायेट के लेकचरर्स तथा जिला परियोजना कर्मी शामिल थे ।

३.२.४ एसएसए में निर्माणकार्य के विषय पर टेलिकोन्फरन्स

एसएसए में निर्माण कार्य के विषय पर एक टेलिकोन्फरन्स का आयोजन ९ मार्च, २००४ को गांधीनगर के बी.आई.एस.ए.जी. स्टुडियो से किया गया । इसमें प्रशिक्षण छोर पर तजज्ञों की पैनल में सुश्री मीना भट्ट, स्टेट प्रोजेक्ट डायरेक्टर, श्री विपीन शाह, स्टेट प्रोजेक्ट इन्जीनियर तथा अन्य कन्सलटन्ट्स ने भाग लिया ।

सीधे प्रसारण के द्वारा २५८ डी.आर.एस. सेट के माध्यम से डायेट, बी.आर.सी., सी.आर.सी. स्तर पर (डीपीइपी जिलों में) इसे ग्रहित किया गया । अंदाजित ४००० व्यक्तियों ने इसका लाभ लिया जिसमें जिला प्रोजेक्ट एन्जीनीयर्स, टेकनिकल रिसोर्स पर्सन्स, डायेट लेक्चरर्स, बी.आर.सी. एवं सी.आर.सी. को. ऑर्डिनेटर्स, बी.इ.सी. एवं बी.सी.डब्ल्यु.सी. के सदस्यों का समावेश होता है ।

३.३ ऑडियो प्रोग्राम्स

पर्यावरण - विज्ञान, गणित, समाजविद्या एवं वैकल्पिक स्कुल व्यवस्था के शिक्षण के लिए नौ कार्यक्रमों की तीन ऑडियो केसेट्स विकसित की गइ थीं तथा उन्हें डीपीइपी जिलोंमे बी.आर.सी.स्तर तक वितरित किया गया था । सर्व शिक्षा अभियान के तहत इन ऑडियो केसेट्स के सेट को नवसंस्करित किया गया तथा बाकी जिलोंमें इसकी ३७५० प्रतोंको बी.आर.सी. तथा सी.आर.सी. तक वितरित किया गया ।

३.४ मोडयुल्स एवं मेन्युअल्स

डीपीइपी के तहत विकसित किये गये निम्नलिखित मोडयुल एवं मेन्युअल्स को आवश्यकता अनुसार सुधार करके पुनःमुद्रित किया गया तथा शिक्षक प्रशिक्षण की सुविधा के लिये बी.आर.सी. एवं सी.आर.सी. को. ऑर्डिनेटर्स तक वितरित किया गया ।

३.४.१ ऑडियो केसेट्स युझर्स मेन्युअल

मूलतः डीपीइपी के लिए विकसित किये गये ऑडियो केसेट्स युझर्स मेन्युअल में आवश्यक सुधार करके, एसएसए के तहत कुल ३७५० प्रतों को पुनःमुद्रित किया गया तथा बी.आर.सी. एवं सी.आर.सी. को. ऑर्डिनेटर्स को वितरित किया गया ।

३.४.२ एक्शन रीसर्च मोड्युल

मूलतः डीपीइपीके लिए विकसित किये गये एक्शन रीसर्च मोड्युल में आवश्यक सुधार करके, एसएसए के तहत कुल ३७५० प्रतों को पुनःमुद्रित किया गया तथा बी.आर.सी. एवं सी.आर.सी. को. ऑर्डिनेटर्स को वितरित किया गया ।

३.५. डीईपी - एसएसए के स्टेट रीसोर्स ग्रूपकी प्रथम बैठक

डीईपी - एसएसए, गुजरात के स्टेट रीसोर्स ग्रूप (एस.आर.जी.) की प्रथम बैठक ८ दिसम्बर, २००३ को गुजरात प्राथमिक शिक्षा परिषद के स्टेट प्रोजेक्ट ऑफिस के कोन्फरन्स हॉल में आयोजित की गई, जिसकी अध्यक्षता सुश्री मीना भट्ट, स्टेट प्रोजेक्ट डायरेक्टरने की थी । प्रो. बी. पी. गर्ग, फेकल्टी इन - चार्ज (गुजरात)ने भी इसमें हिस्सा लिया ।

डीईपी - एसएसए के लिए वर्ष २००३- ०४ के बाकी महिनों के आयोजन के मुख्य अंगों को डी.ई.सी. इनचार्ज द्वारा पेश किया गया । विस्तृत चर्चा के दौरान, सभ्योंने उपयोगी सूचन एवं टिप्पणियाँ पेश कीं । वर्ष २००३ की बाकी समयावधि के लिए डीईपी - एसएसए गुजरात द्वारा आयोजित की जानेवाली प्रवृत्तियों को मंजूरी दी गई।

३.६ रेडियो कार्यक्रम

एसएसए में सामुदायिक अभिप्रेरण के विषय पर एक फोन - ईन - रेडियो कार्यक्रम ३० मार्च, २००४ को विविधभारती एवं आकाशवाणी - गुजरात की प्रायमरी चैनल के सभी स्टेशनों पर से प्रसारित किया गया । एनपीइजीइएल के अमलीकरण के विषय पर एक और फोन - ईन - रेडियो कार्यक्रम ६ अप्रैल, २००४ को विविधभारती एवं आकाशवाणी - गुजरात की प्रायमरी चैनल के सभी स्टेशनों पर से प्रसारित किया गया ।

प्रकरण : ४

समुदायों का अभिप्रेरण

४.० सामुदायिक अभिप्रेरण

गाँव के विद्यालय की सामुदायिक मालिकी प्रस्थापित करने के लिए समुदाय विशेष को सक्रिय सहभागिता के लिए प्रेरित करना कार्यक्रम के सामने सबसे बडी चुनौती रही है । सामुदायिक सहभागिता खडी करने के लिए डीपीइपी तथा सर्व शिक्षा अभियानके तहत गुजरात प्राथमिक शिक्षा परिषद ने अपनी खुद की रणनीतियाँ एवं व्यवधान तय किए हैं तथा सहभागितापूर्ण कार्यरचनाएँ कारगर बनाई हैं ।

४.१ अभिप्रेरण मुहिम

सामुदायिक जागृति और वातावरण निर्मित करने हेतू स्थानिक स्तर पर मुहिम की पद्धति का उपयोग किया गया । मई - जून, २००३ के दौरान, प्रिन्ट एवं दृश्य - श्राव्य माध्यमो के साथ - साथ स्थानिक स्तर पर सांस्कृतिक तौर पे योग्य माध्यमों का बालमहोत्सवों, प्रभात - जुलुस, मशाल - यात्राओं के लिये लगातार उपयोग किया गया।

सामुदायिक अभिप्रेरण के लिए वर्षभर किए गये प्रमुख व्यवधान निम्न लिखित हैं:

* सांस्कृतिक प्रतिभा खोज प्रवृत्तिओं का आयोजन ।
* विचारवस्तुलक्षी नाटिकाएँ और लोकनाट्य स्वरुपों का (भवाई) का उपयोग।
* स्थानिक लोकमेलों में स्टोल खडे किए गए।
* स्थानिक समुदायों के लिए टी.एल.एम. प्रदर्शनियां का आयोजन ।
* सामुदायिक अभिप्रेरण की रणनीतियों पर चर्चा करने जिला स्तर पर जागृति बैठकों का आयोजन
* जागृति कार्यक्रमों का आयोजन
* आदिजाति विस्तारों में लडकियों के नामांकन हेतू विशेष मुहिमें की गई।
* समुदायों में कन्या - शिक्षा के लिए बैठकों का आयोजन
* जेन्डर फोकस विस्तारों में महिला जागृति शिविर, माँ-बेटी संम्मेलन जैसी विशिष्ठ अभिप्रेरण मुहिमों का आयोजन
* नामांकन के लिए मुहिम शुरु करने से पहले बी.ई.सी, पी.टी.ए., एम.टी.ए.की विशेष बैठकों का आयोजन

४.२ सामुदायिक नेताओं के लिए प्रशिक्षण

सर्व शिक्षा अभियानके तहत क्लस्टर स्तर पर सामुदायिक नेताओं के लिये बी.आर.सी. तथा सी.आर.सी. को. ओर्डिनेटर्स के सहयोग से प्रशिक्षण का आयोजन किया गया । ईसके लिये प्रत्येक रेवन्यु गॉवके बी.ई.सी., एम.टी.ए तथा पी.टी.ए. के सदस्योंमें से चुने गये ८ सामुदायिक नेताओंकी पहेचान की गई तथा ग्राम स्तर पे प्राथमिक शिक्षाके सार्वत्रिकरण में महत्वपूर्ण भूमिका अदा करनेकी तालीम दी गई ।

सामुदायिक नेताओंको परियोजना के अमलीकरण में भूमिका अदा करनेके लिये संवेदित किया गया । ईन्हें विद्यालय अनुदान, शिक्षक अनुदान, विद्यालय मरामत तथा निभाव अनुदान के उपयोग के बारेमें ज्ञान दिया गया । प्रशिक्षण, अभिसंस्करण, कार्यशिबिर और अनुभवों को बॉटने की प्रवृत्तियों द्वारा क्षमता निर्माण करना अभिप्रेरण रणनीति के भागरुप रहा है । स्कुल - समुदाय के बीच संकलन बनाने, बी.ई.सी., एम.टी.ए. और पी.टी.ए. को कौशल प्रदान करने और उसे मजबूत बनाने के लिए उन्हें नियमित और आवश्यकता अनुसार प्रशिक्षण दिया गया । बी.ई.सी., एम.टी.ए. और पी.टी.ए. के अभिसंस्करण के लिए प्रशिक्षण सामग्री तैयार की गई । बी.ई.सी. को कास्केड मोड में प्रशिक्षण दिया गया, जब कि बी.आर.सी और सी.आर.सी. संकलनकारों का प्रमुख प्रशिक्षकों के रूप में अभिसंस्करण किया गया । बी.ई.सी.,एम.टी.ए. और पी.टी.ए. के बीच लगातार बैठकें होती रहीं।

४.३ नामांकन झुंबिश : प्रवेशोत्सव २००३

नामांकन झुंबिश या प्रवेशोत्सव मूलतः गुजरात प्राथमिक शिक्षा परिषद का व्यवधान है जिसे सर्व प्रथम जिला प्राथमिक शिक्षा कार्यक्रम के लिए १९९७ में इस्तमाल किया गया । इसे इतनी सफलता मिली कि डीपीइपीमें इसे नियमितरूप से हर वर्ष इस्तमाल किया गया और गुजरात के गैर डीपीइपी जिलोंमें भी इसका पूनरावर्तन किया गया । अब सर्व शिक्षा अभियान के तहत नामांकन झुंबिश का आयाम राजनैयिक इच्छाशक्ति एवं आधारस्तर पर जनसमूदायों की सहभागिता के अनुसमर्थन से कई गुना बढ गया है । नामांकनमें बढोतरी के चलते प्राथमिक शिक्षा के सार्वत्रिकरण की प्रक्रिया सभी शैक्षिक और सामाजिक- आर्थिक रूप से वंचित जूथों एवं बस्तियों सहित समग्र राज्यमें फैल चूकी है ।

विशाल पैमाने पर नामांकन झुंबिश के अमलीकरण के पहले काफी गहनता से रणनीतियों का गठन एवं आयोजन किया जाता है । ग्राम स्तर पर समुदाय आधारित संस्थानो की तीव्र प्रतिभागिता तथा राज्य एवं जिला प्रशासन के संयुक्त प्रयासोंने राज्यभर में प्राथमिक स्कूलों में बच्चों के नामांकन में गणनापात्र बढोतरी की है ।

गुजरात प्राथमिक शिक्षा परिषद द्वारा विकसित सुव्यवस्थित संरचना के मुताबिक राज्यस्तर पर नामांकन झुंबिश का संचालन तथा नियमन संयुक्त रूप से प्राथमिक शिक्षा नियामक के कार्यालय एवं जी.सी.पी.ई. के राज्य परियोजना कार्यालय द्वारा, जिला स्तर पर जिला प्राथमिक शिक्षाधिकारी द्वारा (जोकि एसएसए एवं डीपीइपी के जिला परियोजना संकलनकार हैं), तालुका स्तर पर वी.आर.सी को.ओर्डिनेटर तथा क्लस्टर स्तर पर सी.आर.सी.को.ओर्डिनेटर द्वारा किया जाता है । यह व्यवस्था राज्यभर में आधार स्तर पर नामांकन झुंबिश का सुचारु आयोजन सुनिश्चित करती है ।

जून २००३ में मान.मुख्यमंत्री श्री नरेन्द्रभाई मोदी एवं मान. शिक्षामंत्री श्रीमती आनंदीबेन पटेल तथा अन्य मंत्रियों के नेतृत्व में सर्व शिक्षा अभियान के तहत प्रवेशोत्सव, २००३ की विशाल झुंबिश का आयोजन किया गया । राज्य सरकार के सचिव स्तर के तथा अन्य श्रेयान् अधिकारियोंने सभी तालुकों के न्यूनतम महिला साक्षरतावाले गांवो में दौरा किया ।

लगातार तीन दिनों तक, जून १३ से १५, २००३ के दौरान मान.मुख्यमंत्रीश्रीने नर्मदा जिले के राजपीपळा तालुके के गाँवों का तथा मान. शिक्षामंत्रीश्री ने वडोदरा जिले के क्वांट तालुके के गाँवों का प्रवास किया । राज्य के सभी तालुकों में कन्या केळवणी (शिक्षा) रथयात्रा निकाली गई थी।

४.४ मिडिया की हिमायत

प्राथमिक शिक्षा और खास करके लडकियों की शिक्षा की हिमायत मिडिया और प्रत्यायन का केन्द्र रूप विस्तार रहा है । नामांकन और स्थायीकरण के मुद्दों पर काम करते शिक्षित जूथ, मिडिया संदेश, मिडिया के विकल्प आदि के विवरण के साथ अच्छी तरह डिझाईन की गई मिडिया मिक्स व्यूहनीति का उपयोग किया गया है । इसकी वजह से आधार स्तर पर समुदाय के द्वारा डीपीइपी ने बहुत अच्छी नामना पाई है और स्वीकार्य बनी है । इसके अलावा डीपीइपी ने परियोजना के सभी स्तरों पर कार्यकर्ताओं में बहुत ही महत्वपूर्ण विश्वास का सिंचन किया है ।

जिला स्तर की मीडिया इकाई ने बनासकांठा जिले में प्रवेशोत्सव के पहले भवाई का आयोजन किया । स्थानिय लोक मीडिया द्वारा बच्चों के नामांकन के पक्ष में जनमत प्रबल करने के उद्देश्य से मदद ली गई ।

इसी वर्ष वी.ई.सी. के कुल २०६५० सदस्यों और एम.टी.ए. / पी.टी.ए. के ८०६८७ सदस्यों को डीपीइपी में उनकी भूमिका तथा सौ प्रतिशत नामांकन के लिए झुंबिशों के आयोजन और स्थायीकरण के विकास और ड्रोप - आउट को घटाने के लिए प्रशिक्षण सह अभिसंस्करण दिया गया।

४.४.१ बी.ई.सी. के लिए पुस्तिकाएं

संस्थाके भीतर ही सरल गुजराती भाषा में बी.ई.सी. के लिए पुस्तिका विकसित की गई जिसे राज्यभर की ग्राम शिक्षा समितियों को वितरित किया गया । पोकेट साईझ की ईस पुस्तिका में सर्व शिक्षा अभियान के सभी प्रमुख पहलुओं को, जैसे कि शिक्षक-प्रशिक्षण, वैकल्पिक स्कूल व्यवस्था, कन्या शिक्षा, निर्माण कार्य, विकलांग बच्चों के लिए संकलित शिक्षा (आई.ई.डी.) तथा परियोजना के आर्थिक धोरणों के विषयमें विस्तृत जानकारी दी गई है । इस पुस्तिका से बी.ई.सी. सभ्यो एवं समुदायों के लिए सर्व-शिक्षा अभियान की बारीकियों को समझना आसान हो गया हैं, जिससे कि वे आधारस्तर पर सभी कार्यक्रमों में सक्रिय भूमिका अदा कर सकते हैं ।

४.५ सामुदायिक ढाँचों का सशक्तिकरण

प्रशिक्षणों, कार्यशिविरों और अनुभवों के आदान- प्रदान की प्रवृत्तियों द्वारा क्षमता निर्माण डीपीइपी गुजरात के अभिप्रेरण व्यूह का मुख्य अंग है । बी.ई.सी., एम.टी.ए / पी.टी.ए के सदस्यों में विद्यालय - समुदायों के बीच संबंधों के मजबूतीकरण की क्षमता का निर्माण करने के लिए नियमित रूप से प्रशिक्षण दिया जाता है । बी.ई.सी., एम.टी.ए / पी.टी.ए के अभिसंस्करण के लिए प्रशिक्षण सामग्री भी विकसित की गई है । बी.ई.सी. को बी.आर.सी. और सी.आर.सी द्वारा प्रशिक्षित किया जाता है, जो उनके प्रमुख प्रशिक्षक है । बी.ई.सी., एम.टी.ए और पी.टी.ए के बीच निरंतर रूप से बैठकें भी होती हैं । परियोजना के जिलों में बी.ई.सी.ओं, एम.टी.ए.ओं और पी.टी.ए.ओं के गठन और प्रशिक्षण का ब्यौरा इस प्रकार है :

गुजरात में रचित बीईसी और डबल्युईसी की संख्या :

क्रम	जिला	बीईसी की संख्या	डबल्युईसी की संख्या	क्रम	जिला	बीईसी की संख्या	डबल्युईसी की संख्या
१	अहमदाबाद	५८९	-	१६	नर्मदा	६७५	-
२	अहमदाबाद कोर्पोरेशन	-	४३	१७	नवसारी	३९५	-
३	अमरेली	७५९	-	१८	पंचमहाल	१२७१	-
४	आणंद	३८५	-	१९	पाटण	५५९	-
५	बनासकांठा	८५८	-	२०	पोरबंदर	१५७	-
६	भरुच	९२०	-	२१	राजकोट	१२४०	-
७	भावनगर	८७५	-	२२	राजकोट कोर्पोरेशन	-	२३
८	दाहोद	७७५	-	२३	साबरकांठा	१३८२	-
९	डांग	३०९	-	२४	सुरत	१७८६	-
१०	गांधीनगर	६००	-	२५	सुरत कोर्पोरेशन		३३
११	जामनगर	६९३	-	२६	सुरेन्द्रनगर	६५१	-
१२	जुनागढ	९१८	-	२७	वडोदरा	१५४३	
१३	खेडा	१५८६	-	२८	वडोदरा कोर्पोरेशन		१६
१४	कच्छ	९४७	-	२९	वलसाड	९४९	-
१५	महेसाणा	९२७	-				
१-२९			कुल			२१८६४	११५

सभी गाँवो में पेरेन्ट काउन्सिल गठित की गई है जिनके सदस्यों को प्रशिक्षण दिया गया है। अब वे माता-पिता एवं समुदायों के बर्ताव में बदलाव लाने की दिशा में सक्रिय रूप से भाग ले रहे हैं जिससे विभिन्न विकलांगताओं के बारे में उनमें जागृति लाई जा सके । अब तक सामने आए परिणामों के अनुसार, उन्हों ने विकलांग बच्चों के संकलित शिक्षण के प्रति उनके माता - पिता की सोच को असरदार तरीके से बदला है ।

४.६ समुदायों का योगदान

इस वर्ष नामांकन झुंबिश के दौरान परियोजना जिलों के गाँवों से स्थानिय समुदायों द्वारा बडी धनराशि तथा वस्तुओंका अनुदान प्राप्त किया गया । बी.आर.सी., अतिरिक्त वर्गखण्डों और प्राथमिक शालाओं के निर्माण हेतु गाँववालों ने जमीन के बडे प्लोट भी दान में दिए । नकद एवं जमीन के दान के अलावा स्थानिय लोगों ने पेन, पेन्सिलें, स्लेटें, नोट- बुक्स, नकशों, चार्टों वगैरह की भी भेंट - सौगाद देकर अपना योगदान दिया । डांग जिले में लोगों का योगदान मुख्यतः देशी हिसाब, पेन, पेन्सिलों जैसी वस्तुओं का रहा ।

सामुदायिक ढाँचों के सशक्तिकरण से सही मायनो में कार्यक्रम का विकेन्द्रीकरण हो पाया है। यह पता चलता है कि वी.ई.सी., एम.टी.ए / पी.टी.ए. और पेरेन्ट काउन्सिलों को विविध विद्यालयों के व्यवस्थापन प्रवृत्ति में सक्रियता से शामिल किया गया है । परियोजना के जिलों में ग्रामवासीयों का बडे पैमाने का योगदान यह दर्शाता है कि स्थानिय समुदायों में स्वामित्व की भावना पैदा करने में बडी सफलता हाँसिल हुई है ।

प्रकरण : ५

कन्या शिक्षा की समस्याओं का समाधान

५.० लडकियों की शिक्षा

एसएसए, एनपीइजीइएल तथा डीपीइपी के उद्देश्यों में शिक्षा के क्षेत्र में लैंगिक असमानताओं को कम करने पर विशेष ध्यान दिया गया है । नामांकन के निम्न स्तर, लडकियों के स्थायीकरण और उपलब्धियों में, खासे करे सामाजिक एवं आर्थिक रूप से पिछडे हुए संवर्ग के स्तर पर विशेष ध्यान दिया जाता है। लडकियों को शिक्षा सुविधा उपलब्ध कराने तथा उनके नामांकन एवं स्थायीकरण को बढाने के लिए गुजरात में विशिष्ट व्यूहों को अपनाया गया है । लैंगिक रूप से संवेदनशील अभ्यासक्रम और पाठ्य पुस्तकों का विकास किया गया है । सारे नये विद्यालय भवनों में लडकियों के लिए अलग शौचालयों की सुविधा दी गई है । विद्यालय में लडकियों की उपस्थिति को बढावा देने के हेतू से इ.सी.सी.इ. - ए.एस. केन्द्र भी खोले गए है ।

राज्य संसाधन गुटों एवं जिला संसाधन गुटों को स्थानिय विशिष्ठ जरूरतों के आधार पर कन्या शिक्षा व्यूह बनाने की जिम्मेदारी सौंपी गई । लैंगिक जागरण सामग्री जैसे कि पोस्टर्स, हस्तपुस्तिका और ब्रोशर्स तैयार किए गए । लैंगिक प्रशिक्षण मोडयुल्स को विशेष रूप से शिक्षकों, प्रमुख प्रशिक्षकों और बी.आर.सी. एवं सी.आर.सी. को.ओर्डिनेटर्स के लिए तैयार किया गया ।

कार्यक्रम में समुदायों को, विशेषतः महिलाओंको सत्ताशील बनाने पर ज्यादा महत्व दिया गया है । कार्यक्रम के हर पहलू पर उनकी निर्णायक भूमिका के निभाने पर ज्यादा जोर दिया गया है । इस दिशा में, ग्राम्य स्तर की स्थानिय ईकाइयों जैसेकि बी.ई.सी., एम.टी.ए और पी.टी.ए को उनके अपने क्षेत्र में लडकियों की शिक्षा को प्रोत्साहित करने की जिम्मेदारी निभा पाने के लिए समर्थ बनाया गया । महिला समूहों, महिला समुदायों और पंचायत के सदस्यों जैसे समुदायों को लडकियों की शिक्षा के मद्देनजर क्षमता निर्माण की सघन तालीम दी गई । इसके साथ-साथ, समुदायों और महिला संगठनों को अभिप्रेरण और विद्यालय व्यवस्थापन और नामांकन के नियंत्रण तथा प्रतिधारण एवं लडकियों पर विशेषतः ध्यान देते हुए उपलब्धि के स्तर में पिरोया गया ।

५.१ प्राथमिक शिक्षा में लैंगिक असमानताओं को कम करना

गुजरात में यह माना गया है कि महिलाओं को सामर्थ्यवान बनाने का सही तरीका उन्हें शिक्षा प्रदान करना है । माताओं को सबसे पहले शिक्षित करना होगा और उन्हें

अपनी लडकियों को शिक्षित कराने के महत्व के बारे में जागृत कराना होगा । शिक्षा के व्याप में प्रवर्तमान लैंगिक और सामाजिक असमानताओं को कम करने पर भार देते हुए, गुजरात प्राथमिक शिक्षा परिषद द्वारा लडकियों की शिक्षा को प्रोत्साहित करने के लिए एसएसए, एनपीइजीइएल तथा डीपीईपी के तहत बहुविध व्यवधानों की आजमाईश की जा रही है। लोगों में, खास कर महिलाओं में अपने बच्चों को पाठशाला भेजने का उत्साह संपादित हो, इस हेतु दृढ निश्चयपूर्वक कोशिशें की जा रही हैं । प्राथमिक शिक्षा में माँग की बढोतरी के लिए इसे जरूरी माना गया है । विद्यालयों द्वारा समुदायों और शाला के संबंधों की सुदृढताके बारे में ग्राम्य समुदायों, खास तौर पर महिलाओं की ग्रंथित मान्यताओं को बदलने का व्यूह है ।

जागृति अभियान के लिए ऐसे ब्लोक एवं क्लस्टर का चयन किया गया जहाँ लडकियों की शिक्षा का व्याप कम हो । सभी जिलों में महिला जागृति संमेलन आयोजित किए गए। अभिप्रेरण के लिए रेलियों, प्रभात फेरियों, तमाशा पार्टीओं का भी उपयोग किया गया ।

एम.टी.ए. सदस्यों और महिला समूहों को स्व- जागृति के लिए और लडकियों की शिक्षा में उनकी भूमिका के बारे में उन्हें संवेदनशील बनाने के लिए गुजराती में एक हस्तपुस्तिका और पोस्टरों विकसित किया गया तथा सभी स्कूलोंमें वितरित किया गया । एम.टी.ए. के सदस्यों के प्रशिक्षण के लिए बनाई गई हस्तपुस्तिका में कुछ खास विषयों को शामिल किया गया है, जैसे कि लडकियों की शिक्षा को प्रोत्साहित करने के लिए विशिष्ठ योजनाओं के बारे में जानकारी (इसीसीइ. - ए.एस.), एम.टी.ए की संरचना के लिए मार्गदर्शन, एम.टी.ए बैठकों की सारणी और बैठकों का एजन्डा, एम.टी.ए. की भूमिका और कार्य, एम.टी.ए. के प्रशिक्षण कार्यक्रमों की सारणी और लैंगिक संवेदीकरण के लिए करने योग्य कार्यों की सूचि ।

वर्गखंडो की संस्कृति और प्रक्रियाओं मे समान तकों को उपलब्ध कराने के हेतु शिक्षकों के लिए गुजराती में एक प्रशिक्षण मोडयुल विकसित किया गया और परियोजना के जिलों की सभी पाठशालाओं में इसे वितरित किया गया ।

५.२ नेशनल प्रोग्राम फोर एज्युकेशन ओफ गर्ल्स एट ऐलीमेन्टरी लेवल (एनपीइजीइएल) :

सर्व शिक्षा अभियानमें कन्या शिक्षा के घटक को सशक्त बनाने के हेतु से नेशनल प्रोग्राम फोर एज्युकेशन ओफ गर्ल्स एट ऐलीमेन्टरी लेवल (एनपीइजीइएल) अर्थात् प्रारंभिक शिक्षा के स्तर पर कन्या शिक्षा के राष्ट्रीय कार्यक्रम को राज्यमें प्रारंभित किया गया ।

कन्या शिक्षा

अहमदाबाद की साबरमती जेल के परिसरमें स्थित प्राथमिक स्कूलमें महिला दिवस के उत्सव पर आयोजित वक्तृत्व स्पर्धा के दौरान कन्याओं के अधिकारो पर भाषण देती हुई एक तेजस्वी छात्रा।

कन्या शिक्षा के महत्व के विषयमें जनचेतना जागृत करनेके हेतुसे एक स्कूलमें आयोजित साईकल स्पर्धामें हिस्सा लेती हुई बालिकाएं।

सीआरसी स्तर पर आयोजित एक मां - बेटी संमेलन के दौरान कन्याओं के अधिकारों के विषयमें संदेश प्रदर्शित करती हुई माताएं।

एनपीइजीइएल के धोरणों के अनुसार, इसे गुजरात के २३ जिलों (वलसाड और भरूच को छोडकर) के शैक्षिक रूप से पिछडे हुए उन १२५ तालुकों और १३ शहरी झोंपडपट्टियों में शुरु किया गया जहां पर, राष्ट्रीय औसत की तुलना में, महिला साक्षरता कम है तथा साक्षरता का लैंगिक भेद अधिक है ।

इस कार्यक्रम के तहत हर तालुके में एक स्कुल को मोडल क्लस्टर स्कुल के तौर पर विकसित किया जाएगा जो कि उस विस्तार में कन्या शिक्षा के विविध कार्यक्रमों का केन्द्रबिंदु होगा । इसके तहत अतिरिक्त लाभ भी दिये जायेंगे जैसे कि स्कुलों, शिक्षकों को पारितोषिक, सिखने- सिखाने के लिए शैक्षिक साधन- सामग्री, शौच-सुविधाएं, विद्युतकरण, पेयजल सुविधा तथा शिक्षकों एवं स्थानिक समुदायों के लिए प्रशिक्षण समर्थन तथा संवेदीकरण कार्यक्रम । एनपीइजीइएल के तहत २३ जिलों के ११२ तालुकों के मुख्य मथकों पर एक मोडल क्लस्टर स्कुल को कम्प्युटर, अतिरिक्त वर्गखंड, पेय-जल सुविधा, बिजली तथा स्वच्छता संकुल प्रदान किए जा चूके हैं । राज्यके ५०० मोडल क्लस्टर स्कुलों की लडकियों को प्रति कन्या रु.१५० के मूल्य के स्थानीयरूप से लिये गए टी.एल.एम. शैक्षिक उपकरण तथा वस्तुएं दी जा चूकी है । इसके अतिरिक्त हर क्लस्टर के कम से कम २० शिक्षकों को एनपीइजीइएल के तहत कन्या शिक्षा के विशेष मुद्दों की तालीम दी जा रही है ।

राज्य स्तर पर कन्या शिक्षामें गुणवत्ता सुधार के हेतू प्रथम कार्यशिबिर १५ दिसम्बर २००३ को अहमदाबाद मेनेजमेन्ट एसोसियेशन, अहमदाबाद में २५ जिलों के डिस्ट्रीक्ट जेन्डर को.ओर्डिनेटर्स तथा महिला सामख्य के ६ डिस्ट्रीक्ट जेन्डर को.ओर्डिनेटर्स के लिए आयोजित किया गया । अहमदाबाद मेनेजमेन्ट एसोसियेशन, अहमदाबाद में एक और ६ दिवसीय कार्यशिबिर में २२४ बी.आर.सी को.ओर्डिनेटर्स को ६ गुटों में १७ दिसम्बर से २२ दिसम्बर २००३ के दौरान प्रशिक्षित किया गया ।

एनपीइजीइएल के असरदार अमलीकरण के लिये ४ फरवरी, २००४ को एक टेलिकोन्फरन्स आयोजित की गई, जिसमें ३७५० व्यक्तियों को नवसंस्करण दिया गया।

५.३ लडकियों के लिए ए.एम. केन्द्र

ऐसा देखने में आया है कि लडकियाँ कई मुश्किलों की वजह से विद्यालयों में नियमित नहीं आतीं, जैसे कि असामाजिक तत्वों की परेशानी, और घर से विद्यालयों के बिच ज्यादा अंतर का होना। हालाँकि कानूनन भी सभी पिछडे हुए और कम आबादीवाले क्षेत्रों में विद्यालय नहि खोले जा सकते । इस समस्या के निवारण के लिए खास लडकियों के लिए ए.एम.केन्द्रों को शुरू किया गया।

एम.टी.ए. सदस्यों और महिला समूहों में स्व - जागृति के लिए और लडकियों की शिक्षा में उनकी भूमिका के बारे में उनकी संवेदनाओं को सुनिश्चित करने के लिए डीपीईपी जिलों के अंतर्गत सभी विद्यालयों में गुजराती में निर्मित और विकसित हस्तपुस्तिका और १२ पोस्टर्स को वितरित किया गया है ।

५.४ लडकियों के लिए इ.सी.सी.इ केन्द्र:

पूर्व प्राथमिक और प्राथमिक शिक्षा को जोडने के हेतु इ.सी.सी.इ. केन्द्र उन बस्तियों में खोले जा रहे है जहां इनकी सुविधा नहीं है । मार्च ३१, २००४ तक कुल १५५८ इ.सी.सी.इ केन्द्र गुजरात प्राथमिक शिक्षा केन्द्र द्वारा एसएसए, एनपीइजीइएल तथा डीपीईपी के तहत खोले जा चुके है। विविध योजनाओं द्वारा खोले गए इ.सी.सी.इ. केन्द्रों का जिलावार विवरण इस प्रकार है :

नं	जिला	खोले गए इ.सी.सी.इ.केन्द्र	
		एनपीइजीइएल के तहत	एसएसए के तहत
१	अहमदाबाद	२५	४५
२	अमरेली	४	३०
३	आणंद	०	२६
४	बनासकांठा	०	१५८
५	भरूच	०	१०५
६	दाहोद	०	
७	डांग		१०
८	गांधीनगर	३१	८२
९	खेडा	४८	२००
१०	मेहसाणा	१०	५०
११	नर्मदा	११	३२
१२	नवसारी		४०
१३	पंचमहाल	७०	२९१
१४	पोरबंदर		
१५	राजकोट	८	५०
१६	सुरत	८	३२
१७	वडोदरा		२९
१८	वलसाड		४०
१९	पाटण	०	०
		२१५	१२२०

नेथरलेन्ड सहायित - डीपीइपी जिले

नं	जिला	खोले गए इ.सी.सी.इ.केन्द्र	
		एनपीइजीइएल के तहत	एसएसए के तहत
१	सुरेन्द्रनगर		६२
२	साबरकांठा	६	८०
३	कच्छ	१०	६९
	कुल	१६	२११

राज्य सहायित - डीपीइपी जिले			
नं	जिला	खोले गए इ.सी.सी.इ.केन्द्र	
		एनपीइजीइएल के तहत	एसएसए के तहत
१	जामनगर	०	०
२	जूनागढ	०	०
३	भावनगर	६६	१२७
	कुल	६६	१२७
	कुल	२९७	१५५८

५.४.१ इ.सी.सी.इ. केन्द्रों के लिए मोडयुल तथा संदर्भ साहित्य

७ मार्च, २००४ को एक राज्यस्तरीय कार्यशिबिर में अहमदाबाद, भावनगर, भरुच, डांग, पंचमहाल, साबरकांठा, सुरत एवं वडोदरा जिलों के डिस्ट्रीक्ट जेन्डर को.ओर्डिनेटर्स की तजज्ञता तथा संसाधन सहयोग से आंगनवाडी कार्यकर्ताओं के लिए इ.सी.सी.इ. प्रशिक्षण मोड्युल तैयार किया गया ।

इ.सी.सी.इ. केन्द्रों में नामांकित २.५ से ५.०० वर्ष के वयजूथ के बच्चों के लिए लैंगिक रूप से संवेदित प्ले-कार्ड्स राज्य स्तर पर विकसित किये गए जिन्हें सभी जिलोंमें वितरित किया गया । ये प्ले-कार्ड्स सामाजिक एवं व्यावसायिक क्षेत्रों में महिलाओं के पुरुष समकक्ष, आधुनिक एवं लैंगिक रूप से संवेदित भूमिकाओं को बढावा देते हैं ।

इ.सी.सी.इ. केन्द्रों के बच्चों के लिए विविध क्षमताओं एवं कौशल्यों के त्रिमासिक मूल्यांकन के लिए इवेल्युएशन रजिस्टर्स विकसित किये गए जिन्हें सभी जिलों में वितरित किया गया ।

५.५ संकलित शिशु विकास योजना (आई.सी.डी.एस.) के साथ समन्वय

डीपीइपी ने अपनी परियोजना जिलों के दूरदराज के विस्तारों में अपनी प्रवृत्तिओं का विस्तार करने के लिए संकलित शिशु विकास योजना के साथ समन्वय स्थापित

किया है, जहाँ आई.सी.डी.एस. का नेटवर्क मजबूत है । इस समन्वय का हेतू पूर्व-प्राथमिक और प्राथमिक शिक्षा को जोडने का है। आई.सी.डी.एस. के पास सगर्भा महिलाओं के आरोग्य और पोषण और ६ वर्ष तक के बच्चों से संबंधित कार्य करनेवाली आंगनवाडियों का अच्छा नेटवर्क है । १००० से ज्यादा की जनसंख्यावाले (आदिवासी क्षेत्रों में ७००) सभी गाँवो में ऐसी आंगनवाडियां कार्यरत हैं । इस हेतु आंगनवाडी कार्यकरों को प्रशिक्षण भी दिया गया है । उन्हें गुजराती में एक हस्तपुस्तिका और शैक्षणिक संपुट भी दिया गया है । शिशु विकास परियोजना के अधिकारियों और प्रमुख प्रशिक्षकों के लिए पूर्व प्राथमिक शिक्षा का एक मोडयुल तैयार किया गया है ।

अब तक करीब ५५०० आई.सी.डी.एस. आंगनवाडी कार्यकरों और निरीक्षकों ने प्रवृत्ति आधारित पूर्व प्राथमिक और विद्यालय की तैयारी के बारे में परियोजना के तीन जिलों में ब्लॉक स्तर पर प्रशिक्षण प्राप्त किया है ।

५.६ कन्या शिक्षा के लिए कार्यशिबिर

१३ नवम्बर २००३ को राज्य स्तर पर कन्या शिक्षा के लिए एक शेरिंग वर्कशोप का आयोजन किया गया जिसमें २५ जिलों के डिस्ट्रीक्ट जेन्डर को.ओर्डिनेटर्स के साथ प्रगति की समीक्षा की गई तथा भविष्य के क्रिया-कलापों का आयोजन किया गया । कार्यशिबिर के दौरान डीपीइपी, एसएसए तथा एनपीइजीइएल के तहत एम.टी.ए. तथा शिक्षकों के लिए विकसित किये गए महिला जागृति मोड्युल पर चर्चा की गई ।

डिस्ट्रीकट जेन्डर को.ओर्डिनेटर्स, महिला बी.आर.सी. एवं सी.आर.सी. को.ओर्डिनेटर्स कन्या शिक्षा के विविध मुद्दो पर तजज्ञो द्वारा हालोल, बाब, वाराही और भावनगर में दिसम्बर २००३ से फेब्रुआरी २००४ के दरम्यान प्रशिक्षण दिया गया।

५.७ माँ - बेटी संमेलन

एसएसए, एनपीइजीइएल तथा डीपीइपी के तहत अल्प महिला साक्षरता वाले गावाँ में साक्षरता बढाने के लिए माँ - बेटी संमेलन आयोजित किये जाते है। वर्ष २००३ - ०४ में लभगभ १००० माँ - बेटी संमेलन आयोजित किये गये, जिनमें बी.ई.सी., एम.टी.ए तथा पी.टी.ए के सदस्यों ने कन्या शिक्षा की समस्याओं को सुलझाने के विषय पर संवेदित किया गया । गुजरात के ग्रामिण विस्तारो में शिक्षा के क्षेत्र में पाये जाने वाले लैंगिक फर्क मिटाने के लिये मनोरंजक भवाई, डायरो एवं तमाशा जैसे शिक्षादायी मनोरंजन कार्यक्रमो आयोजित किये गये।

५.८ आंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के विशेष कार्यक्रम

एसएसए, एनपीइजीइएल तथा डीपीइपी के तहत ८ मार्च २००४ आंतरराष्ट्रीय महिला दिवस मनाने के लिये राज्य, जिला, तालुका तथा क्लस्टर स्तर पर विशेष कार्यक्रम आयोजित किये गये। राज्यभर में कन्या शिक्षा को प्रोत्साहित करने के लिये जुलुस, झाँकियां, प्रदर्शनियाँ, प्रतियोगिताएं तथा विविध सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किये गये।

५.९ कस्तुरबा गांधी बालिका विद्यालय (केजीबीवी)

प्रारंभिक शिक्षा एवं साक्षरता विभाग द्वारा कस्तुरबा गांधी बालिका विद्यालय (केजीबीवी) नामक योजना को विकसित किया गया है, जिसके अंतर्गत मुख्यतः अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, अन्य पिछडी जातियों तथा लघुमति की कठिन विस्तरों में रहनेवाली तथा प्राथमिक शिक्षा नियमित रुप से नहीं पा सकनेवाली कन्याओं के लिये ७५० जितने निवासी विद्यालय शुरु किये जा रहे है, जिनमें उनके लिये रहने की व्यवस्था भी की जायेगी । ये विद्यालय कुछ खास जिलों के उन शैक्षिक रुप से पिछडे तालुकों में शुरु किये जाने का प्रस्ताव है जहाँ, राष्ट्रीय औसत की तुलना में, महिला साक्षरता कम है तथा साक्षरता का लैंगिक भेद ज्यादा है। विशेषतः इसे उन विस्तारों में लागू किया जायेगा, जहाँ आदिवासियों की जनसंख्या अधिक है तथा महिला साक्षरता अल्प है, अथवा उन विस्तारों में जहाँ ऐसी छोटी छोटी वस्तियाँ है जहाँ औपचारिक स्कूल खोले नही जा सकते । ईस योजना के लिये शैक्षिक रुपसे पिछडे हुए तालुकों (ई.बी.बी) के चयन के लिये सर्व शिक्षा अभियान की योजना एनपीइजीइएल के ही मापदंड लागू होंगे।

भारत सरकार द्वारा केजीबीवी के लिये बनायी गई मार्गदर्शिका को गुजराती भाषा में अनुवादित करके सभी जिलों में वितरित किया गया है। मानव संसाधन विकास मंत्रालय के धोरणों के अनुसार केजीबीवी को उन विसारों में नही खोला जा सकता जहाँ सरकारी निवासी विद्यालय अथवा आश्रमशाला मौजूद हो । शैक्षिक रुप से पिछडे जिलों मे केजीबीवी खोलने के लिये प्रस्ताव आमंत्रित किये गये है।

प्रकरण : ६

विकल्प वैकल्पिक शिक्षा का

६.० वैकल्पिक शिक्षा प्रणाली

एक अनुमान के अनुसार ३ लाख से ज्यादा बच्चे अभी भी ऐसे हैं जो कभी स्कूल नहीं गए। इसीलिए; डीपीईपी तथा एसएसए में छुट-पुट एवं दुरदेराज की बस्तिओं में रह रहे पिछडे वर्गो के बच्चों के लिए प्राथमिक शिक्षा का लाभ पहुँचाने के हेतु से वैकल्पिक शिक्षा केन्द्र शुरु किये गए हैं। इनका उद्देश्य यह है कि जो बच्चे कभी नामांकित नहि हुए तथा जो बीच में से ही अध्ययन छोड चुके है, उन्हें इस स्तर तक शिक्षा दी जाए कि वे औपचारिक प्राथमिक विद्यालय में फिरसे शामिल हो सकें। शिक्षा को बीच से ही छोड चुके बच्चों की श्रेणियों और मुसीबतों को ठीक तरह से समझाने के नम्र प्रयासों के दौरान सफलतम् अनुभवों से कुछ सीखने के साथ वैकल्पिक शिक्षा प्रणाली के लिए उचित मोडलों का विकास करने का भी प्रयास किया गया है ।

डीपीईपी २ के तहत विकसित किये गये वैकल्पिक शिक्षा के कार्यक्रमोको डीपीईपी ४ तथा सर्व शिक्षा अभियानमें अमली किया जा रहा है ।

६.१ वैकल्पिक विद्यालय के मोडल्स :

परियोजना में शामिल जिलों के शाला छोड चुके बच्चो को शिक्षा उपलब्ध करवाने के लिए, कुछ ए.एस. मोडेलों को विकसित किया गया है, जो इस प्रकार हैं:

बेक - टू - स्कुल	ब्रिज कोर्स	
- ए.एस. केन्द्र	- आश्रम शालाओं में अतिरिक्त	- वेकेशन कोर्स
- वैकल्पिक विद्यालय	सीटें	- प्रमोशन कोर्स
- शिक्षा केम्प	- समुदायो के लिए छात्रावास	- अर्धसत्र कोर्स विद्यालय
(अभी शुरु करने बाकी है)	- पहचान पत्र	- फार्म विद्यालय
	(इन तीन श्रेणीयों में, बच्चे	- टेन्ट (तंबु) विद्यालय
	अपनी शिक्षा वैधिक शालाओं	- सोल्ट पान (विद्यालय)
	में जारी रख सकते हैं ।	(नमक क्षेत्रों में)
	आश्रम शालाओं और समुदायों	- रात्रि वर्ग
	के छात्रावास में बोर्डिंग	- मोबाइल विद्यालय
	सुविधा दी जाएगी)	

६.२ बेक - टू - स्कुल कार्यक्रम - डीपीइपी और एसएसए

गुजरातमें बेक - टु- स्कुल योजना के अंतर्गत एसएसए तथा डीपीइपी के तहत कुल २३४२ वैकल्पिक शिक्षा केन्द्र खोले गये है, जिनमें ४८०८० बच्चें नामांकित किये गये है।

बेक - टू - स्कुल (एसएसए तथा डीपीइपी : अेप्रिल २००४ की स्थिति)

क्रम	जिला	खोले गये	बच्चों की संख्या		
		ए.एस.सेन्टर	लडके	लडकियां	कुल
१	अहमदाबाद	१८८	१९६४	१७००	२८६४
२	अहमदाबाद कोर्पो.	-	-	-	-
३	अमरेली	१२१	९८०	१४६६	२४४६
४	आणंद	-	-	-	-
५	बनासकांठा	२६०	२९४९	३१०४	६०५३
६	भरुच	५६	४१०	३९०	८००
७	भावनगर	१४२	१४२७	१५९४	३०२४
८	दाहोद	१५९	१४५६	१७२४	३१८०
९	डांग	४०	४३४	३८०	८१४
१०	गांधीनगर	३	३७	४१	७८
११	जामनगर	-	-	-	-
१२	जूनागढ	१३५	१२५	१४९६	२७५४
१३	खेडा	४८	२७६	३८७	६६३
१४	कच्छ	१३०	१२७१	१५८०	२८५१
१५	महेसाणा	६३	४८७	८५९	१३४६
१६	नर्मदा	१४४	१११९	१४१५	२५५६
१७	नवसारी	२२	१५७	१४३	३००
१८	पंचमहाल	१२५	१३००	१४६९	२७६९
१९	पाटण	१०५	११७४	१०८०	२२५४
२०	पोरबंदर	२०	२३९	१६२	४०१
२१	राजकोट	-	-	-	-
२२	राजकोट कोर्पो	-	-	-	-
२३	सावरकांठा	१५९	१३०८	१८३२	३१४०
२४	सुरेन्द्रनगर	११९	११८२	१५२२	२७०४
२५	सुरत	-	-	-	-
२६	सुरत कोर्पो	-	-	-	-
२७	वडोदरा	१४५	१६२३	१६९७	३३२०
२८	वडोदरा कोर्पो.	५५	६१३	६९९	१३१२
२९	वलसाड	१०३	१२२७	१२२७	२४५४
	कुल	२३४२	२२११३	२५९६७	४८०८०

वैकल्पिक शिक्षा व्यवस्था

सुरेन्द्रनगर जिले के सायला स्थित बीआरसी पर डायेट के प्राचार्य के द्वारा वैकल्पिक शिक्षा व्यवस्था के विषयमें प्रशिक्षण पाते हुए बालमित्र।

बनासकांठा जिलेके वाव स्थित ऐकेडमि ओफ ओल्टरनेटिव स्कूलिंगमें आयोजित राज्य स्तरीय कार्यशिबिरमें भाग लेते हुए बीआरसी एवं सीआरसी को.ओर्डिनेटर्स का द्रश्य।

डांग जिलेके आहवा स्थित एक ब्रिज कोर्स सेन्टरमें वर्गखंडमें शिक्षा प्राप्त करते हुए बच्चे।

६.३ ब्रिज कोर्स

वर्ष २००२ - ०३ के दौरान डीपीइपी २ जिलो में १३७२ ब्रिज कोर्स केन्द्रो में कुल २५८३६ बच्चे (१२९२२ लडके + १२९१४ लडकियां) नामांकित हुए थे। ईनमें से २३७६९ बच्चों ने (११९०३ लडके + ११८६६ लडकियां) परीक्षा दी, जिनमें से १७८९५ बच्चे (८९३५ लडके + ८९६० लडकियां) पास हुए । औपचारिक पाठ्यपुस्तकों के आधार पर लेसन कार्ड्स विकसित किये गये है। वार्ता कथन, क्रिया गीत, कठपुतलियां ईत्यादि का ईस्तेमाल इन केन्द्रों पर किया जाता है।

एसएसए जिलो में भी इस प्रकारके ब्रिज कोर्स खोले जायेंगे ।

वर्ष २००३ - ०४ के दौरान डीपीइपी ४ के ६ जिलों में २७४४ ब्रिज कोर्स केन्द्र खोले गये जिनमें कुल ५१८०५ बच्चे नामांकित किये गये । ईनमें से ४१०३० बच्चों ने परीक्षा दी, जिनमें से २६३२२ बच्चे पास हुए, जिन्हे उपरी कक्षा में बढोतरी दी गई। इस प्रकार इनका अपव्यय रोका गया।

डीपीइपी ४ जिलो में ब्रिज कोर्स कार्यक्रम **(वर्ष २००३ - ०४)**

जिला	ए.एस. सेन्टर	नामांकित बच्चों की संख्या			परीक्षामें बैठे बच्चों की संख्या			परीक्षामें उतीर्ण बच्चों की संख्या		
		लडके	लडकियां	कुल	लडके	लडकियां	कुल	लडके	लडकियां	कुल
सुरेन्द्रनगर	९९५	११९३१	१०१९१	२२१२२	-	-	१६०१९	-	-	९६७७
कच्छ	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
साबरकांठा	९८०	८६१६	७०६५	१५६८१	७२५३	५९५७	१३२१०	४७३९	३९५२	८६९१
भावनगर	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
जामनगर	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
जूनागढ	७६९	७६७०	६३३२	१४००२	६५१०	५२९१	११८०१	४३०५	३६४९	७९५४
कुल	२७४४	२८२१७	२३५८८	५१८०५	१३७६३	११२४८	४१०३०	-	-	२६३२२

६.४ वैकल्पिक शिक्षा के लिये हेन्ड बुक तथा ट्रेनर्स ट्रेनिंग मोड्युल

राज्य स्तर पर वैकल्पिक शिक्षा के लिये १ हेन्डबुक विकसित की गयी है, जोकि परियोजना के कर्मचारियों, तजज्ञों तथा बालमित्रों के लिये ट्रेनर्स ट्रेनिंग मोड्युल भी है ।

सभी ६ डीपीइपी जिलों में बी.आर.सी. एवं सी.आर.सी. को.ओर्डिनेटर तथा मास्टर ट्रेनर्स को वैकल्पिक शिक्षा के ट्रेनर्स ट्रेनिंग मोड्युल वितरित किये गये ।

६.५ ए.एस. प्रशिक्षण केन्द्र

बनासकांठा जिले के वाव और वाराही में ए.एस. प्रशिक्षण केन्द्र स्थापित किये गये हैं । अन्य ए.एस. प्रशिक्षण केन्द्र १ अगस्त २००२ को सुरेन्द्रनगर जिले के नवा चोटीला में एवं साबरकांठा जिले के तालुका इडर के पावापुरी में शुरु किये गये । इन दोनो केन्द्रो में ५० - ५० बालमित्रों को तालीम दी जा रही है ।

६.५.१ बालमित्रों का प्रशिक्षण

बनासकांठा जिले के वाव और वाराही में तथा पंचमहाल जिले के हालोल में स्थित ए.एस. प्रशिक्षण केन्द्रो में कुल २४२७ बालमित्रों को प्रि- सर्वीस ट्रेनिंग दी गयी । इनमें ४९५ महिला बालमित्र भी शामिल हैं । वाव तथा वाराही के ए.एस. प्रशिक्षण केन्द्रो में द्वितीय, तृत्तीय एवं चतुर्थ तवकों की (१५ दिवस) इन - सर्वीस ट्रेनिंग अभी दी जा रही है, जिसकी स्थिति इस प्रकार है ।

क्रम	जिला	खोले गये ए.एस.सेन्टर	क्रम	जिला	खोले गये ए.एस.सेन्टर
१	अहमदाबाद	१९४	१६	नर्मदा	१९१
२	अहमदाबाद कोर्पो.	-	१७	नवसारी	२३
३	अमरेली	१३२	१८	पंचमहाल	६१
४	आणंद	-	१९	पाटण	१०५
५	बनासकांठा	३१३	२०	पोरबंदर	२०
६	भरुच	५६	२१	राजकोट	८
७	भावनगर	१८८	२२	राजकोट कोर्पो	-
८	दाहोद	१५०	२३	साबरकांठा	१५९
९	डांग	४२४०	२४	सुरेन्द्रनगर	११९
१०	गांधीनगर	३	२५	सुरत	३१
११	जामनगर	-	२६	सुरत कोर्पो	-
१२	जूनागढ	२०३	२७	वडोदरा	१६९
१३	खेडा	६९	२८	वडोदरा कोर्पो.	५५
१४	कच्छ	१५२	२९	वलसाड	१०३
१५	महेसाणा	६३		कुल	२६०९

६.६ जनजाति शिक्षा

जिन बच्चों का स्कूल में कभी नामांकन न हुआ हो या जो बीच में से ही पढाई छोड चुके हैं उन्हें मुख्य प्रवाह मे लाने के लिए बैक-टू-स्कूल कार्यक्रम के अंतर्गत १२१० विशेष आदिवासी ए.एस. केन्द्र खोले गए जिसमें पढाई छोड चुके २५६२३ बच्चों का नामांकन किया गया, जिसमे १३८२४ लडकियाँ थी । इसकी विगत इस

प्रकार है :

जिला	ए.एस. केन्द्र	लडके	लडकियाँ	कुल
बनासकांठा	१५६	२१९७	१८७९	४०७६
पंचमहाल	९९६	९१८०	११३०३	२०४८३
डांग	५८	५२२	६४२	११६४
कुल	१२१०	११८९९	१३८२४	२५७२३

६.६.१ स्थानिय बोलियों में पारिभाषिक शब्दकोष एवं संदर्भ सामग्री

विषय-वस्तु पर आधारित पूरक सामग्री को स्थानिय बोली में तैयार किया गया, जैसे कि बनासकांठा में आदिवासी, पंचमहाल में भीली और डांग में डांगी जिन में स्थानिय संदर्भ का उपयोग किया गया है । परियोजना के तीनों जिलों के आदिवासी इलाको में सभी विद्यालयो में इन्हें वितरित किया गया । इसी प्रकार कच्छ जिले की स्थानिय बोली कच्छी में पूरक सामग्री तैयार की जा रही है। कच्छी भाषामें फ्लेश कार्ड भी तैयार किये गये हैं ।

गैर-आदिवासी क्षेत्रों से तबादला हुए शिक्षको और नवनियुक्त विद्यासहायको को डीपीइपी द्वारा विकसित स्थानिय बोली के शब्दकोष के शब्दों के उच्चारण का प्रशिक्षण दिया गया । पंचमहाल और डांग जिलों में क्लस्टर स्तर पर एक दिवसीय प्रशिक्षण दिया जा चूका है। इसके दौरान पंचमहाल में ३८६ शिक्षकों ने और डांग जिले में ६२ शिक्षकोने प्रशिक्षण प्राप्त किया। बनासकांठा के ५२९ प्रशिक्षण से वंचित शिक्षकों को आनेवाले महिनों में प्रशिक्षित किया जाएगा ।

साबरकांठा जिले के इडर में जून ४ - ६ २००२ के दौरान जनजाति शिक्षा के लिये एक संकल्पनात्मक कार्यशिबिर आयोजित किया गया, जिस दौरान वी.आर.सी. एवं सी.आर.भी. को.ओर्डिनेटर्स तथा शिक्षकों को जनजाति शिक्षा का प्रशिक्षण दिया गया । इसका मुख्य उद्देश्य था जनजाति शिक्षा के लिये स्थानिय मुद्दों की पहेचान करना और उनका निराकरण ढूंढना ।

'दार्शनिका' शीर्षकवाली जनजाति शिक्षा की एक हेन्डबुक राज्य स्तर पर विकसित की गयी तथा साबरकांठा जिले में वितरित की गयी ।

ट्रेनर्स ट्रेनिंग मोड्युल भी विकसित किया गया और साबरकांठा जिले में वितरित किया गया।

प्रकरण : ७

विकलांग बच्चों के लिए संकलित शिक्षा

७.० विशिष्ठ आवश्यकताओंवाले बच्चे

एसएसए तथा डीपीइपी के तहत विशेष आवश्यकताओंवाले बच्चों को उच्च गुणात्मक शिक्षा प्रदान करने के प्रयास किये जा रहे हैं । इसके लिए उनके माता - पिताओं के साथ उनकी विकलांगता और शिक्षा के बारे में सलाह- मशवरा करना अति आवश्यक है । इसी संदर्भ में माता - पिता परिषदों की रचना की गइ । विविध विकलांगताओं के बारे में जागृति पैदा करने के लिए इन परिषदों की नियमित बैठकें भी बुलाई गई । उनमें माता - पिताओं को सकारात्मक अभिगम अपनाने और विकलांग बच्चों की क्षमताओं में विश्वास रखने की अपील की गई । इन परिषदों ने पारिवारिक, सामाजिक, शैक्षिक और पूनर्वसन के मुद्दों एवं विकलांग बच्चों की शिक्षा में अवरोधरूप विविध मानसिक विघ्नों के बारे में चर्चा करने का सही मंच प्रदान किया है ।

सभी गाँवो में विकलांग बच्चों के माता- पिताओं को बी.ई.सी. में सम्मिलित किया गया और उन्हे सघन प्रशिक्षण भी दिया गया । साथ ही, विकलांग बच्चों के माता - पिताओं को लेकर हर गाँव में एक पेरेन्ट्स काउन्सिल की भी रचना की गई है। पेरेन्ट्स काउन्सिल के सदस्यों को बच्चों में विकलांगता के कारण उद्‌भव होनेवाले कई विशिष्ठ मुद्दों को सुलझाने के बारें में प्रशिक्षण दिया गया।

७.१ जनजागृति

माता - पिता और शिक्षकों को अभिप्रेरित करने के लिए अस्थिविषयक विकलांगता, ब्रष्टि विकलांगता (वी.आई), मानसिक तौर पर मंदबुद्धि (एम.आर.) और श्रवण विकलांगता (एच.आई.) पर ६ पोस्टरों के एक सेट को बनाया गया और विद्यालयों में वितरित किया गया । इन पोस्टरों में विकलांग बच्चों के परिवार और माता - पिता द्वारा उनके प्रति सकारात्मक अभिगम का निर्माण हो सके ऐसे संदेश प्रेषित किए गए हैं । पेरेन्ट्स काउन्सिल, बी.ई.सी., पी.टी.ए., एम.टी.ए. बैठकों के दौरान इन जागृति सामग्री का उपयोग किया जाएगा ।

शिक्षकों को जागृत और शिक्षित करने के लिए स्टेट प्रोजेक्ट ओफिस, गांधीनगर द्वारा प्रकाशित त्रिमासिक पत्रिका प्राथमिक शिक्षण सरवाणी में आर्टीकल्स, कहानियां और आई.ई.डी. पर संवाद निरंतर प्रकाशित किये जाते हैं ।

७.२ आई.ई.डी.सी. के लिए प्रशिक्षण व्यूह रचना

कास्केड मोडमें प्रशिक्षण उपर से नीचे तक परियोजना के कर्मचारियों को जिला, ब्लोक, क्लस्टर और ग्राम्य स्तर पर दिया गया है । अनुभवी संसाधन शिक्षकों द्वारा विकलांग बच्चों के साथ काम कर रहे वर्ग शिक्षकों को बी.आर.सी. स्तर पर विकलांगताओं के बारे में विशिष्ठ प्रशिक्षण दिया जाता है ।

विकलांग बच्चों के वर्गशिक्षकों को वर्गखंड प्रबंधन, सकारात्मक अभिगम, सहपाठियों और विद्यालय में पढ रहे अन्य छात्रों, अध्ययन एवं सह-अध्ययन प्रवृत्तिओं, पूरक साहित्य, बच्चों में विकलांगता से पैदा हो रही कठिनाईयों को दूर करने के लिए साधनों के प्रयोग जैसी कई बातों से अभिसंस्कृत किया गया ।

विकलांग बच्चों के विद्यालयों के अन्य सभी शिक्षकों को वर्गखंड प्रबंध, शिक्षकों के व्यवहार, सहपाठी और विद्यालय के अन्य छात्रों और अध्ययन एवं सह-अध्ययन गतिविधियों के बारे में प्रशिक्षित किया गया ।

७.३ प्रशिक्षण मोडयुल्स

बी.आर.सी. और सी.आर.सी. स्तर पर प्रमुख प्रशिक्षकों का प्रशिक्षण मोडयुल विकसित कर वितरित किया गया । शिक्षकों के लिए प्रशिक्षण मोडयुल तैयार किया गया और सभी विद्यालयों में उसे वितरित किया गया । इस मोडयुल द्वारा शिक्षकों को वर्गखंडो में आदान - प्रदान और विकलांग बच्चों के प्रति उनके दृष्टिकोण में बदलाव लाने का मार्गदर्शन मिलता है । साथ ही, मोडयुल की विषयवस्तु से शिक्षकों को सह-अध्ययन प्रवृत्तियों की रचना करने में, विभिन्न प्रकार की विकलांगता धारण किए बच्चों की जरूरतों के अनुसार विषय-वस्तु पर आधारित शिक्षा पध्धति अपनाने, टी.एल.एम. (दोनों ही प्रकार के वर्ग और विषय अनुसार) में साहित्य के उपयोग और विशिष्ठ साधनों के उपयोग करने में सहायता मिलती है।

७.४ कार्यशिबिर और प्रशिक्षण कार्यक्रम

क्लस्टर स्तर पर परियोजना जिलों में वैधिक विद्यालयों में विकलांग बच्चों के शिक्षकों के लिए एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया । प्रशिक्षण के मुख्य उद्देश्य इस प्रकार थे :

- विभिन्न विकलांगताओं के प्रति शिक्षकों में जागृति के स्तर को उपर उठाना
- विभिन्न प्रकार की विकलांगता के लिए सह-अध्ययन प्रवृत्तिओं की रचना करना और

विकलांग बच्चों के लिए संकलित शिक्षा

अहमदाबाद स्थित अंधजन मंडल द्वारा शिक्षकों के लिए आयोजित फाउन्डेशन कोर्स के दौरान श्रवण विकलांगता के बच्चों को शिक्षा प्रदान करने के हेतु निर्देशन पाठ देते हुए एक तजज्ञ।

विश्व विकलांग दिवसके अवसर पर साबरकांठा जिले के हिंमतनगर में जन - जागृति के लिए आयोजित एक विशिष्ट जुलुस का एक दृश्य।

अहमदाबाद में तालुका स्तर पर विविध विकलांगता को आकलित एवं प्रमाणित करने के हेतु आयोजित केम्प के दौरान एक अस्थिविषयक विकलांगतायुक्त बच्ची की जाँच करते हुए विशेषज्ञ डॉकटर।

- विषयवस्तु आधारित शिक्षा पद्धति

प्रशिक्षण का संचालन संसाधन शिक्षकों और गैर-सरकारी संगठनों के विशेषज्ञों जैसे प्रमुख प्रशिक्षकों द्वारा किया गया । प्रशिक्षण के दौरान मास्टर ट्रेनर्स ने शिक्षक प्रशिक्षण मोडयुल और अन्य कई आई.ई.डी. जागृति सामग्री का इस्तेमाल किया । इसके अतिरिक्त, शिक्षकों में अभिगम परिवर्तन के साथ-साथ वर्गखंडों के आदान-प्रदान में विशिष्ठ आवश्यकताओंवाले बच्चों के खास मसलों पर चर्चा करने की उनकी शक्ति का विकास करने में भी यह प्रशिक्षण बहुत कारगर साबित होगा ।

७.५ जी.सी.ई.आर.टी. में आई.ई.डी.सी. सेल

केन्द्र सरकार द्वारा प्रवर्तित आई.ई.डी.सी योजना के तहत जी.सी.ई.आर.टी., आई.ई.डी.सी.सेल द्वारा इसका अमल करते हुए गैर सरकारी संगठनो पर विशेष जरूरतवाले बच्चों की पहचान, वर्गीकरण, अनुमापन तथा प्रमाणित करनेकी जिम्मेदारी सौंपी गई । कुछ चुनी हुई एन.जी.ओ. ने तो ४०% से अधिक विकलांग बच्चों को प्रमाणित करने का काम पूर्ण भी कर लिया है, जिन्हें सहायक साधनों एवं उपकरण प्रदान किये जाने हैं ।

७.६ विश्व विकलांग दिवस का उत्सव

विश्व विकलांग दिवस - ३ दिसम्बर २००३ को सभी जिलों मे मनाया गया । विद्यार्थिओं ने जागृति रेलियाँ निकालते हुए नारे लगाए - 'रस्ता अमने साच्चा आपो, ईश्वर अमने वाचा आपो' (हे ईश्वर, हमें सही रस्ता दिखाओ, हमें बोलने की शक्ति दो), 'अमने दया नहीं काम आपो' (हमें दया नहीं काम दो) । इन नारों द्वारा विशेष जरूरतों वाले बच्चों के प्रति सामुदायिक जागृति पर भार दिया गया, विद्यालय और समाज के साथ संकलन साधा गया और विकलांग बच्चों के प्रति शिक्षकों और माता पिता को सकारात्मक दृष्टिकोण अपनाने की प्रेरणा मिली । विकलांग बच्चों की जरूरतों के मुद्दों पर विद्यालयों में निबंध प्रतियोगिता, पोस्टर्स, गानों एवं नारों की कई प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया ।

७.७ विकलांग बच्चोका सर्वेक्षण

स्कूलोमें नामांकित विकलांग बच्चोंका सर्वेक्षण दिसम्बर २००३ में पूर्ण हुआ, जिसके अनुसार राज्यभरमें कुल ५९८३६ विकलांग बच्चे स्कूलोंमें नामांकित हैं । इन बच्चोंका विवरण नीचे दिया गया है।

स्कूलों में नामांकित विकलांग बच्चो

क्रम	जिला	दृष्टि विकलांगता	श्रवण विकलांगता	अस्थिविषयक विकलांगता	मानसिक क्षति	अन्य	कुल
१	अहमदाबाद	१५४३	५२७	१८०६	१५२४	०	५४००
२	अमरेली	१०४५	१५७	८३१	५४१	७४	२६४८
३	आणंद	१११४	५००	१५६१	१०५८	०	४२९३
४	बनासकांठा	४४८	३७९	९३१	७४४	०	२४९२
५	भरुच	१६९	३३५	४१८	४१७	११	१३५०
६	भावनगर	४९१	४७३	८६६	७३९	०	२५६९
७	दाहोद	४२१	३१८	११६२	६११	०	२५१२
८	डांग	१२२	७३	२०३	१२८	०	५२६
९	गांधीनगर	१७१	१०३	६०७	५६९	०	१४५०
१०	जामनगर	३२३	७६	६३८	३३१	८१	१४४९
११	जूनागढ	७१६	४८५	१३४१	१००१	०	३५४३
१२	खेडा	१५७०	६४२	१४४०	१२३६	०	४८८८
१३	कच्छ	५६७	४९३	११०४	७०३	५०९	३३७६
१४	महेसाणा	५५२	३४३	१४८७	९५०	०	३३३२
१५	नर्मदा	११०	९५	१९६	९३	०	४९४
१६	नवसारी	१९७	९४	२८२	२२०	०	७९३
१७	पंचमहाल	३८५	२४४	६८८	३४०	०	१६५७
१८	पाटण	५४३	३५१	९६७	५२५	०	२३८६
१९	पोरबंदर	१४५	१३३	२१०	६४	३०	५८२
२०	राजकोट	३८५	१४७	६६१	५४८	३६	१७७२
२१	साबरकांठा	७७१	५२४	१६५२	११८३	०	४१३०
२२	सुरेन्द्रनगर	३६८	२०८	६७९	४५०	०	१७०५
२३	सुरत	८६३	३३५	१०८३	८०३	२१	३१०५
२४	वडोदरा	६९०	३४०	५०७	३३९	८२	१९५८
२५	वलसाड	३०८	२५४	५०८	३४१	०	१४११
	कुल	१४०७७	७६२९	२१८२८	१५४५८	८४४	५९८२६

७.८ फाउन्डेशन कोर्स

इस वर्ष आर. सी. आई., महाराजा भोज युनिवर्सिटी (भोपाल) और अंधजन मंडल (अहमदाबाद) के सहकारसे आयोजित विकलांग बच्चों की शिक्षा के लिये फाउन्डेशन कोर्स के दौरान कुल ५७१ शिक्षकोंको प्रशिक्षण दिया गया, जिसका विवरण इस प्रकार है:

फाउन्डेशन कोर्स प्रशिक्षार्थियोंका जिलावार विवरण

क्रम	जिला	अभ्यास केन्द्र	प्रशिक्षार्थियोंकी संख्या
१	भावनगर	श्री के. एल. इन्स्टिट्युट फोर धी डेफ, भावनगर	४२
२	अमरेली		
३	राजकोट और कोर्पोरेशन	ध सोसायटी फोर ध मेन्टली रिटार्डेशन, राजकोट	३२
४	जूनागढ	नेशनल एशोसियेशन फोर ध ब्लाइन्ड, जूनागढ	४१
५	जामनगर	नेशनल एशोसियेशन फोर ध ब्लाइन्ड, जामनगर	२६
६	पोरबंदर		
७	अहमदाबाद और कोर्पोरेशन	संतु डेवलपमेन्टल ईन्टरवेन्सन सेन्टर, अहमदाबाद	३४
८	खेडा	रोटरी कलब, श्री एस. जी. ब्रह्मभट्ट डेफ स्कुल नडियाद	२५
९	आणंद	डेफ ओन्ड डन्य स्कुल, नवरंगपुरा, अहमदाबाद	२२
१०	पंचमहाल	ब्लाइन्ड वेलफेर काउन्सिल, दाहोद	५०
११	दाहोद		
१२	सुरेन्द्रनगर	नेशनल एशोसियेशन फोर ध ब्लाइन्ड,	४२
१३	गांधीनगर	अहमदाबाद	
१४	कच्छ	ध स्कुल ओफ डिसेबीलीटीग, भूज	२०
१५	बनासकांठा	नेशनल एशोसियेशन फोर ध ब्लाइन्ड, पालनपुर	३०
१६	साबरकांठा	नेशनल एशोसियेशन फोर ध ब्लाइन्ड, ईडर	३८
१७	महेसाणा	नेशनल एशोसियेशन फोर ध ब्लाइन्ड,	४८
१८	पाटण	महेसाणा- पाटण	
१९	वडोदरा और कोर्पोरेशन	मेडिकल केर सेन्टर ट्रस्ट, वडोदरा	३१
२०	नर्मदा	सेवा रुरल, झघडिया	३३
२१	भरुच	भरुच	
२२	सुरत और कोर्पोरेशन	नेशनल एशोसियेशन फोर ध ब्लाइन्ड, सुरत डिस्ट्रीकट ब्रांच	२७
२३	नवसारी	नेशनल एशोसियेशन फोर ध ब्लाइन्ड, वलसाड	३०
२४	वलसाड	डिस्ट्रीकट ब्रांच	
२५	डांग		
	कुल		५७१

प्रकरण : ८

मिडिया और अनुलेखन

८.० मिडिया हिमायत

गुजरात में एसएसए और डीपीइपी के अंतर्गत प्राथमिक शिक्षा, और खास करके, लडकियों की शिक्षा की हिमायत मिडिया और अनुलेखन इकाइ का केन्द्रस्थ विस्तार रहा है । नामांकन और स्थायीकरण के मुद्दों पर काम करते शिक्षित जूथ, मिडिया संदेश, मिडिया के विकल्प आदि के विवरण के साथ अच्छी तरह डिझाईन की गइ मिडिया मिक्स व्यूहनीति का उपयोग किया गया है। इनकी वजह से आधार स्तर पर समूदाय के सहयोगके द्वारा एसएसए और डीपीइपी ने बहुत अच्छी नामना एवं स्वीकृति पायी है । इसके अलावा परियोजना के सभी स्तरों पर कार्यकर्ताओं में बहुत ही महत्त्वपूर्ण विश्वास का सिंचन किया गया है ।

८.१ लोक माध्यम

बनासकांठा की जिला मिडिया ईकाई ने जिले में नामांकन अभियान से पहले 'भवाई' नाटकों का आयोजन किया। बच्चों का पाठशालाओं में नामांकन करवाने के प्रति लोगों की विचारधारा को सकारात्मक तरीके से बदलने में स्थानिय लोक माध्यम को उपयोग में लाया गया ।

डांग में जनजातिओं में प्राथमिक शिक्षा के सार्वत्रिकरण को सहायभूत करने के लिए तमाशा पार्टीओं का सफल उपयोग किया गया । एसएसए और डीपीइपी के प्रचार के लिए, जिले के गाँवो में निरंतर रूप से लगनेवाले परंपरागत मेलों - हाट का भी सफलतापूर्वक आयोजन किया गया ।

८.२ पत्रिकाएं

एसएसए एवं डीपीइपी के कर्मियों और परियोजना जिलों के प्राथमिक शिक्षकों के लिए स्टेट प्रोजेक्ट ओफिस, गांधीनगर द्वारा त्रिमासिक पत्रिका 'प्राथमिक शिक्षण सरवाणी' को नियमित रूप से प्रकाशित किया गया ।

इन-हाउस (गृह प्रकाशन) पत्रिका **'प्राथमिक शिक्षण सरवाणी'** का वितरण २०५०० प्रत प्रति माह तक पहुँच चूका है। इसे डीपीइपी जिलों की सभी स्कूलों तथा एसएसए जिलों के सी.आर.सी. को.ओर्डिनेटर, डायट तथा जिला प्राथमिक शिक्षा अधिकारियों को भेजा जाता है ।

८.३ अनुलेखन

राज्य की मिडिया और अनुलेखन ईकाई द्वारा वर्ष के दौरान निम्न लिखित अनुलेखन और प्रकाशन तैयार किए गए :

(१) डीपीइपी २ जिलोंके लिये ईम्प्लीमेन्टेशन रिपोर्ट (आईसीआर).

(२) डीपीइपी जिलों में गुजरात स्कुल रिपेर और रीकन्स्ट्रकशन कार्यक्रम पर त्रैमासिक गुणात्मक रीपोर्ट (जान्युआरी - मार्च २००३)

(३) डीपीइपी जिलों में गुजरात स्कुल रिपेर और रीकन्स्ट्रकशन कार्यक्रम पर त्रैमासिक गुणात्मक रीपोर्ट (अेप्रिल - जून २००३)

(४) डीपीइपी जिलों में गुजरात स्कुल रिपेर और रीकन्स्ट्रकशन कार्यक्रम पर त्रैमासिक गुणात्मक रीपोर्ट (जुलाई - सप्टेम्बर २००३)

(५) जीसीपीइ की १८वीं और १९वीं ई.सी. मीटींग के लिये प्रगति अहेवाल

(६) डीपीइपी के १८वें और १९वें जोइन्ट रिव्यु मिशन के लिये प्रगति अहेवाल, भाग - १,२,३

(७) सर्व शिक्षा अभियान की कार्य रेखा का गुजराती संस्करण

(८) एनपीईजीईएल की कार्य रेखा का गुजराती संस्करण

(९) सर्व शिक्षा अभियान के तहत निर्माण कार्योंकी बेहतर पध्धतियोंकी चेकलीस्ट

(१०) वर्ष २००२ - ०३ के वार्षिक अहेवाल (अंग्रेजी और हिन्दी)

८.४ वी.ई.सी.के लिये पुस्तिकायें

सर्व शिक्षा अभियान के विविध पहेलुओं पर जानकारी फैलाने के हेतु से सरल गुजराती में पुस्तिकायें तैयार की गई, जिन्हें राज्यभर की वीईसीओं में वितरित किया गया । पोकेट साईझकी इन पुस्तिकाओं में सर्व शिक्षा अभियान के सभी प्रमुख पहेलुओं की जानकारी दी गई है, जैसेके शिक्षक प्रशिक्षण, वैकल्पिक स्कुल व्यवस्था, कन्या शिक्षा, निर्माण कार्यों, विकलांग बच्चों के लिये संकलित शिक्षा (आईईडी) तथा परियोजना के आर्थिक धोरण । इन पुस्तिकाओं ने वीईसी सभ्यों तथा समुदायों के लिये सर्व शिक्षा अभियान की बारीकियों को समझना तथा आधार स्तर पर किये जानेवाले प्रयासो में सक्रिय योगदान देना एवं निगरानी करना आसान हो गया है।

८.५ मिडिया कवरेज

राज्यमें एसएसए और डीपीइपी के तहत आयोजित महत्वपूर्ण कार्यक्रमों को व्यापक मिडिया कवरेज दी गयी ।

राज्य, जिला, ब्लोक और क्लस्टर स्तर पर आयोजित प्रमुख कार्यक्रम जैसे कि सेमिनार, कार्यशिबिरों, प्रशिक्षण कार्यक्रमों और राज्य में महानुभावों की मुलाकातों को अंग्रेजी और गुजराती अखबारों द्वारा प्रसारित किया गया ।

८.६ रेडियो

एसएसए में समुदायों का समर्थन प्राप्त करने के हेतु से रेडियो पर मास मिडीया केम्पेन शुरु किया गया । आकाशवाणी, अहमदाबाद द्वारा बच्चोंके - विशेषतः कन्याओं के - नामांकन एवं स्थायिकरण को बढावा देने के लिये दो रेडियो जिंगल का निर्माण किया गया । ओल ईन्डिया रेडियो के प्राथमरी चेनल पर शाम के ७: ०० बजे के प्रादेशिक समाचार के पहेले इन दोनों रेडियो जिंगल्स को प्राथमिक शिक्षा के विषय में जनजागृति पेदा करने के लिये प्रसारित किया गया । इन्हें जून, जुलाई, अगस्त २००३ में आयोजित प्रवेशोत्सव के दौरान आकाशवाणी के अहमदाबाद, वडोदरा, राजकोट और भूज से प्रसारित किया गया ।

८.७ एस.टी. बसों पर विज्ञापन

वर्ष २००३ के दौरान अर्थात इसी वर्ष सभी बच्चे प्राथमिक स्कुलो में नामांकित हों यह सुनिश्चित करनेके लिये मिडीया प्रवृत्तियों को बढावा दिया गया। परियोजना जिलोमें सेवा देनेवाली एस.टी.बसों के साईड पेनल पर (२०' X ३.५') डीपीइपी तथा एसएसए के संदेशों को प्रदर्शित किया गया। इसी प्रकारके विज्ञापन राज्यके सभी जिलोमें एस.टी.बसों के तालुका मुख्य मथक पर होर्डिंग (२०' X १०') द्वारा प्रदर्शित किये गये।

८.८ अखबारों में विज्ञापन

प्रायमरी स्कुलो में ६ - १४ वर्ष वयजूथ के सभी बच्चों, विशेषतः कन्या वर्ग के नामांकन को बढावा देने के लिये संस्था द्वारा एक विज्ञापन विकसित किया गया। गुजराती में बना यह विज्ञापन २४० कोलम से.मी. (८ कोलम X ३० से.मी) का था जिसे चार सर्वाधिक लोकप्रिय गुजराती अखबार, जैसे कि गुजरात समाचार, संदेश, जनसत्ता एवं समभाव की राज्यव्यापी आवृत्तिओ में प्रकाशित किया गया। अगले शैक्षिक सत्रके प्रारंभ से एक माह पूर्व प्रकाशित इस विज्ञापन द्वारा सभी बच्चों को स्कुलो में नामांकित करने के लिये माता - पिताओं, शिक्षकों तथा जनमत निर्धारकों से की गई।

८.९ पोस्टर्स एवं स्टीकर्स

ग्राम्य जनता में प्राथमिक शिक्षा के महत्त्व के विषयमें जागृति लाने के उद्देश्य से पोस्टर्स विकसित किये गये । जून २००३ में प्रवेशोत्सव के दौरान मान. मुख्यमंत्रीश्री नरेन्द्रभाई मोदी एवं मान. शिक्षा मंत्री श्रीमती आनंदीबेन पटेल के संदेश लिये तीन पोस्टर्स के एक सेट तथा स्टीकर्स सभी स्कुलों में कन्याओं तथा अन्य वंचित तथा स्कुल से बाहर रहने वाले बच्चों की शिक्षा को बढावा देनेके लिये वितरित किया गया।

मान. प्रधानमंत्री श्री अटल बिहारी बाजपायी एवं मान. मानव संसाधन विकास मंत्री डो. मुरली मनोहर जोशी के संदेश लिये पोस्टर्स, जोकि भारत सरकार द्वारा भेजे गये थे, राज्य के सभी जिलों की स्कुलों में प्रदर्शनके हेतु से वितरित किये गए ।

८.१० टीवी तथा रेडियो विज्ञापनों का प्रसारण

मान. प्रधानमंत्री श्री अटल बिहारी बाजपायी एवं मान. मानव संसाधन विकास मंत्री डो. मुरली मनोहर जोशी के संदेश लिये **'स्कुल चलें हम'** टीवी तथा रेडियो विज्ञापनों को, दूरदर्शन केन्द्र, अहमदाबाद और आकाशवाणी के सभी केन्द्रों द्वारा राज्यभर में प्रसारित किया गया।

प्रकरण - ९

मेनेजमेन्ट इन्फोर्मेशन सिस्टम (एमआईएस)

एसएसए तथा डीपीइपी - गुजरात अपनी गतिविधियों को कम्प्युटराइज्ड सूचना व्यवस्था के जरिए नियंत्रित करते हैं, जिससे परियोजना के विभिन्न क्षेत्रों की प्रगति तथा वित्तिय खर्च का असरदार ढंग से नियमन किया जा सके और निगरानी रखी जा सके ।

कार्यक्रम की जरुरतों को ध्यान में रखते हुए शैक्षिक प्रबंध सूचना व्यवस्था (इ.एम.आई.एस) सोफ्टवेर पेकेज का प्रयोग किया जाता है । इ.एम.आई.एस. कार्यक्रम के पहलूओं और शैक्षिक कार्यो को नियंत्रित करता है । अपेक्षित परिणामों और आर्थिक प्रवृत्तियों के आयोजन की सूचना से आयोजकों और अमलकर्ताओं को कार्यक्रम की असरकारता और प्रभावों का मूल्यांकन करने में मदद मिलती है ।

एसएसए तथा डीपीइपी के तहत स्टेट प्रोजेक्ट ओफिस और डिस्ट्रीक्ट प्रोजेक्ट ओफिसीस में मेनेजमेन्ट इन्फोर्मेशन सिस्टम सेल क्रियान्वीत किये गये है, जिन्हें पर्याप्त साधनों, सुविधाओं और मानवबल से संपन्न किया गया है ।

एम.आई.एस. में जिन प्रवृतिओ पर कार्य किया गया वे इस प्रकार है:

* एसएसए के लिये सभी २५ जिलों के एन्युअल वर्क प्लान और बजेट तैयार किये गये । ६ डीपीइपी जिलों के लिये एन्युअल वर्क प्लान और बजेट भी तैयार किये गए ।
* कार्यालय के दैनिक कार्यो में कम्प्युटरों के उपयोग के लिए राज्य और जिला एमआईएस कर्मचारियों द्वारा बीआरसीसीओं को निरंतर सहयोग दिया गया ।
* इ.एम.आई.एस. (डायस) सिस्टम को सभी जिलों में अमली बनाया गया।
* राज्य तथा जिला स्तर पर डायसके अमलीकरण के लिये श्रृंखलाबद्ध कार्यशिबिरों का आयोजन किया गया ।
* डायस डेटा रिपोर्ट (२००३-२००४) सभी ९ डीपीइपी जिलों के लिए तैयार किया गया और भारत सरकार को भेजा गया । साथ ही, परियोजना कर्मचारियों के साथ जिला, राज्य और ब्लोक स्तर पर वितरित किया गया ।

प्रकरण - १०

प्लानिंग एन्ड मेनेजमेन्ट

१०.० वार्षिक कार्य आयोजन और २००३-२००४ के बजट की तैयारियाँ

गाँवो के समुदाय स्तर से उपर के समुचे ढाँचे को सहभागितापूर्ण प्रक्रिया में संलग्न कर योजनाएँ तैयार की गई । जिला और ब्लोक स्तरों पर किए गए सूक्ष्म - आयोजन और विभिन्न अभ्यासों का लेखा आयोजन को तैयार करने में लिया गया । व्यूहरचना के निर्माण में २००३-२००४ के इएमआईएस आंकडों का भी उपयोग किया गया ।

१०.१ पी. एन्ड एम. के मुख्य क्रिया-कलाप

गुजरात के परियोजना जिलों में, हर गाँव से १ कि.मी. की त्रिज्या में एक प्राथमिक शाला है, जिसके कारण सुविधा सर्वत्र है । हालांकि, परियोजना के प्रारंभ में परिवारों के स्थानांतर या गरीबी जैसे सामाजिक और आर्थिक कारणों की वजह से डीपीइपी के तीनों जिलों मे करीब ३ लाख बच्चे शिक्षा से वंचित थे । इनमें से १.९२ लाख बच्चे ऐसे थे जिनका नामांकन कभी नहि हुआ था, जबकि १.०८ लाख बच्चे शिक्षा को बीच में से छोड चुके थे ।

* वार्षिक आयोजन में वैकल्पिक शिक्षा प्रणाली को मजबूत करने के कार्य को प्राथमिकता दी गई । जिन गाँवो में सिर्फ ५ बच्चों की ऐसी संख्या हो जो शिक्षा के लाभ से वंचित हों तब भी वहाँ इस तरह के कोई अन्य केन्द्र शुरु करने का प्रस्ताव है । ए.एस. प्रशिक्षण केन्द्रों को साधन संपन्न कर ए.एस. शिक्षकों के प्रशिक्षण को सुधारा गया । बनासकांठा के वाव और वाराही को शैक्षिक तथा अन्य जरुरी साधनों से पूर्णतः लैस किया गया।
* डांग जिले में ब्रिज कोर्स कार्यक्रम की सफलता के चलते ऐसे ही कार्यक्रमों को अन्य दो जिलों मे भी निश्चित समय के लिए स्थानांतरित होते बच्चों को मुख्यधारा में लाने के लिए शुरु करवाया गया ।
* कन्याओं के नामांकन और पूर्णता दर को सुधारने के लिए खास लडकियों के लिए ए.एस. केन्द्रों को खोला गया ।
* समुदायों की सहभागिता और सहयोग प्राप्त हो, इस हेतु तीनों जिलों में जागृति मुहिम को और तेज किया गया । विगत अनुभवों के आधार पर अभिप्रेरण व्यूहरचनाओं में सुधार लाया गया। इस वर्ष के वार्षिक आयोजन में स्थायीकरण

और गुणात्मक सुधार पर ज्यादा ध्यान दिया गया।

* वस्तु-आधारित शिक्षण प्रणाली, जिसे डायट और जी.सी.इ.आर.टी. द्वारा नियमित प्रशिक्षण के भागरुप नहीं लिया जाता, एक अन्य क्षेत्र है जिसे अध्यापन विद्या में सुधार का अंग समझकर इस पर ज्यादा ध्यान दिया जाएगा ।
* शिक्षकों के प्रशिक्षण कार्यक्रमों को मजबूत करने के लिए डायट, बीआरसी और सीआरसी की क्षमता में बढोतरी करने पर भी विचार किया गया है।
* मकानों की मरम्मत के बाद निर्माण कार्यों का मुख्य केन्द्र बिंदु वर्गखंडों और भवनों के निर्माण पर रहा ।
* आई.ई.डी और ई.सी.ई के संसाधनो के मजबूतीकरण के साथ ही आंगनवाडी कार्यकरों के लिये मोडयुल्स, प्रशिक्षण किट, और विभिन्न प्रकार की विकलांगताओं के लिए सहाय और साधन हस्तगत करवाये जाएँगे ।

१०.२ माईक्रोप्लानिंग

माईक्रोप्लानिंग की तालीम को कासकेड मोडमें बीआरसी, सीआरसी एवं स्कुल स्तर पर आयोजित किया गया। अहमदाबाद, वडोदरा, राजकोट और सुरत के म्युनिसिपल कोर्पोरेशन के विस्तारों के सभी सीआरसी को.ओर्डिनेटर्स को प्रशिक्षित किया गया। समुदायों के समर्थन से स्कुल तथा ग्राम स्तर पर अनुमापन कवायतें की गइ। डीपीइपी तथा एसएसए के तहत विलेज एज्युकेशन रजिस्टर सभी जिलो में निभाये जाते है।

१०.३ संशोधन एवं मूल्यांकन

संशोधन अनुदान राज्यके सभी डायट्स को दिये जा चुके हैं। सभी बीआरसी तथा सीआरसी को.ओर्डिनेटर्स को क्रियात्मक संशोधन के विषयमें प्रशिक्षण दिया जा चुका है। ३ संशोधन अभ्यास पूर्ण हो चुके हैं, जिन्हें राष्ट्रीय स्तरकी कार्यशिबिर में पेश किया गया था। राज्य में प्रत्येक डायट द्वारा १० संशोधन अभ्यास किये जाते हैं।

एसएसए के लिये बेस लाईन ऐसेसमेन्ट सर्वे, पसंद किये गये ४ जिलो के २०० स्कुलो में संपन्न किया गया, जिसमें एन. एम. सद्गुरु वोटर एन्ड डेवलोपमेन्ट फाउन्डेशन, दाहोद, डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर ओपन युनिवर्सिटी, अहमदाबाद तथा सी.ए.एम.ई., फेकल्टी ओफ एज्युकेशन, एम. एस. युनिवर्सिटी, वडोदरा शामिल थे।

१०.३.१ संशोधनों के मुख्य अवलोकन

सुरेन्द्रनगर जिले में कन्याओं के अल्प नामांकन के विषय पर चोटिला, मुली और सायला तालुको में, कच्छ एवं जूनागढ जिलो में कक्षा ३ के गणित में बच्चों की

अल्प सिद्धिस्तर के विषय पर, डायस डेटा के सेम्पल चेकिंग तथा प्राथमिक स्तर पर वच्चों के एक ही कक्षा में पूनः बैठनेके उच्च दर के विषय में संशोधन किये गये।

इन संशोधनो के मुख्य अवलोकन नीचे दिये गये हैं।

- **अभ्यास - १ कन्याओं का अल्प नामांकन**
  - तीनों तालुकों में लैंगिक भेद बहुत उंचा है, जो कि राज्य के औसत से अधिक है।
  - जातियों का असर अधिक पाया गया है, विशेषतः सायला तालुके में जहाँ बहुतसी लडकियाँ स्कुल नहीं जातीं।
  - स्थानिक समुदायों द्वारा बच्चों की शिक्षा के बारे में ग्राम्य स्तर पर बैठकों में चर्चा की जाती है।
  - स्कुलों का अंतर, धार्मिक संस्थाओं के सहकार तथा प्रभात फेरी जैसे कार्यक्रमों का आयोजन, इत्यादि मुद्दोंका महत्त्व ज्यादा नहि है।
- **अभ्यास - २ कक्षा ३ के गणित में अल्प सिद्धि स्तर**
  - गुजरात सरकार के प्रयासों से बेझ लाईन एसेसमेन्ट सर्वे की तुलना में विद्यार्थियों के परिणामों में सुधार आया है। डीपीइपी से ग्रामीण विस्तारों के गरीब बच्चों को फायदा पहुंचा है।
  - शिक्षकों के रिक्त स्थान अल्प सिद्धि स्तर के लिये जिम्मेवार है।
  - उपचारात्मक प्रयासों के द्वारा विद्यार्थियों के सिद्धि स्तरो को सुधारा जा सकता है।
  - पर्याप्त भौतिक सुविधाओं से विद्यार्थियों के सिद्धि स्तरों को सुधारा जा सकता है।
- **अभ्यास - ३ डायस डेटा का सेम्पल चेकिंग**
  - साबरकांठा की तुलना में सुरेन्द्रनगर जिले में पुराने एवं नये डेटा में कम विसंगतता पायी गई।
  - स्कुलों से प्राप्त जानकारी के आधार पर सीआरसी को.ओर्डिनेटर्स द्वारा फोर्म्स में डेटा भरे गये।
  - संदर्भित सत्ताओं द्वारा रेकोर्डस ठीक से निभाये न जाने के कारण पुराने

तथा नये डेटा में विसंगतियां पाई गई हैं।

- **अभ्यास - ४ प्राथमिक स्तर पर बच्चों का एक ही कक्षामें दो बारा बैठने का उच्च दर**

  - मुख्य शिक्षकों के मत के अनुसार प्राथमिक स्तर पर बच्चों के एक ही कक्षा में दो बारा बैठने के उच्च दर के पीछे माता - पिताओं का स्थानांतर तथा बच्चों के अभ्यास के विषय में अज्ञान है।
  - अधिकतर शिक्षकों के मुताबिक इसका मुख्य कारण घर की कमजोर आर्थिक स्थिति तथा परिवार का स्थानांतर है।
  - विद्यार्थियों के अनुसार इसका प्रमुख कारण माता-पिताओं का स्थानांतर है।

१०.४ मोनीटरिंग और सुपरवीझन

सर्व शिक्षा अभियान के गुणात्मक एवं गणनात्मक आयामों के मोनीटरिंग तथा सुपरवीझन के लिये एन.सी.ई.आर.टी. तथा एन.आई.ई.पी.ए द्वारा तैयार किये गये फोर्मेट्स को गुजरातीमें अनुवादित किया गया तथा जिला, बीआरसी, सीआरसी तथा स्कुल स्तर पर वितरित किया गया । राज्य से ग्राम्य स्तर पर कास्केड मोडमें प्रशिक्षण दिया गया है। कलस्टर स्तर पर बीईसीके सदस्यों को सर्व शिक्षा अभियान के स्कुल में मोनीटरींग तथा सुपरवीझन के लिये नवसंस्करित किया गया । मोनीटरींग और सुपरवीझन के लिये मार्च २००४ अंतित त्रिमासिक अहेवाल भारत सरकार को भेज दिया गया है।

१०.५ रिजीयोनल रीसर्च ईन्स्टीट्युट्स फोर एज्युकेशन

मानव संसाधन विकास मंत्रालय, नई दिल्ही द्वारा सर्व शिक्षा अभियानके राज्य स्तरीय अमलीकरण के मोनीटरिंग और सुपरवीझन का जिम्मा सरदार पटेल ईन्स्टीट्युट ओफ सोश्यल एन्ड इकोनोमीक रीसर्च, अहमदाबाद तथा सेन्टर फोर एडवान्स्ड स्टडीस इन एज्युकेशन, एम. एस. युनिवर्सिटी, वडोदरा, को सोंपा गया है। इन दोनो रिजीयोनल रीसर्च ईन्स्टीट्युट्स फोर एज्युकेशन द्वारा एसएसए जिलो में क्षेत्रिय प्रवास किया जाता है, तथा भारत सरकार को इसका अहेवाल पेश किया जाता है।

नए विद्यालयों का निर्माण डीपीइपी ४

जिला	लक्षित	पूर्ण	प्रगतिमें
कच्छ	२२	१०	१२
जामनगर	१०	१०	०
जूनागढ	४०	२८	१२
भावनगर	१५	७	८
साबरकांठा	५८	२३	३५
सुरेन्द्रनगर	१४	१०	४
कुल	१५९	८८	७१

११.१.३ डीपीइपी के तहत अतिरिक्त वर्गखंड

डीपीइपी २ के बनासकांठा, पंचमहाल और डांग जिलों में लक्षित सभी ४५१ अतिरिक्त वर्ग खंडों का निर्माण कार्य पूर्ण किया गया । इसकी विस्तृत जानकारी नीचे दी गयी है ।

अतिरिक्त वर्गखंड डीपीइपी २ (जून - २००३ में समाप्त)

जिला	लक्षित	पूर्ण
बनासकांठा	११०	११०
पंचमहाल	१६८	१६८
डांग	१७३	१७३
कुल	४५१	४५१

अतिरिक्त वर्गखंड डीपीइपी ४

जिला	लक्षित	पूर्ण	प्रगतिमें
कच्छ	२१९	८९	१३०
जामनगर	१५९	८३	७६
जूनागढ	२४५	१०५	१४०
भावनगर	१५०	५५	९५
साबरकांठा	१५३	७१	८२
सुरेन्द्रनगर	१४६	९५	५१
कुल	१०७२	४९८	५७४

११.१.४ डीपीइपी में शौचालय

ऐसी स्कुलो में शौचालय बनवाए गए जहाँ १ से ७ तक वर्ग तो थे, लेकिन शौचालय की व्यवस्था नहीं थी । सारे ही नए विद्यालयों को शौचालयों और पीने के पानी की सुविधा मुहैया करवाइ गइ, चूंकि ये सारे विद्यालय दुर-दराज क्षेत्रों में थे और दूर्गम थे

निर्माण कार्य

कच्छ जिले के मांडवी तालुके की भिंसरा प्राथमिक स्कूल में निर्मित की गई पेय जल सुविधा के उपयोग द्वारा प्यास मिटाते बच्चें।

साबरकांठा जिले के मालपुर में एनपीईजीईएल के तहत निर्मित मोडल कलस्टर स्कूल का एक द्रश्य। इस स्कूल द्वारा कन्याओ की शिक्षा के लिए इच्छनीय मुख्य सुविधाएं एवं स्थितियां प्रदान की जाती हैं।

ईस चित्रमें मध्याह्न भोजन योजनाके तहत भावनगर जिले के महुवा तालुकेमें लसनपोर प्राथमिक स्कूलमें निर्मित किचन शेड को दर्शाया गया है।

निर्माण कार्य

यह द्रश्य है जूनागढ जिले के केशोद तालुके में पासवडिया प्राथमिक स्कूल में निर्मित शौचालय का। कन्याओं के लिए अलग शौचालय सुविधा प्रदान करने के बाद उनके नामांकन एवं स्थायीकरण में वृद्धि हुई है।

यह चित्र है साबरकांठा जिले के मालपुर तालुके में सतारडा स्थित सीआरसी भवन का, जिसे डी.आर.एस. सेट जैसे उपकरणों द्वारा सुसज्जित किया गया है।

सुरेन्द्रनगर जिले के लिमडी तालुकेमें रासका प्राथमिक स्कूलमें पेय जलकी कमी की समस्याका रेइन - वोटर हार्वेस्टींग द्वारा सफलतापूर्वक निराकरण किया जा रहा है, जिसे तस्वीरमें दिखाया गया है।

डीपीइपी २ और डीपीइपी ४ जिलो में इसकी विस्तृत जानकारी नीचे दी गयी है।

शौचालय डीपीइपी २ (जून - २००३ में समाप्त)

जिला	लक्षित	पूर्ण
बनासकांठा	३५७	३५७
पंचमहाल	३६४	३६४
डांग	१३८	१३८
कुल	८५९	८५९

शौचालय डीपीइपी ४

जिला	लक्षित	पूर्ण	प्रगतिमें
कच्छ	१२०	७०	५०
जामनगर	२५०	१९९	५१
जुनागढ	१५०	१०१	४९
भावनगर	१५०	१०३	४७
साबरकांठा	१५०	१०९	४१
सुरेन्द्रनगर	१५०	१४१	९
कुल	९७०	७२३	२४७

११.१.५ डीपीइपी में बीआरसी भवनों का निर्माण

डीपीइपी २ के अंतर्गत, प्रवर्तमान परियोजना जिलों में २१ बीआरसी भवनों का निर्माण पूर्ण हो चूका है । अब तक, पंचमहाल में १० बीआरसी, बनासकांठा में १० बीआरसी और डांग में १ बीआरसी के लिए भवनों का निर्माण पूर्ण किया गया है।

डीपीइपी ४ में ४६ बी.आर.सी भवनों का निर्माण होना है, जिनमें से ८ में काम प्रगति में है और ३२ भवनों का निर्माण पूर्ण किया गया है। कच्छ जिले में एक बी.आर.सी. का काम प्रगतिमें है जबकि २ अन्य बी.आर.सी. का निर्माण पूर्ण किया गया है। जामनगर में १ बी.आर.सी.भवन का काम प्रगति में है, जबकि ७ पूर्ण हो चुके हैं। जूनागढ में १ बी.आर.सी. भवन का काम प्रगति में है, जबकि ५ बी.आर.सी. भवनों का काम पूर्ण हो चुका हैं । साबरकांठा में सभी ९ बी.आर.सी. भवनों का काम पूर्ण हो चुका है। सुरेन्द्रनगर में ३ बी.आर.सी. भवनों का काम प्रगति में है, जबकि ४ बी.आर.सी. भवनों का काम पूर्ण हो चुका हैं।

जिला	लक्षित	पूर्ण	प्रगतिमें
कच्छ	३	२	१
जामनगर	८	७	१
जुनागढ	६	५	१
भावनगर	१२	५	२
साबरकांठा	९	९	०
सुरेन्द्रनगर	८	४	३
कुल	४६	३२	८

११.१.६ डीपीइपी में मरम्मत

डीपीइपी २ के तीनों जिलों की सभी प्राथमिक शालाओ में मरम्मत का काम पूर्ण कर लिया गया है, जो इस प्रकार है :

मरम्मत डीपीईपी २ (जून - २००३ में समाप्त)

जिला	लक्षित	पूर्ण
बनासकांठा	३५४	३५४
पंचमेहाल	३९१	३९१
डांग	१८८	१८८
कुल	९३३	९३३

मरम्मत डीपीइपी ४

जिला	लक्षित	पूर्ण	प्रगतिमें
कच्छ	१०	१०	०
जामनगर	९२	६१	३१
जूनागढ	१५७	१०१	५६
भावनगर	१६८	१४२	२६
साबरकांठा	३०९	२२७	८२
सुरेन्द्रनगर	२८	२३	५
कुल	७६४	५६४	२००

११.२ एसएसए में निर्माण कार्य

जिला परियोजना इकाइयों द्वारा वी.सी.डबल्यु.सी. और स्थानिक समूदायों के समर्थन से निर्माण कार्य एसएसए के तहत किये गये । एसएसए के अंतर्गत २५ जिलों तथा ४ म्युनिसिपल कोर्पोरेशन विस्तारोंमें नयी स्कूलों के निर्माण, अतिरिक्त वर्गखंड, भवन हीन स्कुल, हेड मास्टर्स रुम, शौचालयों, पेशाबघरों, कम्पाउन्ड वोल, ब्लोक रिसोर्स भवनों, क्लस्टर रिसोर्स भवनों तथा मरामत के काम किये गये।

११.२.१ एसएसए में अतिरिक्त वर्गखंड, नए विद्यालय और भवनहीन विद्यालयों के लिये भवनों का निर्माण

एसएसए के तहत अतिरिक्त वर्गखंड, नए विद्यालय और भवनहीन विद्यालयों के लिये भवनों का निर्माण काफी जोशोखरोश से शुरु किया गया । कुल ३२४ अतिरिक्त वर्गखंड का निर्माण पूर्ण हो चुका है जबकि २२४६ कार्य प्रगति में है । ८४ नये विद्यालयों का निर्माण पूर्ण हो चुका है, जबकि १८४ का कार्य प्रगति में हैं । साथ ही, ६८ बिना मकान के विद्यालयों के लिये भवनों का निर्माण पूर्ण हो चुका है जबकि २३७ में कार्य प्रगति में हैं ।

एसएसए में अतिरिक्त वर्गखंड, नए विद्यालय और भवनहीन विद्यालयों के भवनका निर्माण

क्रम	जिला	अतिरिक्त वर्गखंड			नए विद्यालय			भवनहीन विद्यालय		
		लक्षित	पूर्ण	कुल	लक्षित	पूर्ण	कुल	लक्षित	पूर्ण	कुल
१.	अहमदाबाद	१५८	१५४	१	१५	११	१	२०	१२	८
२.	अहमदाबाद कोर्पोरेशन	१३९	६१	-	८	-	-	-	-	-
३.	अमरेली	१५२	१०१	३४	-	-	-	४	४	-
४.	आणंद	१३०	९६	२७	११	४	७	२४	१६	८
५.	बनासकांठा	२५६	२१३	२३	२९	२०	९	१०	४	६
६.	भरुच	१४७	१०४	३६	१८	६	१२	९	२	७
७.	भावनगर	८७	६२	१३	-	-	-	-	-	-
८.	दाहोद	१४३	१२८	८	२५	२५	-	-	-	-
९.	डांग	४१	२७	११	-	-	-	२	२	-
१०.	गांधीनगर	२४	१९	१	३०	१४	४	८	६	२
११.	जामनगर	१२८	७२	१७	-	-	-	२४	१	-
१२.	जूनागढ	१८	८	७	-	-	-	-	-	-
१३.	खेडा	१७८	१२८	२५	५	३	१	८	६	२
१४.	कच्छ	५२	३१	-	-	-	-	-	-	-
१५.	महेसाणा	१०६	८१	-	४५	३३	७	११	१०	-
१६.	नर्मदा	५१	४१	-	१०	५	-	९	६	-
१७.	नवसारी	१४१	९६	१	६	३	-	३	३	-
१८.	पंचमहाल	८१	५६	२५	३८	१४	२४	६४	६१	२
१९.	पाटण	१०१	७९	१	६	४	२	२५	७	१८
२०.	पोरबंदर	३५	३१	-	८	३	-	-	-	-
२१.	राजकोट	२०७	१६०	२	३७	२०	१७	२३	१८	५
२२.	राजकोट कोर्पोरेशन	३६	-	२०	-	-	-	५	-	-
२३.	साबरकांठा	१४५	९८	३४	-	-	-	-	-	-
२४.	सुरत	१२६	१२६	-	११	११	-	१८	१८	-
२५.	सुरत कोर्पोरेशन	४३	-	-	१७	-	-	-	-	-
२६.	सुरेन्द्रनगर	२०	-	२०	-	-	-	-	-	-
२७.	वडोदरा	२२८	१३२	-	११	३	-	६०	४९	१०
२८.	वडोदरा कोर्पोरेशन	३१	३	१७	-	-	-	-	-	-
२९.	वलसाड	११३	३१	१	९	५	-	१२	१२	-
	कुल	३२१५	२२४६	३२४	३४१	१८४	८४	३३१	२३७	६८

११.३ एसएसए में पीने के पानी की सुविधाएं, शौचालय और कम्पाउन्ड वॉल

एसएसए के तहत परियोजना जिलो में पीने के पानी की सुविधाओं तथा शौचालय संकुलों का निर्माण शुरु किया गया है । २२७६ जगहों पर पीने के पानी की सुविधाओंका

निर्माण पूर्ण हो चुका है जबकि १४११ स्कूलों में कार्य जारी हैं। एसएसए में कुल १५६२ शौचालय संकुलों का निर्माण पूर्ण हो चुका है जबकि १८८३ का कार्य जारी हैं। कम्पाउन्ड वॉल का निर्माण ३४ विद्यालयों में पूर्ण हो चुका है, जबकि ६ में कार्य जारी हैं।

एसएसए में पीने के पानी और शौचालय की सुविधा।

क्रम	जिला	पीने के पानी की सुविधा			शौचालय			कम्पाउन्ड वॉल		
		लक्षित	प्रगति में	पूर्ण	लक्षित	प्रगति में	पूर्ण	लक्षित	प्रगति में	पूर्ण
१.	अहमदाबाद	१४९	८७	५४	१४८	१४३	-	-	-	-
२.	अहमदाबाद कोर्पो.	४८	-	-	४७	-	-	-	-	-
३.	अमरेली	१८०	७१	१०४	७८	३०	४५	४०	६	३४
४.	आणंद	२२२	३८	१८४	१२४	१२४	-	-	-	-
५.	बनासकांठा	११५	५९	५०	१३७	४४	६२	-	-	-
६.	भरुच	१०८	७	१०१	१०८	९	१०१	-	-	-
७.	भावनगर	६०	२१	३३	१२४	२७	६५	-	-	-
८.	दाहोद	१३०	९३	-	२५३	४७	-	-	-	-
९.	डांग	६२	१३	४६	११६	११	५८	-	-	-
१०.	गांधीनगर	२४१	५७	१६६	२४१	२१	१९९	-	-	-
११.	जामनगर	५५	-	५०	१६०	१	५४	-	-	-
१२.	जूनागढ	१३३	४४	८८	११४	३७	५८	-	-	-
१३.	खेडा	३५१	१०९	२३५	२५१	६८	१६९	-	-	-
१४.	कच्छ	७३	२४	३४	११२	४१	३६	-	-	-
१५.	महेसाणा	२१४	१२८	६६	२२३	१०६	१०८	-	-	-
१६.	नर्मदा	१८३	६८	६३	२८४	२६९	-	-	-	-
१७.	नवसारी	२००	१४९	९९	२००	२००	-	-	-	-
१८.	पंचमहाल	२०६	७०	१३६	२१३	४६	६७	-	-	-
१९.	पाटण	७५	-	७५	१००	२५	७५	-	-	-
२०.	पोरबंदर	६८	२४	४२	८१	२७	४	-	-	-
२१.	राजकोट	२४६	३२	२०७	२४७	३६	२०४	-	-	-
२२.	राजकोट कोर्पो.	४	-	-	४	-	-	-	-	-
२३.	साबरकांठा	१५०	४५	१००	२१४	४३	६६	-	-	-
२४.	सुरत	२५०	१२१	१२७	२५२	२५१	-	-	-	-
२५.	सुरत कोर्पो.	१२	-	-	१२	-	-	-	-	-
२६.	सुरेन्द्रनगर	७६	१२	६४	१५७	१७	७४	-	-	-
२७.	वडोदरा	२२४	१०७	११४	२३३	२२४	-	-	-	-
२८.	वडोदरा कोर्पो.	५	१	-	५	३	-	-	-	-
२९.	वलसाड	१४९	३१	११८	१५०	३३	११७	-	-	-
	कुल	३९८९	१४११	२२७६	४५४८	१८८३	१५६२	४०	६	३४

११.३.१ एसएसए में बीआरसी भवन, सीआरसी भवन और हेड मास्टर्स रुम का निर्माण

एसएसए के तहत परियोजना जिलोमें बीआरसी तथा सीआरसी भवनों का निर्माण शुरु किया गया है। ६ बीआरसी भवनोंका निर्माण पूर्ण हो चुका है, जबकि ८३ में कार्य प्रगतिमें है। ६९ सीआरसी भवनोंका निर्माण पूर्ण हो चुका है, जबकि ३३९ में कार्य प्रगतिमें है। ४ हेड मास्टर्स रुम का निर्माण पूर्ण हो चुका है जबकि, ९३ में कार्य जारी है।

क्रम	जिला	बीआरसी भवन			सीआरसी भवन			हेडमास्टर्स रुम		
		[illegible]	प्रगतिमें	पूर्ण	[illegible]	प्रगतिमें	पूर्ण	[illegible]	प्रगतिमें	पूर्ण
१.	अहमदाबाद	१०	१०	-	७	७	-	-	-	-
२.	अहमदाबाद कोर्पोरेशन	-	-	-	१८	-	-	-	-	-
३.	अमरेली	९	५	-	३	३	-	-	-	-
४.	आणंद	८	५	-	१४	१२	-	२४	२०	४
५.	बनासकांठा	३	-	-	५२	२७	२०	-	-	-
६.	भरुच	८	६	१	७	६	१	-	-	-
७.	भावनगर	-	-	-	१६	७	५	-	-	-
८.	दाहोद	३	-	-	१७	१५	२	-	-	-
९.	डांग	-	-	-	२०	११	९	-	-	-
१०.	गांधीनगर	४	४	-	-	-	-	-	-	-
११.	जामनगर	-	-	-	३५	२४	१०	-	-	-
१२.	जूनागढ	१	-	-	१५	१०	३	-	-	-
१३.	खेडा	१०	६	-	१२	११	-	५२	४६	-
१४.	कच्छ	-	-	-	१३	६	१	-	-	-
१५.	महेसाणा	९	७	-	१३	११	-	-	-	-
१६.	नर्मदा	४	४	-	१०	९	-	-	-	-
१७.	नवसारी	५	३	-	१७	१०	-	-	-	-
१८.	पंचमहाल	४	-	-	२६	१९	७	-	-	-
१९.	पाटण	५	३	-	१२	१२	-	-	-	-
२०.	पोरबंदर	-	-	-	११	८	१	-	-	-
२१.	राजकोट	१४	७	५	३३	३०	१	-	-	-
२२.	राजकोट कोर्पोरेशन	-	-	-	३	-	-	२८	२७	-
२३.	साबरकांठा	-	-	-	४१	३०	४	-	-	-
२४.	सुरत	१४	१२	-	३६	३४	-	-	-	-
२५.	सुरत कोर्पोरेशन	-	-	-	६	-	-	-	-	-
२६.	सुरेन्द्रनगर	-	-	-	१०	५	५	-	-	-
२७.	वडोदरा	१२	७	-	२५	२२	-	-	-	-
२८.	वडोदरा कोर्पोरेशन	-	-	-	२	१	-	-	-	-
२९.	वलसाड	५	४	-	१०	९	-	-	-	-
	कुल	१२८	८३	६	४८२	३३९	६९	१०४	९३	४

११.४ जी.सी.ई.आर.टी. भवन का निर्माण

गुजरात काउन्सील ओफ एज्युकेशन, रिसर्च अेन्ड ट्रेनींग (जी.सी.ई.आर.टी) के भवन का निर्माण अंतिम चरण में है। इसे डिस्ट्रीकट प्राथमरी एज्युकेशन प्रोग्राम के तहत निर्मित किया जा रहा है । इस संकुल में डायट के लिये भी अलग भवन का प्रावधान है । जी.सी.ई.आर.टी. - डायट भवन संकुल की संरचना भूकंप अवरोधक होगी, जिसमें अध्यापन विद्या के संशोधन एवं प्रशिक्षण के लिये विडीयो कोन्फरन्सींग सहित अत्याधुनिक सुविधाएं प्रदान की जायेंगी । इसके निर्माण की कुल लागत रु. ३.५० करोड आंकी गयी है ।

प्रकरण - १२

वित्त और लेखा

१२.० ओडिट एन्ड एकाउन्ट्स

वर्ल्ड बेंक के साथ हुए करार के मुताबिक, राज्य अमलीकरण संस्थान द्वारा स्वतंत्र हिसाब निभाया जाता है, जिसके आखरीकृत अहेवालों को वर्ल्ड बेंक द्वारा मान्यता प्राप्त ओडीटर द्वारा अन्वेषित किया जाता है, जिसे ओडीट किये गये हिसाबों के साथ वर्ल्ड बेंक को भेजा जाता है । वर्ष १९९७-९८, १९९८-९९, १९९९-२०००, २०००-२००१, २००१-२००२ तथा २००२-२००३ के अहेवाल वर्ल्ड बेंक को निश्चित समयावधि में भेजे जा चुके हैं । इन वर्षो के वार्षिक अहेवालों को भारत सरकार को भेजा जा चुका है ।

१२.१ डीपीइपी २ में खर्च

वर्ष २००३ - ०४ के लिये कुल रु. १९००.०० लाख का बजेट मंजुर हुआ था, जब कि परियोजना जिलों बनासकांठा, पंचमहाल और डांग में विविध प्रवृत्तिओं के लिये कुल रु. १९१६.८२ लाख खर्च किये गये है। इस प्रकार बजेट की तुलना में कुल खर्च १०१ प्रतिशत हुआ है, जिसका विवरण नीचे दिया है:

क्रम	महिना	खर्च (रु. लाखमे.)
१	अप्रैल - २००३	१०८.३१
२	मे - २००३	३३२.८८
३	जून- २००३	८७२.२४
४	जुलाई - २००३	४६३.९८
५	अगस्त- २००३	१३८.२७
६	सितम्बर - २००३	१.१४
	कुल (अप्रैल ०३- सितम्बर ०३)	१९१६.८२

(सप्टेम्बर २००३ में डीपीइपी २ का हिसाब पूर्ण हुआ)

१२.२ डीपीइपी २ में धनराशि वितरण

वर्ष २००३-०४ के दौरान डीपीइपी २ के जिलों बनासकांठा, पंचमहाल और डांग में कुल रु. १६५५.४८ लाख के री-ईम्बर्समेन्ट दावों की आपुर्ति की गयी, जिसका माहवार विवरण नीचे दिया है :

क्रम	महिना	खर्च (रु. लाखमे.)
१	अप्रैल - २००३	४०.२१
२	मे - २००३	७६.२०
३	जुन- २००३	९९.५२
४	जुलाई - २००३	११५.७१
५	अगस्त- २००३	९४६.६७
६	सितम्बर - २००३	१५३.६०
७	अक्तुबर - २००३	५६.९३
८	नवेम्बर - २००३	११५.७०
९	डिसेम्बर - २००३	१०३.७२
१०	जान्युआरी - २००४	१२०.४०
११	फेब्रुआरी - २००४	३०.९३
१२	मार्च - २००४	२५१.९०
	कुल	२१०९.४९

डीपीइपी २: प्रारंभ से अबतक की प्रति वर्ष कार्यसिद्धि

(रु. लाखमें.)

क्रम	वर्ष	बजट	खर्च	% कार्यसिद्धि
१	१९९६-१९९७	९३७.२५	१९२.३७	२०.५२
२	१९९७-१९९८	१८०५.६०	१०३४.३०	५७.२८
३	१९९८-१९९९	२२१४.९१	१७६६.८८	७९.७७
४	१९९९-२०००	२८६५.३९	२५४७.६९	८८.९१
५	२०००-२००१	३३५२.३७	२४५४.२९	७३.२१
६	२००१-२००२	२६६१.५३	१६९८.६२	६३.८२
७	२००२-२००३	२२६०.८३	१६३५.७७	७२.३५
८	२००३-२००४	१९००.००	१८६०.०८	९७.९०

डीपीइपी २ (रु. लाखमे.)

वर्ष	प्राप्त धनराशि		
	जीओआई	जीओजी	कुल
१९९६-९७	५१८.६७	०.००	५१८.६७
१९९७९८	१०५६.००	४५०.००	१५०६.००
१९९८९९	१०००.००	४५०.००	१४५०.००
१९९९-२०००	२०००.००	२००.००	२२००.००
२०००-२००१	२४००.००	२००.००	२६००.००
२००१-२००२	७००.००	१३५.००	८३५.००
२००२-२००३	२४६८.००	३१९.००	२७८७.००
२००३-२००४	१२१५.४७	-	१२१५.४७
कुल	११३५८.१४	१७५४.००	१३११२.१४

डीपीइपी ४ (रु. लाखमे.)

वर्ष	बजट	प्राप्त धनराशि			खर्च
		जीओआई	जीओजी	कुल	
२००१-२००२	१८०५.८६	८००.००	२९२.५०	१०९२.५०	३४८.९०
२००२-२००३	३३१७.८८	२२००.००	२४७.५०	२४४७.५०	१२४२.५९
२००३-२००४	३७८४.१०	१६७३.३१	३१९.००	१९९२.३१	२२५९.४४

१२.६ एसएसए में आर्थिक कार्यवाही

गुजरात में सर्व शिक्षा अभियान कार्यक्रम के अंतर्गत वर्ष २००३ - ०४ के लिये कुल रु. २२७.७४ करोड का बजेट मंजुर हुआ था, जबकि परियोजना जिलों में विविध प्रवृत्तिओं के लिये कुल रु. १४३.११ करोड खर्च किये गये हैं। धनराशि की मुक्ति एवं प्राप्ति की स्थिति सरल रही, जिसके अंतर्गत भारत सरकार द्वारा रु.११५.२५ करोड तथा गुजरात सरकार द्वारा रु. २१.५८ करोड प्राप्त हुए, जिसके कारण एन्युअल वर्क प्लान और बजेटके कार्यक्रमो के मुताबिक असरदार अमलीकरण में सुगमता हुई।

(रु. करोडमें.)

वर्ष	बजट	प्राप्त धनराशि			खर्च
		जीओआई	जीओजी	कुल	
२००१-२००२	३७.९८	१७.६६	३.११	२०.७७	१४.६१
२००२-२००३	१२९.५८	९८.७२	२२.५०	१२१.२२	९६.५२
२००३-२००४	२२७.७४	१९५.२५	२१.५८	१३६.८३	१४३.११
	३९५.३०	२३१.६३	४७.१९	२७८.८२	२५४.२४

१२.७ एनपीइजीइएल

गुजरात में एनपीइजीइएल का प्रारंभ ओकटोबर २००३ में किया गया । मात्र ५ महिनों की छोटी समयावधि में ही परियोजना की मजबुत बुनियाद डालने की दिशा में खासी प्रगति हुइ है। वर्ष २००३ - ०४ में मंजुर कुल बजेट रु. ७१८.५१ लाख के मुकाबले में रु. ४०६.२६ लाख का खर्च विवध प्रवृत्तिओं के लिये गुजरात में किया गया, जिसका ब्यौरा नीचे दिया गया है :

(रु. लाखमे.)

वर्ष	बजेट	प्राप्त धनराशि			खर्च
		जीओआई	जीओजी	कुल	
२००३-२००४	७१८.५१	१३४.७२	-	१३४.७२	४०६.२६

Percentage of Disbursement to Budget

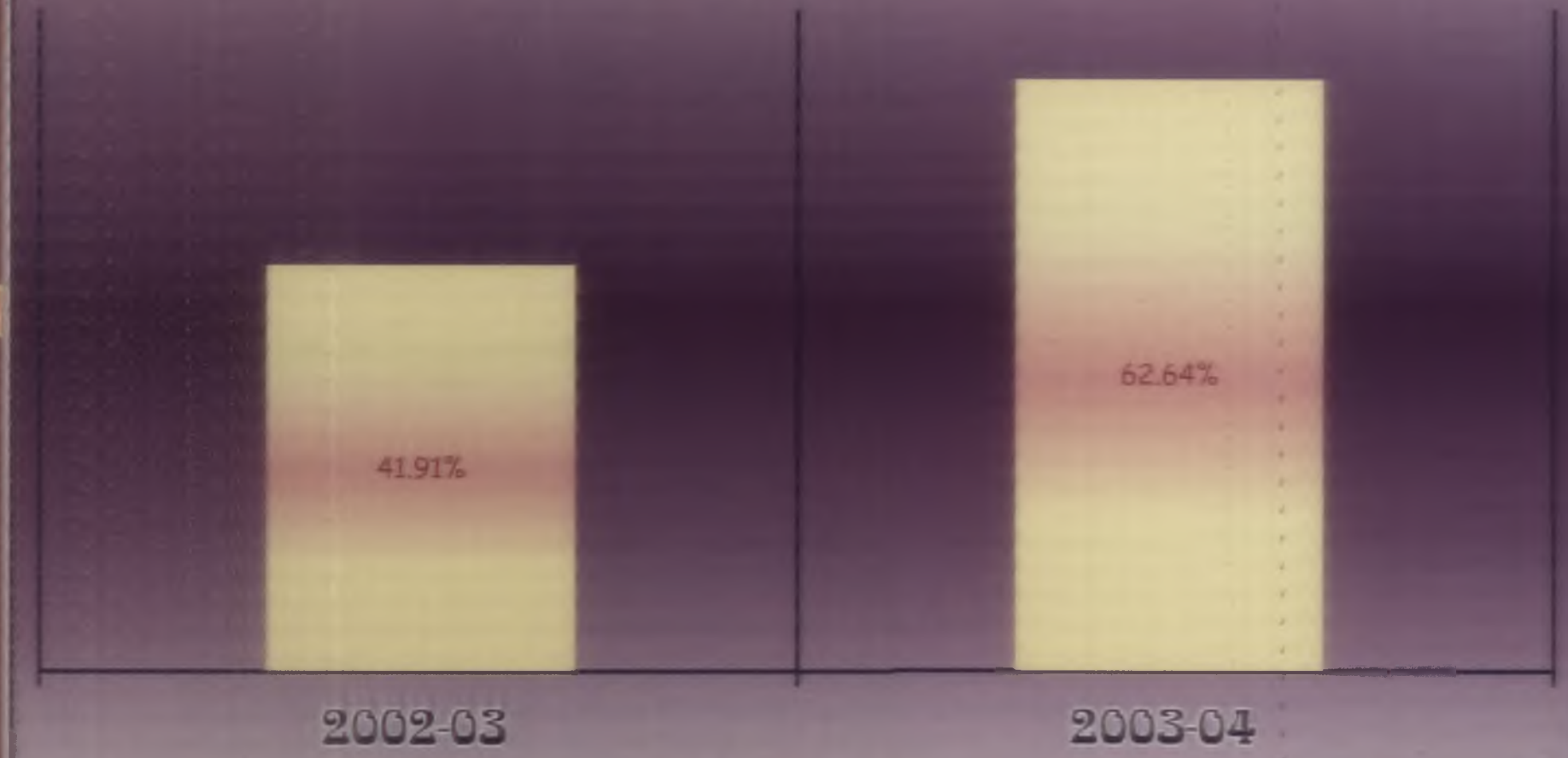

GRANT SPENDING ON VARIOUS KEY ACTIVITIES

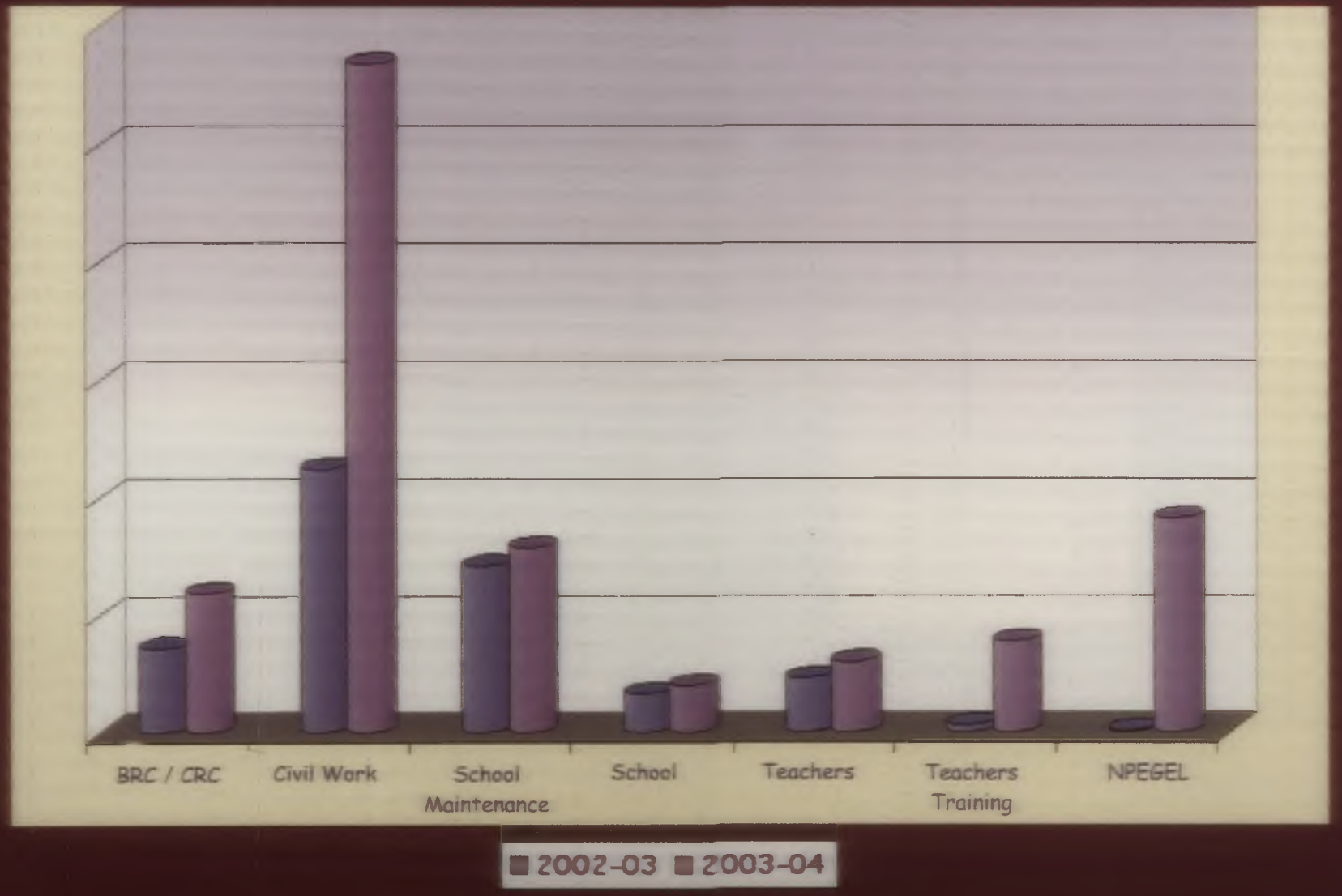

Activity % of Grant Disbursement Increase over Previous Year 2002-03

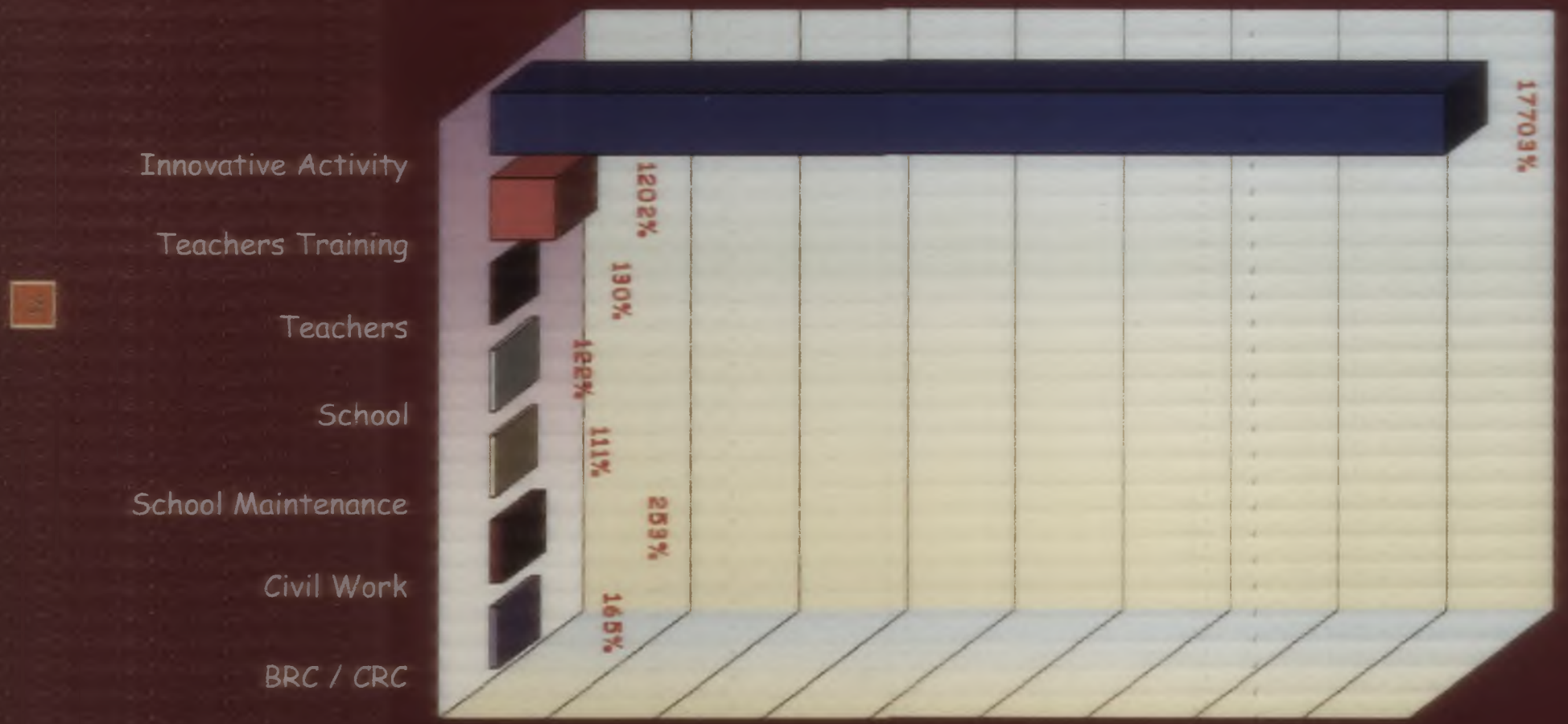

SSA & NPEGEL GRANTS

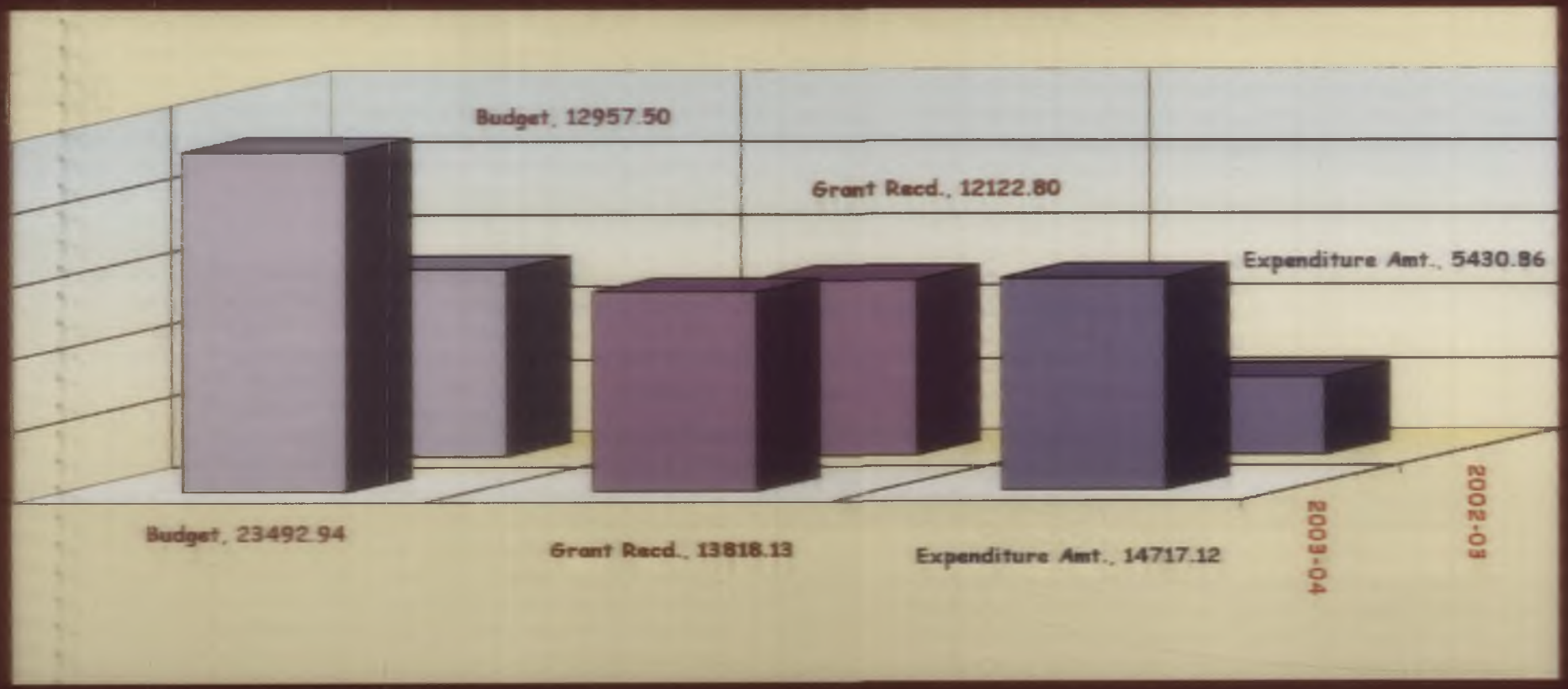

GUJARAT COUNCIL OF PRIMARY EDUCATION

AUDITOR'S REPORT

NAME OF THE TRUST	**GUJARAT COUNCIL OF PRIMARY EDUCATION**	
REGISTRATION NUMBER	***Society***	**GUJ/461/Gandhinagar**
	Public Trust	**F/421/Gandhinagar**

We have audited the accounts of the above named Trust for the year ended 31.03.2004 and beg to report that :

1 The accounts are maintained regularly and in accordance with the provisions of the Act and the Rules.

2 Receipts and disbursements are properly and correctly shown in the accounts.

3 The Cash balance and vouchers were in the custody of the Officer in Charge on the date of the audit and are in the agreement with accounts.

4 Books, Deeds, Accounts, vouchers and other documents and records required by us were produced before us.

5 An inventory certified by the Officer in Charge of movables of the Trust has been maintained.

6 The Officer in Charge appeared before us and furnished the necessary information required by us.

7 No property or funds of the Trust were applied for any object or purpose other than the objects or purposes of Trust.

8 The amount outstanding for more than one year are Rs. Nil, except the Receivable & Payables under various Project Programs and the amount written off is Rs. Nil.

9 Tender were not invited for repairs of construction as the expenditure involved did exceed Rs. 5,000/-.

10 No money of the public trust has been invested contrary to the provisions of Section 35.

11 No alienations of immovable property has been made contrary to the provisions Section 36.

We have further to report that :

The financial statements attached herewith are the responsibility of the management. Our responsibility is to express an opinion on these financial statements based on our audit.

We have conducted our audit in accordance with auditing standards generally accepted in India. Those Standards required that we plan and perform the audit to obtain reasonable assurance about whether the financial statements are free of material misstatement. An audit includes examining, on a test basis, evidence supporting the amounts and disclosures in the financial statements. An audit also includes assessing the accounting principles used and significant estimates made by management, as well as evaluating the overall financial statement.

For and on behalf of
Ganesh Nadar & Co.,
Chartered Accountants

GANESH NADAR & CO. AHMEDABAD M. No. 100456 CHARTERED ACCOUNTANTS

(Ganesh Nadar)
Proprietor M.No. 100456

Place : Ahmedabad.
Date : 29.12.2004

GUJARAT COUNCIL OF PRIMARY EDUCATION

BALANCE SHEET

AS AT 31.03.2004

SOURCES		Amount Rs.	APPLICATIONS		Amount Rs.
PAYABLES			**BANK & CASH BALANCES**		
N P E G E L Program	13474000		*Balance with Bank*	75497087	
SSA EARTHQUAKE Program	180000000		*Cash on Hand*	0	**75497087**
SSA REGULAR Program	329727000				
Allocable Bank Interest	1896087	**525097087**	**RECEIVABLES**		
			DPEP II Program	43200000	
			DPEP IV (State Aided) Program	50000000	
			G S D M A Program	5000000	
			N E Q Progam	351400000	449600000
TOTAL		**525097087**	**TOTAL**		**525097087**

NOTES TO ACCOUNTS AS PER ANNEXURE I ATTACHED HEREWITH

As per our Audit Report of even date
For Ganesh Nadar & Co.,
Chartered Accountants

S.D.SOLANKI
Finance and Accounts Officer

MEENA BHATT
State Project Director
Gujarat Council of Primary Education
Gandhinagar

Place : Gandhinagar
Date : 27.12.2004

(Ganesh Nadar)
Proprietor M.No. 100456

Place : Ahmedabad
Date : 29.12.2004

THE BOMBAY PUBLIC TRUST ACT, 1950

Schedule IXC (vide Rule 32)

Statement of income liable to contribution for the year ending on 31.03.2004.

Name of the Public Trust — *Gujarat Council of Primary Education*

Registration No. — *GUJ/461/Gandhinagar*

	Amount (Rs.)	Amount (Rs.)
Gross Annual Income		Nil
Details of Income not chargable to contribution under section 58 Rule 32		
1 Donations received during the year from any source		
2 Grants by government and local authorities		
3 Interest on sinking or depreciation fund		
4 Amount spend for the purpose of Education		
5 Amount spend for the purpose of Medical Relief		
6 Deduction out of income from Lands used for agricultural purposes		
a. Land revenue and local fund / cess b. Rent payable to superior land lord c. Cost of production, if lands are cultivated by Trust		
7 Deductions out of income from lands used for non agricultural purpose		
a. Assessement, Cessess and other government or municiple taxes b. Ground rent payable to the superior landlord c. Insurance premium d. Reparis at 8 1/3 % of gross rents of buildings e. Cost of collection at 4 % of gross rent of buildings let out		
8 Cost of collection of income or receipts from securties stocks, etc at 1 % of such Income		
9 Deductions on account of repairs in respect of buildings not rented and yielding no income 8.1/3 % of the estimated gross annual rent.		
Income liable to contribution		Nil

For and on behalf of
Ganesh Nadar & Co.,
Chartered Accountants

(Ganesh Nadar)
Proprietor M.No. 100456

Place : Ahmedabad
Date : 29.12.2004

ANNEXURE "I" NOTES FORMING PART OF ACCOUNTS

a. The Financial Statements have been prepared under the historical cost convention on an accrual basis.

b. All the relevant accounting has been done in accordance with the sound accounting principles.

c. The Society during the current year has received Grants from Government of India and Gujarat Government under various Projects and has disbursed the same towards implementing Primary Education Projects in Gujarat.

d. The Society has accounting policy of allocating interest earned from banks of the Society to various Project Programs in the next financial year end; on confirmation of the allocable interest to different live project in the next financial year end.

e. The balances of amount in payables and receivables are as per books of accounts and subject to confirmation from the respective parties.

f. The Society's nature of activities is such that it's income, if any, is exempted under section 23C(iiiab) of the Income Tax Act, 1961. During the current year the Society has neither income nor expenditure, hence Income & Expenditure Account has not been prepared.

g. During the year under review there are no pending claims crystallized and payable by the Society or under any Project Programme under taken for implementation.

h. Figures have been rounded to nearest rupee

S.D. Solanki
Finance & Accounts Officer
Gujarat Council of Primary Education
Gandhinagar

Place : Gandhinagar
Date : 27.12.2004

Meena Bhatt
State Project Director
Gujarat Council of Primary Education
Gandhinagar

Place : Gandhinagar
Date : 27.12.2004

For Ganesh Nadar & Co
Chartered Accountants

GANESH NADAR & CO. AHMEDABAD M. No. 100456 CHARTERED ACCOUNTANTS

(Ganesh Nadar)
Proprietor M.No. 100456

Place : Ahmedabad
Date : 29.12.2004

GANESH NADAR & CO

Chartered Accountant

AUDITOR'S REPORT

We have audited the attached Consolidated Annual Financial Statement, Consolidated Balance Sheet of SARVA SHIKSHA ABHIYAN, as at 31st March 2004 and also annexed Consolidated Income and Expenditure Account and Consolidated Receipt and Payment Account for the year ended on that date. These financial statements are the responsibility of the management. Our responsibility is to express an opinion on these financial statements based on our audit.

We have conducted our audit in accordance with auditing standards generally accepted in India. Those Standards required that we plan and perform the audit to obtain reasonable assurance about whether the financial statements are free of material misstatement. An audit includes examining, on a test basis, evidence supporting the amounts and disclosures in the financial statements. An audit also includes assessing the accounting principles used and significant estimates made by management, as well as evaluating the overall financial statement.

We report that :-

a. The Grant Receipts and Disbursements have been properly and correctly shown in the books of accounts.

b. The cash balance, if any, and vouchers were in the custody of the Officer In-charge of the respective offices on the date of our audit. The cash balance, if any, at the year end has not been physically verified by us.

c. The Assets and Stock register is under preparation and we have not conducted physical verification of the same in the year under our report.

d. The balances of amount payables and receivables are as per books of accounts and subject to confirmation from the respective parties.

e. Books, deeds, accounts, vouchers and other documents and records required by us were produced before us for our audit.

f. It has been observed during the course of our audit that no fund has been applied for any object or purpose other than the object or purpose approved by the State Project Director.

g. The Books of Accounts of all Sarva Shiksha Abhiyan Districts / Municipal Corporations have been consolidated at State Project Office, Gandhinagar.

For Ganesh Nadar & Co
Chartered Accountants

GANESH NADAR & CO. AHMEDABAD M. No. 100456 CHARTERED ACCOUNTANTS

(Ganesh Nadar)
Proprietor M.No. 100456

Place : Ahmedabad
Date : 18.11.2004

"SIDDHI VINAYAK", 55, Kalpataru Society, Naranpura, Ahmedabad (Gujarat) 380013
Phone : 079 - 27473140 Email id ganeshtn@hotmail.com

CONSOLIDATED BALANCE SHEET AS ON 31st March, 2004

SARVA SHIKSHA ABHIYAN, Gujarat State

LIABLITIES	Schedule	Amount Rs.	ASSETS	Schedule	Amount Rs.
Capital Fund			**Fixed Assets**		
Opening Balance		308807642	Civil Works		0
Funds recd. From Govt. of India			Vehicle		0
(a) SSA		1152541000	Equipements		0
(b) NPEGEL		13472000	**Deposites**		
Funds recd. From State Govt.			(a) Fixed Deposits with Banks		0
(a) SSA		215800000	(b) Deposits with Others		0
(b) NPEGEL		0	**Advances Receivable From**		
Interest			DEP Project		496375
(a) SSA		14685904	DIET Waghai		1500000
(b) NPEGEL		0	DPEP Project		357025
Others		169100	GCPE		311495000
Balances at Districts			GCPE (NEQ)		2500000
(a) Funds Refunded		6809979	NCERT		99000
(b) Undisbursed Grant		425558132	State Aided Projects		2500000
		2137843757	DPEP II Projects		194837544
Less :			SSA Preprojects		7915328
Funds for Utilisation		1471711861	**Advance for Expenses**		
			(a) Advance for Management Exps		1453901
Closing Balance		666131896	**Balances at Districts**		
			(a) Cash at Bank		700935114
Advances Repayable			(b) Cash in Hand		95686
Payable to DPEOs		5605	(c) Advances Outstanding		51000
Payable to Others		18582794	(d) Receivable From Districts		
Payable to District Panchayat		6189901	**Closing Balance at SPO**		
Staff Deduction Payables		19336	(a) Cash at Bank		74429514
DPEP IV Project		57065172	(b) Cash in Hand		14462
NEQ Project		364867816			
RM Account		1268766			
SSA Earthquake Project		177113200			
SSA Preparatory Project		7426741			
Wrong Bank Entries Pending Adj		8722			
Total		**1298679949**	**Total**		**1298679949**

NOTES TO ACCOUNTS AS PER ANNEXURE I ATTACHED HEREWITH

As per our Audit Report of even date
For Ganesh Nadar & Co.,
Chartered Accountants

S.D.SOLANKI
Finance and Accounts Officer
Sarva Shiksha Abhiyan, Gujarat
State Project Office

Place : Gandhinagar
Date : 18.11.2004

MEENA BHATT
State Project Director
Sarva Shiksha Abhiyan, Gujarat
State Project Office

GANESH NADAR & CO. AHMEDABAD M. No. 100456 CHARTERED ACCOUNTANTS

(Ganesh Nadar)
Proprietor M.No. 100456

Place : Ahmedabad
Date : 18.11.2004

CONSOLIDATED ANNUAL FINANCIAL STATEMENT FOR THE YEAR ENDED 31st March, 2004

SARVA SHIKSHA ABHIYAN, Gujarat State

SOURCE & APPLICATION

	SOURCE (RECEIPTS)	SSA	NPEGEL	TOTAL
	Opening Balance			
(a)	Cash in hand	36023	0	36023
(b)	Cash at Bank	546144317	0	546144317
	Total	**546180340**	**0**	**546180340**
(a)	**Source (Receipt)**			0
(b)	Funds received from Government of India	1152541000	13472000	1166013000
(c)	Funds received from State Government	215800000	0	215800000
(d)	Interest	14685904	0	14685904
(e)	Others	306012294	0	306012294
	TOTAL RECEIPTS	**2235219538**	**13472000**	**2248691538**

	APPLICATION (EXPENDITURE)	Approved AWP&B Including spill over	Expenditure Incurred	Savings
	Payments			
(a)	Teachers Salary	42705000	1620000	41085000
(b)	BRC	17919000	22389167	-4470167
(c)	CRC	97753000	97109939	643061
(d)	Civil Work	726125000	569505637	156619363
(e)	EGS / AIE	199690000	26030866	173659134
(f)	Free Text Book	0	0	0
(g)	Innovative Acitivities	162500000	182884938	20384938
(h)	IED	46246000	4869347	41376653
(i)	NPEGEL	71851050	40625988	31225063
(j)	School Maintenance Grant	157185000	158648935	-1463935
(k)	Management Cost	66970000	64905672	2064328
(l)	Research & Evaluation	46259000	12418335	33840665
(m)	School Grant	35454000	39891500	-4437500
(n)	Teacher Grant	56072000	60476482	-4404482
(o)	TLE	411010000	105804000	305206000
(p)	Teachers Trainning	190051000	77930322	112120678
(q)	Community Trainning	6804000	6594883	209117
(r)	SIEMAT	6200000	0	6200000
(s)	State Component	8500000	5852	8494148
(t)	Others	0	0	0
	Advance Outstanding		1504901	
	TOTAL EXPENDITURE	**2349294050**	**1473216762**	**876077288**
	Closing Balance		**775474776**	
(a)	Cash in hand		110148	
(b)	Cash at Bank		775364628	
	Total		**775474776**	

NOTES TO ACCOUNTS AS PER ANNEXURE I ATTACHED HEREWITH

As per our Audit Report of even date
For Ganesh Nadar & Co.,
Chartered Accountants

S.D.SOLANKI
Finance and Accounts Officer
Sarva Shiksha Abhiyan, Gujarat
State Project Office

Place : Gandhinagar
Date : 18.11.2004

MEENA BHATT
State Project Director
Sarva Shiksha Abhiyan, Gujarat
State Project Office

GANESH NADAR & CO. AHMEDABAD M. No. 100456 CHARTERED ACCOUNTANTS

(Ganesh Nadar)
Proprietor M.No. 100456

Place : Ahmedabad
Date : 18.11.2004

CONSOLIDATED INCOME AND EXPENDITURE ACCOUNT FOR THE YEAR ENDED 31st March, 2004

SARVA SHIKSHA ABHIYAN, Gujarat State

EXPENDITURE		Amount Rs.	INCOME	Amount Rs.
Expenditure at Districts and Sub districts level			**Funds recd. from Govt. of India**	
			(a) SSA	1152541000
			(b) NPEGEL	13472000
Teachers Salary		1620000	**Funds recd. from State Govt.**	
BRC		22389167	(a) SSA	215800000
CRC		97109939	(b) NPEGEL	0
Civil Work		569505637	**Interest**	
EGS/AIE		26030866	(a) SSA	14685904
Free Text Book		0	(b) NPEGEL	0
Innovative Activity		182884938	**Others**	169100
IED		4869347	**Balances at districts**	
NPEGEL		40625988	(a) Funds Refunded	6809979
School Maintenance Grant		158648935	(b) Undisbursed Grant	425558132
Management Cost		64905672		
Research & Evaluation		12418335		
School Grant		39891500		
Teachers Grant		60476482		
TLE		105804000		
Teachers Training		77930322		
Community Training		6594883		
State Component				
SIEMAT		0		
Management Cost		0		
Research & Evaluation		5852		
Others		0		
		1471711861		
Excess of Income over Expenditure		**357324254**		
Total		**1829036115**	**Total**	**1829036115**

NOTES TO ACCOUNTS AS PER ANNEXURE I ATTACHED HEREWITH

As per our Audit Report of even date
For Ganesh Nadar & Co.
Chartered Accountants

S.D.SOLANKI
Finance and Accounts Officer
Sarva Shiksha Abhiyan, Gujarat
State Project Office

Place : Gandhinagar
Date : 18.11.2004

MEENA BHATT
State Project Director
Sarva Shiksha Abhiyan, Gujarat
State Project Office

GANESH NADAR & CO. AHMEDABAD M. No. 100456 CHARTERED ACCOUNTANTS

(Ganesh Nadar)
Proprietor M No. 100456

Place : Ahmedabad
Date : 18.11.2004

CONSOLIDATED RECEIPT AND PAYMENTS ACCOUNT FOR THE YEAR ENDED 31st March, 2004

SARVA SHIKSHA ABHIYAN, Gujarat State

RECEIPTS	Amount Rs.	PAYMENTS	Amount Rs.
Opening Balance		**Amount paid to districts**	
(a) Cash at Bank	546144317	**and sub-districts level**	
(b) Cash in Hand	36023	**Expenditure at District**	
Funds recd. From Govt.of India		**and sub-districts level**	
(a) SSA	1152541000	Teachers Salary	1620000
(b) NPEGEL	13472000	BRC	22389167
Funds recd. From State Govt.		CRC	97109939
(a) SSA	215800000	Civil Work	569505637
(b) NPEGEL	0	EGS / AIE	26030866
Interest		Free Text Book	0
(a) SSA	14685904	Innovative Activities	182884938
(b) NPEGEL	0	IED	4869347
Miscellaneous Receipts	169100	NPEGEL	40625988
Funds refunded by Districts	6809979	School Maintenance	158648935
Increase in Amount Payable	295432614	Management Cost	64905672
Decrease in Amount Receivable	3600601	Research and Evaluation	12418335
		School Grant	39891500
		Teacher Grant	60476482
		TLE	105804000
		Teacher Training	77930322
		Community Training	6594883
		State Component	
		SIEMAT	
		Management Cost	0
		Research and Evaluation	5852
		Other	0
		Advances Outstanding	
		(a) State Level	1453901
		(b) District Level	51000
		(c) Sub-District Level	0
		Closing Balance	
		(a) Cash at Bank	775364628
		(b) Cash in Hand	110148
Total	**2248691538**	**Total**	**2248691538**

NOTES TO ACCOUNTS AS PER ANNEXURE I ATTACHED HEREWITH

S.D.SOLANKI
Finance and Accounts Officer
Sarva Shiksha Abhiyan, Gujarat
State Project Office

Place : Gandhinagar
Date : 18.11.2004

MEENA BHATT
State Project Director
Sarva Shiksha Abhiyan, Gujarat
State Project Office

As per our Audit Report of even date
For Ganesh Nadar & Co.,
Chartered Accountants

GANESH NADAR & CO. AHMEDABAD M. No. 100456 CHARTERED ACCOUNTANTS

(Ganesh Nadar)
Proprietor M.No. 100456

Place : Ahmedabad
Date : 18.11.2004

ANNEXURE "I" NOTES FORMING PART OF ACCOUNTS

Sarva Shiksha Abhiyan, Gujarat State

a. The Financial Statements have been prepared under the historical cost convention on an accrual basis.

b. The Financial Statement reflects the amount received from the State Project Office as Grant Receipts and its Disbursements. Any unutilized Grant shall be reversed and adjusted at its confirmation.

c. No fund has been applied for any object or purpose other than the object or purpose approved by the State Project Director.

d. During the year under review the State Project Office has started implementing the Manual on Financial Management and Procurement issued by Department of Elementary Education and Literacy, Ministry of Human Resources Development, Government of India and in that accordance the necessary changes are being incorporated. Previous years figures could not be complied, hence not reported.

e. The Register for Assets for the assets acquired wholly or substantially out of Government of India Grants and Stock Register separately for capital goods, consumables and non consumable articles is under preparation at various levels.

f. No separate Bank Account has been maintained for funds received and disbursed under NPEGEL Programme.

g. In terms of the Programme, Interest or any other income / receipts received have to be treated as Funds of the State implementing Society and in that accordance the same has been accounted.

h. The balances of amount in payables and receivables are as per books of accounts and subject to confirmation from the respective parties.

i. The books of accounts of all District Offices / Municipal Corporations are consolidated at State Project Office. Gandhinagar.

S.D. Solanki
Finance & Accounts Officer
Sarva Shiksha Abhiyan, Gujarat State
State Project Office
Gandhinagar

Place : Gandhinagar
Date : 18.11.2004

Meena Bhatt
State Project Director
State Project Office, Gujarat State
Gandhinagar

Place : Gandhinagar
Date : 18.11.2004

For Ganesh Nadar & Co
Chartered Accountants

GANESH NADAR & CO. AHMEDABAD M. No. 100456 CHARTERED ACCOUNTANTS

(Ganesh Nadar)
Proprietor M.No. 100456

Place : Ahmedabad
Date : 18.11.2004

GANESH NADAR & CO

Chartered Accountants

AUDITOR'S REPORT

We have audited the attached Balance Sheet of *DISTRICT PRIMARY EDUCATION PROGRAM IV – Kutch, Surendranagar & Sabarkantha Districts – External Aided*, as at 31st March 2004 and also annexed Income and Expenditure Account for the year ended on that date. These financial statements are the responsibility of the management. Our responsibility is to express an opinion on these financial statements based on our audit.

We have conducted our audit in accordance with auditing standards generally accepted in India. Those Standards required that we plan and perform the audit to obtain reasonable assurance about whether the financial statements are free of material misstatement. An audit includes examining, on a test basis, evidence supporting the amounts and disclosures in the financial statements. An audit also includes assessing the accounting principles used and significant estimates made by management, as well as evaluating the overall financial statement

We report that :-

a. Receipts and Payments have been properly and correctly shown in the books of accounts.

b. The cash balance and vouchers were in the custody of the Officer In-charge on the date of our audit.

c. We had physically verified the cash during the course of our audit and found the same tallying with the cash book.

d. The cash balance at the year end has not been physically verified by us. The Fixed assets register is under preparation and we have not conducted physical verification of the same in the year under our report.

e. The balances of Advances, Payables and Receivables are as per books of accounts and subject to confirmation from the respective parties.

f. Books, deeds, accounts, vouchers and other documents and records required by us were produced before us for our audit.

g. It has been observed during the course of our audit that no fund has been applied for any object or purpose other than the object or purpose approved by the State Project Director.

For Ganesh Nadar & Co
Chartered Accountants

GANESH NADAR & CO AHMEDABAD M. No. 100456 CHARTERED ACCOUNTANTS

(Ganesh Nadar)
Proprietor M.No. 100456

Place : Ahmedabad
Date : 10.12.2004

"SIDDHI VINAYAK", 55, Kalpataru Society, Naranpura, Ahmedabad (Gujarat) 380013
Phone : 079 - 27473140 Email id ganeshtn@hotmail.com

District Primary Education Programe IV - *Gujarat State*

[Kutch, Sabarkantha & Surendranagar Districts] - External Aided

BALANCE SHEET

AS AT 31.03.2004

SOURCES		Amount Rs.	APPLICATION		Amount Rs.
GRANT DETAILS			**BANK & CASH BALANCES** *[At State & District Level]*		
Unutilised Grant					
Opening Balance	197091613		Balance with Bank	90729635	90729635
Less :			**BALANCE WITH DISTRICTS**		
Balance B/f from Income & Expenditure Account	24636748	172454865	Kutch District	10432959	
			Surendranagar District	5321834	
PAYABLES *[At State & District Level]*			Sabarkantha District	9116072	24870865
			RECEIVABLES *[At State & District Level]*		
DPEP II	13433972				
Retention Money	2317836		GCPE Account	126750000	
NEQ Division	110902461		GCERT Gandhinagar	50000	
GSDMA	5000000		SSA Regular Account	57065172	
Perfomance Security	139340	131793609	State Aided Account	4782802	188647974
TOTAL		304248474	**TOTAL**		304248474

NOTES TO ACCOUNTS AS PER ANNEXURE II ATTACHED HEREWITH

For Ganesh Nadar & Co.,
Chartered Accountants

GANESH NADAR & CO. AHMEDABAD M. No. 100456 CHARTERED ACCOUNTANTS

S.D.SOLANKI
Finance and Accounts Officer

MEENA BHATT
State Project Director

District Primary Eduction Program IV
Kutch, Sabarkantha & Surendranagar District
State Project Office

Place : Gandhinagar
Date : 10.12.2004

(Ganesh Nadar)
Proprietor M.No. 100456

Place : Ahmedabad
Date : 10.12.2004

District Primary Education Programe IV - *Gujarat State*

[Kutch, Sabarkantha & Surendranagar Districts] - External Aided

INCOME AND EXPENDITURE ACCOUNT *For the period ending 31.03.2004.*

INCOME *(Receipts)*	*Amount Rs.*	EXPENDITURE *(Payments)* ANN		*Amount Rs.*
GRANT FOR UTILIZATION *[At State & District Level]* *Grant Recd During the Year*	199231000	GRANT DISBURSED I *[At State & District Level]*		
		Kutch District	62164460	
Bank Interest Earned	1479412	Sabarkantha District	94602324	
		Surendamagar District	65074094	
Tender Fees Earned	598125	SPO Office	4104407	225945285
Balance of Expenditure over Income Carried Forward to Balance Sheet	***24636748***			
TOTAL	**225945285**	**TOTAL**		**225945285**

NOTES TO ACCOUNTS AS PER ANNEXURE II ATTACHED HEREWITH

For Ganesh Nadar & Co.,
Chartered Accountants

GANESH NADAR & CO. AHMEDABAD M. No. 100456 CHARTERED ACCOUNTANTS

S.D.SOLANKI
Finance and Accounts Officer

MEENA BHATT
State Project Director

District Primary Eduction Program IV
Kutch, Saharkantha & Surendranagar District
State Project Office

Place : Gandhinagar
Date : 10.12.2004

(Ganesh Nadar)
Proprietor M.No. 100456

Place : Ahmedabad
Date : 10.12.2004

ANNEXURE I

GRANT DISBURSED	KUTCH DISTRICT	SURENDRANAGAR DISTRICT	SABARKANTHA DISTRICT	STATE PROJECT OFFICE	TOTAL
Als Alternative Schoolling	1070397	623569	554722	33774	2282462
ALS-I6 Multi Grade Teaching Module	87516	86207	114631		288354
ALS-T1 Trainning for MTs & RPs Kutch	15484	18871			34355
ALS-T Resource Per for Mob Tec Training	23672				23672
ALS-T5 Training for ALS Teachers	53808	108991			162799
ALS -T5 Training for Pre-Service (Blamitra)	66602				66602
Alemative Schooling Activities	1459052	4578000	3811962		9849014
Books & Periodicals	1108895	1063041	2148631		4320567
BRC Activities exp	1128773	1300000	2794236	4600	5227609
BRC B5 Equip & camera	39800	39800	51740		131340
BRC B7 TV, & DVD,			308953		308953
BRC B9 Training equipment DRS set	27600	48300	82800		158700
BRC C7 Construction of BRC Building	2432793	6446391	8381212		17260396
CIVIL Activities	26823387	24755134	2409824		53988345.32
Construction of CRC Building	950139				950139
CRC Activities	9802766	14289000	23321270		47413036
CRC C7 Construction of CRC Building	4571141		856792		5427933
DEP Activities	0	6000	931000		937000
ECE Acivities	114500	96000	126500		337000
Ece-Early Childhood Edu	4208	8514	7029		19751
Equipments	247656	247656	10000		505312
Furniture	1432752	751521	1647062		3831335
Gender Activities	366921				366921
IED Activities	123248	83000	98830		305078
IED Intergarted Education for Disabled Children	14649	14009	19169		47827
Management Activities	1047741	431063	529427	2439129	4447360
MED Activities	511499	404000	815835	1508920	3240254
Medi9 Printing, Poster	122740	122740	159562		405042
MET F2 Furniture	1575	27160			28735
MGTbp DRS Set for Kutch	34500		13800		48300
MGTF2 furntirure for Kutch	31040		27160		58200
Mgt Management	10800	10800	10800		32400
MGT O4 Consumable Office Exp	127558	103303	205517		436378
MIS Activities	121704	73600	135459		330763
New School Building	1144010	2694462	5224851		9063323
Other Equipments	232263	450014	441794		1124071
Other Activities	966624				966624
PFE Activities	635409	1353000	29379080	68184	31435673
PFE Primary Formal Education	5031	4284	52845		62160
P&M Planning & Management	6207	2664	14669	49800	73340
Triabal Education			54800		54800
VEC Activities	5200000	4197000	8901000		18298000
WED Activities		636000	959362		1595362
Total	62164460	65074094	94602324	4104407	**225945285.3**

ANNEXURE "II" NOTES FORMING PART OF ACCOUNTS

a. The Financial Statements have been prepared under the historical cost convention on an accrual basis.

b. The Books of Accounts have been maintained in accordance with the Project Agreement and reflects the Grant Received and Grant Utilized in a financial year. Any unutilsed Grant shall be reversed and adjusted at its confirmation.

c. All the relevant accounting has been done in accordance with the sound accounting principles.

d. No fund has been applied for any object or purpose other than the object or purpose of the Project Agreement or purpose approved by the State Project Director.

e. Grant received under this program are disbursed to each district for utilization, the balance undisbursed or unutilized amount at each district level are treated as Balance with respective district.

f. In terms of the Programme, Interest or any other income / receipts received have been treated as Funds of the Programme and in that accordance the same has been accounted.

g. Balances of Advances, Payables and Receivables are as per books of accounts and subject to confirmation from respective parties.

h. Grant received and utilized for acquisition or construction of moveable and immoveable assets at districts have been treated as Grant Disbursed at each district level in the year of disbursement.

i. Figures have been rounded to nearest rupee.

S.D. Solanki
Finance & Accounts Officer
District Primary Education Program IV
(Kutch, Surendranagar &
Sabarkantha Districts) External Aided
State Project Office

Meena Bhatt
State Project Director
District Primary Education Program IV
(Kutch, Surendranagar &
Sabarkantha Districts) External Aided
State Project Office

Place : Gandhinagar
Date : 10.12.2004

For Ganesh Nadar & Co
Chartered Accountants

GANESH NADAR & CO. AHMEDABAD M. No. 100456 CHARTERED ACCOUNTANTS

(Ganesh Nadar)
Proprietor M.No. 100456

Place : Ahmedabad
Date : 10.12.2004

GANESH NADAR & CO
Chartered Accountants

AUDITOR'S REPORT

We have audited the attached Balance Sheet of *DISTRICT PRIMARY EDUCATION PROGRAMME IV – Bhavnagar, Jamnagar & Junagadh Districts – State Aided*, as at 31st March 2004 and also annexed Income and Expenditure Account for the year ended on that date. These financial statements are the responsibility of the management. Our responsibility is to express an opinion on these financial statements based on our audit.

We have conducted our audit in accordance with auditing standards generally accepted in India. Those Standards required that we plan and perform the audit to obtain reasonable assurance about whether the financial statements are free of material misstatement. An audit includes examining, on a test basis, evidence supporting the amounts and disclosures in the financial statements. An audit also includes assessing the accounting principles used and significant estimates made by management, as well as evaluating the overall financial statement

We report that :-

a. Receipts and Payments have been properly and correctly shown in the books of accounts.

b. The cash balance and vouchers were in the custody of the Officer In-charge on the date of our audit.

c. We had physically verified the cash during the course of our audit and found the same tallying with the cash book

d. The cash balance at the year end has not been physically verified by us. The Fixed assets register is under preparation and we have not conducted physical verification of the same in the year under our report.

e. The balances of Advances, Payables and Receivables are as per books of accounts and subject to confirmation from the respective parties.

f. Books, deeds, accounts, vouchers and other documents and records required by us were produced before us for our audit

g. It has been observed during the course of our audit that no fund has been applied for any object or purpose other than the object or purpose approved by the State Project Director.

For Ganesh Nadar & Co
Chartered Accountants

GANESH NADAR & CO. AHMEDABAD M. No. 100456 CHARTERED ACCOUNTANTS

(Ganesh Nadar)
Proprietor M.No. 100456

Place : Ahmedabad
Date : 27.12.2004

"SIDDHI VINAYAK", 55, Kalpataru Society, Naranpura, Ahmedabad (Gujarat) 380013
Phone : 079 – 27473140 Email id ganeshtn@hotmail.com

District Primary Education Programme IV - *Gujarat State*

[Bhavnagar, Jamnagar & Junagadh Districts] - State Aided

BALANCE SHEET

AS AT 31.03.2004

SOURCES		*Amount Rs.*	APPLICATIONS		*Amount Rs.*
GRANT DETAILS			**BANK & CASH BALANCES**		
			[At State & District Level]		
Opening Balance	58133202				
Less :			Balance with Bank	1153412	
Balance Brought Forward from			Cash on Hand	0	**1153412**
Income and Expenditure A/c	132748302	**-74615100**			
PAYABLES			**BALANCES WITH DISTRICTS**		
[At State & District Level]					
			Bhavnagar District	5483838	
GCPE	50000000		Jamnagar District	3487560	
DPEP II	28903632		Junagadh District	3227424	**12198822**
DPEP External Aided	4782802				
Pending Adjustments	35065		**RECEIVABLES**		
Perfomance Security	76870		*[At State & District Level]*		
Retaintion Money	1530607				
SSA Earthquake	8490		Diet Waghai	2000000	
SSA Regular	2500000		NEQ Division	2859241	
Trauma Treatement	5000000	92837466	SSA Preparatory	10891	4870132
TOTAL		**18222366**	**TOTAL**		**18222366**

NOTES TO ACCOUNTS AS PER ANNEXURE II ATTACHED HEREWITH

S.D.SOLANKI
Finance and Accounts Officer

MEENA BHATT
State Project Director

District Primary Education Programme IV
Bhavnagar, Jamnagar & Junagadh Districts
State Project Office

Place : Gandhinagar
Date : 27.12.2004

As per our Audit Report of even date
For Ganesh Nadar & Co.,
Chartered Accountants

(Ganesh Nadar)
Proprietor M.No. 100456

Place : Ahmedabad
Date : 27.12.2004

District Primary Education Programme IV - *Gujarat State*

[Bhavnagar, Jamnagar & Junagadh Districts] - State Aided

INCOME AND EXPENDITURE ACCOUNT

For the period ending 31.03.2004

INCOME *(Receipts)*	*Amount Rs.*	**EXPENDITURE** *(Payments)* **ANN**		*Amount Rs.*
GRANT FOR UTILIZATION		GRANT DISBURSED I		
[Grant Received during the year]		*[At State & District Level]*		
[At State & District Level]	63100000			
		Bhavnagar District	58240946	
Bank Interest Earned	276488	Jamnagar District	56412901	
Tender Fees Earned	433400	Junagadh District	81904343	196558190
Balance of Expenditure over Income				
Carried Forward to Balance Sheet	**132748302**			
TOTAL	**196558190**	**TOTAL**		**196558190**

NOTES TO ACCOUNTS AS PER ANNEXURE II ATTACHED HEREWITH

As per our Audit Report of even date
For Ganesh Nadar & Co.,
Chartered Accountants

S.D.SOLANKI
Finance and Accounts Officer

MEENA BHATT
State Project Director
District Primary Education Programme IV
Bhavnagar, Jamnagar & Junagadh Districts
State Project Office

Place : Gandhinagar
Date : 27.12.2004

(Ganesh Nadar)
Proprietor M.No. 100456

GANESH NADAR & CO. AHMEDABAD M. No. 100456 CHARTERED ACCOUNTANTS

Place : Ahmedabad
Date : 27.12.2004

ANNEXURE I

FUNDS DISBURSED	BHAVNAGAR DISTRICT	JUNAGADH DISTRICT	JAMNAGAR DISTRICT	TOTAL
ALSI4 - Printing & Supply Booklet -	782888	982612	574884	2340384
ALSI6 Multi Grade Teaching Module	159246	45612	20664	225522
ALST5 Balmitra Trainning	68182	161606		229788
Alternative Schooling	2243997	3680410		5924407
Block Resource Activities			2223405	2223405
Books & Periodicals	495265	283309	252883	1031457
BRC-B1 Electric Supply & Maintainance		322365	373725	696090
BRC Activities	1625629	2180251		3805880
BRCB7 TV & DVD	285187	356484		641671
BRCC7 Construction of BRC Building	5858110	5848119	9170063	20876292
Cluster Resource Center			17604583	17604583
Civil Activity		28525598		28525598
CRC Activities	10777558	17435734		28213292
DEP Activities			13178	13178
DIEV1 DIET		7617		7617
Diet Activities		781046		781046
ECC Activities	510311		438878	949189
ECEB9 Early Child Care	14769	14103	11484	40356
Equipments	511766	394700	482451	1388917
Furniture	1273742	725074	1571290	3570106
IED Activities	50445	217544	57312	325301
IEDI4 Printing and Supply booklet	13074	47662	32329	93065
Management Activities	459862	745115	562983	1767960
Management Cost	128118	88600	29273	245991
MED Activities	150	24758	10017	34925
MGTB6 Photo copier	10000		20000	30000
MGTB9 DRS Set	76332	110400	69000	255732
MGTJ1 Local Consultant	21600	21600	21600	64800
MGTM1 Repairs and Maintenance equipments	40000	43240	46900	130140
MGTM1 Repairs and Maintenance Electricals	105830			105830
MIS Activities	156655	83274	151928	391857
MISO4 Consumables	51350	63200	43450	158000
New School Building	1961436	9431143	452019	11844598
PFEC1 Additional Classroom		1889758		1889758
PFE Activities			21611158	21611158
PFEW1 BRC CRC Training		75148	57371	132519
P&MT1 Training of Micro Planning		482		482
Primary Formal Education Activity		6816134		6816134
PFE Activities	29565704			29565704
PFEW1 Residential Work shop	38767			38767
Planning and Management	3410		5270	8680
P & M Activities	29999			29999
VEC Activities	160346	465116	393381	1018843
WDP Activities	761218	36529	111422	909169
Total	**58240946**	**81904343**	**56412901**	**196558190**

ANNEXURE "II" NOTES FORMING PART OF ACCOUNTS

a. The Financial Statements have been prepared under the historical cost convention on an accrual basis.

b. The Books of Accounts have been maintained in accordance with the Project Agreement and reflects the Grant Received and Grant Utilized in a financial year. Any unutilsed Grant shall be reversed and adjusted at its confirmation.

c. All the relevant accounting has been done in accordance with the sound accounting principles.

d. No fund has been applied for any object or purpose other than the object or purpose of the Project Agreement or purpose approved by the State Project Director.

e. Grant received under this program are disbursed to each district for utilization, the balance undisbursed or unutilized amount at each district level are treated as Balance with respective district.

f. In terms of the Programme, Interest or any other income / receipts received have been treated as Funds of the Programme and in that accordance the same has been accounted.

g. Balances of Advances, Payables and Receivables are as per books of accounts and subject to confirmation from respective parties.

h. Grant received and utilized for acquisition or construction of moveable and immoveable assets at districts have been treated as Grant Disbursed at each district level in the year of disbursement

i. The project office has complied with all the relevant business laws as applicable to each transaction during the course of implementation of this Programme. The Project does not have any liabilities for breach or non compliance of any law in the year under review .

S.D. Solanki
Finance & Accounts Officer
District Primary Education Programme IV
(Bhavnagar, Jamnagar &
Junagadh Districts) State Aided
State Project Office

Meena Bhatt
State Project Director
District Primary Education Programme IV
(Bhavnagar, Jamnagar &
Junagadh Districts) State Aided
State Project Office

Place : Gandhinagar
Date : 27.12.2004

For Ganesh Nadar & Co
Chartered Accountants

(Ganesh Nadar)
Proprietor M.No. 100456

Place : Ahmedabad
Date : 27.12.2004

GANESH NADAR & CO

Chartered Accountants

AUDITOR'S REPORT

We have audited the attached Balance Sheet of *NETHERLANDS EARTHQUAKE PROGRAMME, Gujarat State* as at 31st March 2004 and also annexed Income and Expenditure Account for the year ended on that date. These financial statements are the responsibility of the management. Our responsibility is to express an opinion on these financial statements based on our audit.

We have conducted our audit in accordance with auditing standards generally accepted in India. Those Standards required that we plan and perform the audit to obtain reasonable assurance about whether the financial statements are free of material misstatement. An audit includes examining, on a test basis, evidence supporting the amounts and disclosures in the financial statements. An audit also includes assessing the accounting principles used and significant estimates made by management, as well as evaluating the overall financial statement.

We report that :-

a. Receipts and Payments have been properly and correctly shown in the books of accounts.

b. The cash balance and vouchers were in the custody of the Officer In-charge on the date of our audit.

c. We had physically verified the cash during the course of our audit and found the same tallying with the cash book.

d. The cash balance at the year end has not been physically verified by us. The Fixed assets register is under preparation and we have not conducted physical verification of the same in the year under our report.

e. The balances of Advances, Payables and Receivables are as per books of accounts and subject to confirmation from the respective parties.

f. Books, deeds, accounts, vouchers and other documents and records required by us were produced before us for our audit.

g. It has been observed during the course of our audit that no fund has been applied for any object or purpose other than the object or purpose approved by the State Project Director.

For Ganesh Nadar & Co
Chartered Accountants

GANESH NADAR & CO AHMEDABAD M. No. 100456 CHARTERED ACCOUNTANTS

(Ganesh Nadar)
Proprietor M.No. 100456

Place : Ahmedabad
Date : 27.12.2004

"SIDDHI VINAYAK", 55, Kalpataru Society, Naranpura, Ahmedabad (Gujarat) 380013
Phone : 079 – 27473140 Email id ganeshtn@hotmail.com

NETHERLANDS EARTHQUAKE PROGRAMME - *Gujarat State*

BALANCE SHEET

AS AT 31.03.2004

SOURCES		Amount Rs.	APPLICATIONS		Amount Rs.
GRANT DETAILS			**BANK & CASH BALANCES** *[At State & District Level]*		
Opening Balance	301876973		Balance with Bank	119452680	
Less :			Cash on Hand	0	119452680
Balance Brought Forward from Income and Expenditure A/c	278801979	-23074994			
PAYABLES					
DPEP II	174940276		**RECEIVABLES**		
G.C.E.R.T	2220000				
G.C.P.E	271400000		EMD Released	248837	
Construction Teach. Quart.	42000		DPEP IV External Aided	110902461	
MDM KitchenShed Proj Grant	3122000		SSA Regular	364867816	476019114
SSA Eq Division	37850261				
SSA Pre Project	108900000				
DPEP IV State Aided	2859241				
Pending Adjustments	9271				
R M Account	16829467				
Security Deposit	374272	618546788			
TOTAL		595471794	**TOTAL**		595471794

NOTES TO ACCOUNTS AS PER ANNEXURE I ATTACHED HEREWITH

S.D.SOLANKI
Finance and Accounts Officer

MEENA BHATT
State Project Director

Netherlands Earthquake Programme
State Project Office

Place : Gandhinagar
Date : 27.12.2004

As per our Audit Report of even date
For Ganesh Nadar & Co.,
Chartered Accountants

GANESH NADAR & CO. AHMEDABAD M. No. 100456 CHARTERED ACCOUNTANTS

(Ganesh Nadar)
Proprietor M.No. 100456

Place Ahmedabad
Date : 27.12.2004

NETHERLANDS EARTHQUAKE PROGRAMME - *Gujarat State*

INCOME AND EXPENDITURE ACCOUNT

For the period ending 31.03.2004.

INCOME *(Receipts)*	*Amount Rs*	**EXPENDITURE** *(Payments)*		*Amount Rs.*
GRANT FOR UTILIZATION *[At State & District Level]* *[Grant Received during the year]*	674400000	GRANT DISBURSED / REVERSED *[At State & District Level]*		
		Repairs of Classroom	14863377	
Bank Interest Earned	609422	Child Friendly equipments	100353817	
		Comound Wall	137370274	
		Electric Facility	60639695	
		Monitoring and Supervision	-2028958	
		New Class Room	81627060	
		Sanitation Untis	4155483	
		TLM grant	-1400614	
		Water Units	827310	396207443
		Balance of Income over Expenditure Carried Forward to Balance Sheet		**278801979**
TOTAL	**675009422**	**TOTAL**		**675009422**

NOTES TO ACCOUNTS AS PER ANNEXURE I ATTACHED HEREWITH

S.D.SOLANKI
Finance and Accounts Officer

MEENA BHATT
State Project Director

Netherlands Earthquake Programme
State Project Office

Place : Gandhinagar
Date : 27.12.2004

As per our Audit Report of even date
For Ganesh Nadar & Co.,
Chartered Accountants

GANESH NADAR & CO. AHMEDABAD M. No. 100456 CHARTERED ACCOUNTANTS

(Ganesh Nadar)
Proprietor M.No. 100456

Place : Ahmedabad
Date : 27.12.2004

ANNEXURE "I" NOTES FORMING PART OF ACCOUNTS

a. The Financial Statements have been prepared under the historical cost convention on an accrual basis.

b. The Books of Accounts have been maintained in accordance with the Project Agreement and reflects the Grant Received and Grant Utilized in a financial year. Any unutilized Grant shall be reversed and adjusted at its confirmation

c. All the relevant accounting has been done in accordance with the sound accounting principles.

d. No fund has been applied for any object or purpose other than the object or purpose of the Project Agreement or purpose approved by the State Project Director.

e. In terms of the Programme, Interest or any other income / receipts received have been treated as Funds of the Programme and in that accordance the same has been accounted.

f. Balances of Advances, Payables and Receivables are as per books of accounts and subject to confirmation from respective parties.

g. Grant received and utilized for acquisition or construction of moveable and immoveable assets at districts have been treated as Grant Disbursed in the year of disbursement

h. During the year under review there are no pending claims crystallized and payable by the Project Office or under this Programme.

i. Figures have been rounded to nearest rupee.

S.D. Solanki
Finance & Accounts Officer
Netherlands Earthquake Programme
State Project Office

Meena Bhatt
State Project Director
Netherlands Earthquake Programme
State Project Office

Place : Gandhinagar
Date : 27.12.2004

For Ganesh Nadar & Co
Chartered Accountants

(Ganesh Nadar)
Proprietor M.No. 100456

Place : Ahmedabad
Date : 27.12.2004

GANESH NADAR & CO

Chartered Accountants

AUDITOR'S REPORT

We have audited the attached Balance Sheet of *G.S.D.M.A Programme*, Gujarat State as at 31st March 2004 and also annexed Income and Expenditure Account for the year ended on that date. These financial statements are the responsibility of the management. Our responsibility is to express an opinion on these financial statements based on our audit.

We have conducted our audit in accordance with auditing standards generally accepted in India. Those Standards required that we plan and perform the audit to obtain reasonable assurance about whether the financial statements are free of material misstatement. An audit includes examining, on a test basis, evidence supporting the amounts and disclosures in the financial statements. An audit also includes assessing the accounting principles used and significant estimates made by management, as well as evaluating the overall financial statement

We report that :-

a. Receipts and Payments have been properly and correctly shown in the books of accounts.

b. The cash balance and vouchers were in the custody of the Officer In-charge on the date of our audit.

c. We had physically verified the cash during the course of our audit and found the same tallying with the cash book.

d. The cash balance at the year end has not been physically verified by us. The Fixed assets register is under preparation and we have not conducted physical verification of the same in the year under our report.

e. The balances of Advances, Payables and Receivables are as per books of accounts and subject to confirmation from the respective parties.

f. Books, deeds, accounts, vouchers and other documents and records required by us were produced before us for our audit.

g. It has been observed during the course of our audit that no fund has been applied for any object or purpose other than the object or purpose approved by the State Project Director.

For Ganesh Nadar & Co
Chartered Accountants

GANESH NADAR & CO. AHMEDABAD M. No. 100456 CHARTERED ACCOUNTANTS

(Ganesh Nadar)
Proprietor M.No. 100456

Place : Ahmedabad
Date : 27.12.2004

"SIDDHI VINAYAK", 55, Kalpataru Society, Naranpura, Ahmedabad (Gujarat) 380013
Phone : 079 – 27473140 Email id ganeshtn@hotmail.com

G.S.D.M.A. PROGRAMME GUJARAT STATE

BALANCE SHEET

AS AT 31.03.2004

SOURCES		Amount Rs.	APPLICATIONS		Amount Rs.
GRANT DETAILS			**BANK & CASH BALANCES** *[At State Level]*		
Opening Balance	-2297555		Dena Bank Account	8287816	
Add:			State Bank of Saurashtra	2795746	
Brought Forward from Income and Expendiure A/c	10729815	8432261	Cash on Hand	-	11083561
PAYABLES *[At State Level]*			**RECEIVABLES** *[At State Level]*		
Retantion Money	137260		DPEP IV External Aided		5000000
SSA Earthquake	7514041	7651301			
TOTAL		16083561	**TOTAL**		16083561

NOTES TO ACCOUNTS AS PER ANNEXURE I ATTACHED HEREWITH

As per our Audit Report of even date
For Ganesh Nadar & Co.,
Chartered Accountants

S.D.SOLANKI
Finance and Accounts Officer

MEENA BHATT
State Project Director
G.S.D.M.A Programme, Gujarat State
State Project Office

Place : Gandhinagar
Date : 27.12.2004

(Ganesh Nadar)
Proprietor M No 100456

Place : Ahmedabad
Date : 27.12.2004

G.S.D.M.A. PROGRAMME GUJARAT STATE

INCOME AND EXPENDITURE ACCOUNT *For the period ending 31.03.2004.*

INCOME (Receipts)	*Amount Rs.*	**EXPENDITURE** (Payments)		*Amount Rs.*
GRANT FOR UTILIZATION Grant Received during the year *[At State Level]*	31026000	GRANT DISBURSED *[At State Level]*		
		MDM Kitchenshed Const	6883715	
Bank Interest Earned	399869	Repairing of Schools	7412878	
		Teachers Trainning Institute	6253797	
		Advertisement Exp	73312	
		Consultancy Services	116154	
		Administrative Exp	8997	20748854
Tender Fees Earned	52800			
		Excess of Income over Expenditure ***Carried Forward to Balance Sheet***		***10729815***
TOTAL	**31478669**	**TOTAL**		**31478669**

NOTES TO ACCOUNTS AS PER ANNEXURE I ATTACHED HEREWITH

As per our Audit Report of even date
For Ganesh Nadar & Co.,
Chartered Accountants

GANESH NADAR & CO. AHMEDABAD M. No. 100456 CHARTERED ACCOUNTANTS

S.D.SOLANKI
Finance and Accounts Officer

MEENA BHATT
State Project Director

G.S.D.M.A Programme, Gujarat State
State Project Office

Place : Gandhinagar
Date : 27.12.2004

(Ganesh Nadar)
Proprietor M.No. 100456

Place : Ahmedabad
Date : 27.12.2004

ANNEXURE "I" NOTES FORMING PART OF ACCOUNTS

a. The Financial Statements have been prepared under the historical cost convention on an accrual basis.

b. The Books of Accounts have been maintained in accordance with the Project Agreement and reflects the Grant Received and Grant Utilized in a financial year. Any unutilsed Grant shall be reversed and adjusted at its confirmation.

c. All the relevant accounting has been done in accordance with the sound accounting principles.

d. No fund has been applied for any object or purpose other than the object or purpose of the Project Agreement or purpose approved by the State Project Director.

e. Grant received under this program are disbursed to each district for utilization, the balance undisbursed or unutilized amount at each district level are treated as Balance with respective district.

f. In terms of the Programme, Interest or any other income / receipts received have been treated as Funds of the Programme and in that accordance the same has been accounted.

g. Balances of Advances, Payables and Receivables are as per books of accounts and subject to confirmation from respective parties.

h. Grant received and utilized for acquisition or construction of moveable and immoveable assets at districts have been treated as Grant Disbursed at each district level in the year of disbursement.

i. Figures have been rounded to nearest rupee.

S.D. Solanki
Finance & Accounts Officer
G.S.D.M.A Programme, Gujarat State
State Project Office

Meena Bhatt
State Project Director
G.S.D.M.A Programme, Gujarat State
State Project Office

Place : Gandhinagar
Date : 27.12.2004

For Ganesh Nadar & Co
Chartered Accountants

GANESH NADAR & CO AHMEDABAD M. No. 100456 CHARTERED ACCOUNTANTS

(Ganesh Nadar)
Proprietor M.No. 100456

Place : Ahmedabad
Date : 27.12.2004

GANESH NADAR & CO

Chartered Accountants

AUDITOR'S REPORT

We have audited the attached Balance Sheet of Construction of Teachers Quarter Programme, Gujarat State as at 31st March 2004 and also annexed Income and Expenditure Account for the year ended on that date. These financial statements are the responsibility of the management. Our responsibility is to express an opinion on these financial statements based on our audit.

We have conducted our audit in accordance with auditing standards generally accepted in India. Those Standards required that we plan and perform the audit to obtain reasonable assurance about whether the financial statements are free of material misstatement. An audit includes examining, on a test basis, evidence supporting the amounts and disclosures in the financial statements. An audit also includes assessing the accounting principles used and significant estimates made by management, as well as evaluating the overall financial statement

We report that :-

a. Receipts and Payments have been properly and correctly shown in the books of accounts.

b. The cash balance and vouchers were in the custody of the Officer In-charge on the date of our audit.

c. We had physically verified the cash during the course of our audit and found the same tallying with the cash book.

d. The cash balance at the year end has not been physically verified by us. The Fixed assets register is under preparation and we have not conducted physical verification of the same in the year under our report.

e. The balances of Advances, Payables and Receivables are as per books of accounts and subject to confirmation from the respective parties.

f. Books, deeds, accounts, vouchers and other documents and records required by us were produced before us for our audit.

g. It has been observed during the course of our audit that no fund has been applied for any object or purpose other than the object or purpose approved by the State Project Director.

For Ganesh Nadar & Co
Chartered Accountants

GANESH NADAR & CO AHMEDABAD M. No. 100456 CHARTERED ACCOUNTANTS

(Ganesh Nadar)
Proprietor M.No. 100456

Place : Ahmedabad
Date : 27.12.2004

"SIDDHI VINAYAK", 55, Kalpataru Society, Naranpura, Ahmedabad (Gujarat) 380013
Phone : 079 – 27473140 Email id ganeshtn@hotmail.com

CONSTRUCTION OF TEACHERS QUARTERS - PROGRAMME
GUJARAT STATE

BALANCE SHEET

AS AT 31.03.2004

SOURCES		Amount Rs.	APPLICATIONS		Amount Rs.
GRANT DETAILS			**BANK & CASH BALANCES** *[At State Level]*		
Opening Balance	56665000		Balance with Bank	98003793	
Add:			Cash on Hand	0	**98003793**
Brought Forward from Income and Expendiure A/c	41380793	**98045793**	**RECEIVABLES** *[At State Level]*		
			N E Q Account		42000
TOTAL		**98045793**	**TOTAL**		**98045793**

NOTES TO ACCOUNTS AS PER ANNEXURE I ATTACHED HEREWITH

As per our Audit Report of even date
For Ganesh Nadar & Co.,
Chartered Accountants

GANESH NADAR & CO. AHMEDABAD M. No. 100456 CHARTERED ACCOUNTANTS

S.D.SOLANKI
Finance and Accounts Officer

MEENA BHATT
State Project Director
Construction of Teachers Quarter Programme, Gujarat State
State Project Office

Place : Gandhinagar
Date : 27.12.2004

(Ganesh Nadar)
Proprietor M No. 100456

Place : Ahmedabad
Date : 27.12 2004

CONSTRUCTION OF TEACHERS QUARTERS - PROGRAMME
GUJARAT STATE

INCOME AND EXPENDITURE ACCOUNT *For the period ending 31.03.2004.*

INCOME (Receipts)	*Amount Rs.*	**EXPENDITURE** (Payments)		*Amount Rs.*
GRANT FOR UTILIZATION Grant Received during the year *[At State Level]*	39335000	GRANT DISBURSED *[At State Level]*		
		Advertisement Expenditure	8640	
Bank Interest Earned	2161239	Consultancy Expenditure	88200	
		Office Expenditure	65356	162196
Tender Fees Earned	46750			
		Excess of Income over Expenditure ***Carried Forward to Balance Sheet***		***41380793***
TOTAL	**41542989**	**TOTAL**		**41542989**

NOTES TO ACCOUNTS AS PER ANNEXURE I ATTACHED HEREWITH

S.D SOLANKI
Finance and Accounts Officer

MEENA BHATT
State Project Director

Construction of Teachers Quarter Programme, Gujarat State
State Project Office

Place : Gandhinagar
Date : 27.12 2004

As per our Audit Report of even date
For Ganesh Nadar & Co.,
Chartered Accountants

(Ganesh Nadar)
Proprietor M.No. 100456

GANESH NADAR & CO. AHMEDABAD M. No. 100456 CHARTERED ACCOUNTANTS

Place : Ahmedabad
Date : 27.12 2004

ANNEXURE "I" NOTES FORMING PART OF ACCOUNTS

a. The Financial Statements have been prepared under the historical cost convention on an accrual basis.

b. The Books of Accounts have been maintained in accordance with the Project Agreement and reflects the Grant Received and Grant Utilized in a financial year. Any unutilsed Grant shall be reversed and adjusted at its confirmation.

c. All the relevant accounting has been done in accordance with the sound accounting principles.

d. No fund has been applied for any object or purpose other than the object or purpose of the Project Agreement or purpose approved by the State Project Director.

e. Grant received under this program are disbursed to each district for utilization, the balance undisbursed or unutilized amount at each district level are treated as Balance with respective district.

f. In terms of the Programme, Interest or any other income / receipts received have been treated as Funds of the Programme and in that accordance the same has been accounted.

g. Balances of Advances, Payables and Receivables are as per books of accounts and subject to confirmation from respective parties.

h. Grant received and utilized for acquisition or construction of moveable and immoveable assets at districts have been treated as Grant Disbursed at each district level in the year of disbursement.

i. Figures have been rounded to nearest rupee.

S.D. Solanki
Finance & Accounts Officer
Construction of Teachers Quarter Programme,
Gujarat State
State Project Office

Meena Bhatt
State Project Director
Construction of Teachers Quarter Programme
Gujarat State
State Project Office

Place : Gandhinagar
Date : 27.12.2004

For Ganesh Nadar & Co
Chartered Accountants

(Ganesh Nadar)
Proprietor M.No. 100458

Place : Ahmedabad
Date : 27.12.2004

एन पी इ जी इ एल

वडोदरा जिले के वाघोडिया की स्कूल में एनपीइजीइएल का औपचारिक रुप से प्रारंभ करती हुई मान. शिक्षा मंत्री श्रीमती आनंदीबेन पटेल, जब कि सुश्री मीना भट्ट, स्टेट प्रोजेक्ट डायरेक्टर दीप जला रही है।

एनपीइजीइएल के अमलीकरण के लिए युनिसेफके सहयोगसे अहमदाबादमें आयोजित राज्यस्तरके कार्य शिबिरमें हिस्सा लेते हुए प्रतिभागी।

सुरेन्द्रनगर जिले के सायला बीआरसी में एनपीइजीइएल के अमलीकरणके विषयमें नवसंस्करण पाते हुए सीआरसी को.ओर्डिनेटर्स।

SCANNED

प्रवेशोत्सव २००३

प्रवेशोत्सव - २००३ का नेतृत्व मान. मुख्यमंत्री श्री नरेन्द्रभाई मोदीने किया जिन्होंने नर्मदा जिले के डेडियापाडा तालुकेके दूरदराज के गॉवोंका दौरा किया।

सार्वत्रिक नामांकन को प्रोत्साहन देने के लिए राज्यके सभी गॉवोमें जुलुस निकाले गए। तस्वीरमें जुलुस में शामिल की गई एक बैलगाडी को दिखाया गया है।

तरंग - उल्लासमय वातावरणमें बच्चोंको स्कूलोंमें नामांकित किया गया। कागझी टोपियां धारण किए बच्चों की वजहसे स्कूलोंमें उत्सवसा लग रहा था।